ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 30 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-239

भावभीनी श्रद्धांजलि

हमारे समधी जी

श्री गोपालजी अग्रवाल (गोपी भाई)

(सुपुत्र : स्व. श्री नथमलजी बसईवाले)

स्वर्गवास : शुक्रवार दि.22-8-2025

दिल से स्नेह आपका था हम पर, करते हैं नमन आपको ।
श्रद्धा के सब सुमन समर्पित, रखेंगे सदैव स्मरण आपको ।।
इस दुनिया से चले गए आप, दिलों से नहीं जा पाओगे ।
चाहे जिस भव में रहो आप, हम सभी को याद आओगे ।।

– श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता –

भगवानदास सत्यनारायण चनानिया

उत्तमचंद शरद संघी (एडवोकेट)

रतनलाल नरेंद्र अग्रवाल

फर्म : **नरेंद्रा स्टील्स**

बालानगर । जेडीमेटला । मेडचल

बत्तीस उपवास की तपस्या का प्रत्याख्यान बसवनगुडी दादावाड़ी में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित मलयप्रभ सागर जी और साध्वी हर्षपूर्णा श्री जी द्वारा श्रुति दीपक छाजेड़ को मासक्षमण तप का प्रत्याख्यान प्रदान किया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी और महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने तपस्वी का तिलक, माला, चूंदड़ी और स्मृति चिन्ह से बहुमान किया। गुरुदेव ने प्रवचन में कहा कि जैन धर्म में मासक्षमण तपस्या कर्मों के क्षय, आत्मशुद्धि, और मोक्ष प्राप्ति के लिए एक कठोर आध्यात्मिक साधना है, जिसमें केवल गर्म पानी का सेवन किया जाता है। आत्म-शुद्धि और कर्म-निर्जरा हेतु यह तपस्या पिछले जन्मों के संचित कर्मों को नष्ट करने और आत्मा को शुद्ध करने का एक शक्तिशाली साधन है। साध्वी हर्षपूर्णा श्री जी ने कहा कि तपस्या से मन बाहरी विषयों से हटकर आध्यात्मिकता में लीन हो जाता है। इस तपस्या से व्यक्ति अपनी सुप्त ऊर्जा को जागृत करता है, उसे संरक्षित करता है, और फिर उसका उपयोग चित्त-शुद्धि के लिए करता है। तपस्या सुप्त संस्कारों को जगाकर आध्यात्मिक विकास की गति को बढ़ाती है और व्यक्ति को सत्य के मार्ग पर ले जाती है। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने संचालन करते हुए कहा कि तपस्वी इस दौरान अन्न का त्याग करते हैं और केवल सूर्योदय से सूर्यास्त तक गर्म पानी पीते हैं। तपस्या से शरीर भले ही दुर्बल हो, लेकिन आत्मा उज्ज्वल और कुंदन बन जाती है। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने कहा कि यह तपस्या श्रुति छाजेड़ ने अपने पति दीपक छाजेड़ और अपनी माताजी लक्ष्मी छाजेड़ के सहयोग से समपूर्ण की। निमित्तों के सहयोग से मन को वश में करने और स्थिर करने में तपस्या सहायक होती है, जिससे व्यक्ति सच्चा आनंद प्राप्त करता है। तपस्या से अहंकार का दमन होता है, जो आध्यात्मिक प्रगति में सबसे बड़ी बाधा है। श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के कार्यकारिणी सदस्यों ने भी तपस्या के इस शुभ अवसर पर तपस्वी का अभिनन्दन किया। राजेन्द्र गुलेच्छा और नितेश बोहरा ने तपस्वी के बहुमान में गीतिकाएं प्रस्तुत की। इससे पूर्व छाजेड़ निवास से तपस्वी अपने परिजनों के साथ वरघोड़े के रूप में पच्चखान ग्रहण करने हेतु बाजते गाजते दादावाड़ी पधारें। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट और इससे जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

प्रेम और मैत्री का आधार क्षमा: साध्वी पुण्ययशा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी पुण्ययशाजी ने क्षमापर्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा क्षमा का अर्थ है प्रतिक्रिया और प्रतिशोध के सिलसिले को रोक देना।

क्षमा से प्रेम और मैत्री की धारा बहती है। आपसी सौहार्द वृद्धिंगत होता है। क्रोध करने के बाद व्यक्ति को पश्चाताप, ग्लानी और थकान की अनुभूति होती है और क्षमा करने के बाद चित्त में शांति, संतोष व सुख की अनुभूति होती है। क्षमापना दिवस संवत्सरी की शिखर दिवस है, दिल से दिल को जोड़ने का दिवस है। साध्वी बोधिप्रभाजी ने जीवन की पोथी पढ़ने का सुन्दर अवसर आया है रोचक गीतिका से मंगलाचरण किया। तेरापंथ सभा व ट्रस्ट के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने क्षमा याचना करते हुए मैत्री दिवस की शुभ कामनाएं दी। सभा के पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, युवक परिषद अध्यक्ष विक्रम महेर, मंत्री संदीप बैद, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू बोथरा, मंत्री वंदना भंसाली, पूर्व अध्यक्षा सुमन पटावरी ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए मैत्री दिवस पर सबसे क्षमा याचना की। मंच का संचालन सी.पी.एस प्रभारी दिनेश मरोठी ने कुशलता पूर्वक करते हुए सबसे समा याचना की। पर्युषण पर्व में साध्वी के सानिध्य में एक पचरंगी तप, 10 अट्ठाई, 3 नौ दिन की, 8 पंचोले, एक 7 दिन का तप, 45 तेले, 55 बेले तथा सैकड़ों उपवास हुए। संवत्सरी के दिन तेरापंथ भवन में 141 पौषध हुए तथा धनराज टांटियां ने तेले में 24 प्रहरी पौषध किया। साध्वी जी के मंगल पाठ से कार्यक्रम सानंद संपन्न हुआ। साध्वी विनितयशाजी, साध्वी वर्धमानयशा जी, साध्वी बोधिप्रभाजी ने सभी श्रावक समाज से मैत्री दिवस पर क्षमा याचना की।

यह शरीर मिट्टी का पुतला है किंतु मुक्ति पाने का साधन भी यही: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि हम अपने शरीर की प्रेक्षा करें कि शरीर का उपयोग क्या है और उद्देश्य क्या है।

शरीर की वैभव पर हम अभिमान नहीं करें। यह शरीर मिट्टी का पुतला है किंतु मुक्ति पाने का साधन भी यही है। शरीर पर आसक्ति हमे तप जप से रोकती हैं। हम अपना भव भ्रमण बढ़ा लेते हैं। तप कर के हम इसका सार निकाल सकते हैं। अपने प्रवचन में साध्वी श्री निपुणप्रभा जी ने कहा कि प्रार्थना साधना का महत्वपूर्ण साधन है।

शरीर के रोम रोम से भक्ति बरसनी चाहिए। प्रार्थना करते वक्त आनंद की अनुभूति होनी चाहिए। प्रार्थना में याचना नहीं होनी चाहिए। मनुष्य भव पाकर फिर संसार बढ़ाने की कामना प्रार्थना में नहीं करनी चाहिए। प्रार्थना के आंसू मोती बन जाते हैं। तन मन प्रफुल्लित हो जाना चाहिए। मात्र होंठ हिलाना तो प्रार्थना का नाटक है। अपने पुण्य प्रबल होंगे और अन्तराय टूटेगी तो प्रार्थना साकार हो सकती है। अपनी प्रार्थना में तो मात्र मुक्ति की चाह होनी चाहिए। प्रवचन सभा में इरोड, रायचूर आदि स्थानों के दर्शनार्थी भी उपस्थित थे। अनेक श्रावक श्राविकाओं ने तप के प्रत्याख्यान लिए। संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने तपस्वियों का सम्मान किया। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा संचालन करते हुए तपस्वियों का परिचय दिया। साध्वी शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

मंदिर जाने से मानसिक शांति, सकारात्मकता और आध्यात्मिक उन्नति मिलती है: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने चैत्य परिपाटि राज रेसिडेंशी मंदिर दर्शन के अवसर पर कहा कि मंदिर जाने से मानसिक शांति, सकारात्मकता और आध्यात्मिक उन्नति मिलती है, जिससे तनाव कम होता है और आत्मविश्वास बढ़ता है। इसके वैज्ञानिक और ज्योतिषीय फायदे भी हैं, जैसे ग्रह दोषों से मुक्ति, अच्छी सेहत और बुरी संगत से दूरी।

मानसिक और आध्यात्मिक फायदे होते है। मंदिर का शांत वातावरण मन को सुकून देता है और चिंता व तनाव कम करता है।

भगवान के आशीर्वाद से आत्मविश्वास बढ़ता है और मन से भय दूर होता है, जिससे व्यक्ति निर्भीक बनता है। मंदिर की शुद्ध और सकारात्मक ऊर्जा से व्यक्ति के मन में अच्छे विचार आते हैं और सोच सकारात्मक होती है। मंदिर जाने से व्यक्ति में श्रद्धा, कृतज्ञता और भक्ति का विकास होता है, जो उसे आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाता है।

नियमित रूप से मंदिर जाने से बुद्धि का सम्यक विकास होता है, और एकाग्रता तथा स्मरण शक्ति भी बढ़ती है। मंदिर के वातावरण में रहने, नियम-व्रत और सही आहार-विहार से बीमारियाँ दूर रहती हैं और शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। मंदिर जाने से किसी भी प्रकार के ग्रह दोष, जैसे मंगल दोष, शनि की साढ़ेसाती आदि का बुरा प्रभाव टलता है। मंदिर जाने से व्यक्ति पर तंत्र-मंत्र, मारण-सम्मोहन आदि का कोई प्रभाव नहीं पड़ता और बुरे कर्मों से दूरी बनी रहती है। पुराने मंदिर धरती की सकारात्मक ऊर्जा के केंद्र होते हैं, और नंगे पैर मंदिर जाने से शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

अन्य लाभ मंदिर जाना एक सत्कर्म है, जिससे व्यक्ति को अच्छे कर्मों का पुण्य मिलता है। भगवान की कृपा से तरक्की के मार्ग में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं और घर में सुख-शांति, संपन्नता आती है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ उपाध्यक्ष राजेन्द्र पोरवाल ने बताया कि चैत्य परिपाटि का शुभारंभ हुआ जो श्री शंखेश्वर पार्श्व-राजेन्द्र गुरुमंदिर से शांतिनाथ मंदिर, सुपार्श्वनाथ मंदिर, जिरावला पार्श्वनाथ, आदिनाथ मंदिर होते हुए राज रेसिडेंशी में स्थित शंखलपुर पार्श्वनाथ के दर्शन कर साध्वीवृंद के प्रवचन पश्चात पूर्ण हुई। सामूहिक चैत्य परिपाटि साधर्मिक भक्ति का लाभ मफतलाल खंगारमल, राज कुमार कपूरचन्द, किरण कुमार मोहनलाल, महावीर कुमार कुशलराज, भवरलाल ओठमल, किशोरमल सुखराज, महेंद्र कुमार मगराज, महेंद्र कुमार नैनमल, अरविन्द कुमार देवीचंद, संघवी किरण कुमार मोहनलाल, अमीचंद नटवरलाल, चेनमल सोनी, नितेश कुमार मिठालाल, राज रेसिडेंशी वालों ने लिया। साध्वी भव्यगुणा ने सभी घरों में पगलिया किये।

मुतालिक ने किया महावीर लिंब सेंटर का अवलोकन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राम सेना के संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद मुतालिक ने हुब्बल्ली स्थित किम्स परिसर में ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन द्वारा संचालित महावीर लिंब सेंटर का दौरा किया। यह सेंटर दिव्यांगजनों की सेवा के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। इस दौरान मुतालिक ने सेंटर में उपलब्ध सुविधाओं और वहां किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने पदाधिकारियों और कर्मचारियों से संवाद कर कृत्रिम अंग (लिम्ब) निर्माण और वितरण की प्रक्रिया की जानकारी ली और उपस्थित दिव्यांग लाभार्थियों से भी मुलाकात की। मुतालिक ने कहा कि भगवान महावीर के दिव्य संदेश ''जियो और जीने दो'' की तर्ज पर कार्य करते हुए महावीर लिंब सेंटर जैसी सेवाएं समाज के उन वर्गों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, जो अक्सर उपेक्षित रह जाते हैं। मुतालिक ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी के नेतृत्व में समाज के समर्पित सदस्यों द्वारा दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए ऐसे प्रयास प्रेरणादायक हैं। महावीर लिंब सेंटर वर्षों से जरूरतमंद दिव्यांगों को मुफ्त में कृत्रिम अंग प्रदान कर रहा है, सेंटर के माध्यम से दक्षिण भारत के अनेक राज्यों जैसे कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, गोवा, महाराष्ट्र सहित अनेक राज्यों में शिविर आयोजित कर 55000 से अधिक दिव्यांगों को कृत्रिम पाँव लगाए गए है, जिससे वे स्वावलंबी बन सकें। प्रमोद मुतालिक ने वर्ष 2021 में फेडरेशन के अध्यक्ष महेंद्र सिंघी को तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई द्वारा राज्योत्सव पुरस्कार से सम्मानित किए जाने का उल्लेख करते हुए बोम्मई के प्रति आभार प्रकट किया। साथ ही उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से आग्रह किया कि वे महावीर लिंब सेंटर की सेवाओं को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार की सामाजिक पहलों को प्रोत्साहित करें और आवश्यक सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी ने बताया कि, हम दानदाताओं के सहयोग से पिछले कई वर्षों से निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रदान कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य है कि दिव्यांगजन आत्मनिर्भर बनें और समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। इस दौरान लिंब सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी, कन्वीनर सुभाष चंद्रा डंक सहित अन्य पदाधिकारियों ने प्रमोद मुतालिक का सम्मान कर उनका स्वागत किया और सेंटर के प्रति सहयोग व रुचि के लिए आभार प्रकट किया।

यह संसार सपने जैसा : संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि संसार की सारी माया सारी बात सपने जैसी है। सपने में मनुष्य कहीं का कहीं पहुंच जाता है। लेकिन होश आने के बाद वापस चला आता है।

सपने में मनुष्य इतना मग्न हो गया है कि जो उसका है ही नहीं उसको लेकर भी मान अभिमान करता है। यह रूप रंग सब ढल जाएगा। यौवन का जो नशा है वह भी एक दिन उतर जाएगा। प्राणी को समझ जाना चाहिए कि यह संसार सपना हैं। जैसे पानी में थोड़ी देर के लिए झाग आता है और फिर खत्म हो जाता है। वैसा ही संसार है। जैसे जादूगर नोट दिखाता है फिर वह गायब हो जाता है। वैसे ही संसार का सपना है। झूठी मोह माया के चक्कर में मानव जीवन बर्बाद कर रहा है। लेकिन यह सपने जैसा संसार एक दिन खत्म हो जाएगा। सुबह खिला हुआ फूल भी शाम को मुरझा जाता है। मनुष्य क्या सोचता है और क्या हो जाता है। सेकेंड में सब कुछ बदल जाता है। काल आने पर मनुष्य की एक भी नहीं चलती। मनुष्य कितना भी उपाय कर ले अगर भाग्य में है तो मिलेगा। भाग्य में नहीं है तो हाथ में आया चीज भी चला जाएगा। ऐसे संसार में मनुष्य अपना जीवन बर्बाद कर रहा है। भगवान के चरणों में मानव भव का कल्याण निश्चित है। इतना जानने के बाद भी मनुष्य भगवान के सन्मुख नहीं जा रहा है। द्वार-द्वार में मनुष्य जाकर आया है लेकिन उसे कोई आधार नहीं मिला है। इस भव से सिर्फ प्रभु ही तार सकते हैं। गुरुदेव ने फरमाता की मनुष्य संसार के ऐसे जाल में फंसा है कि उसको चैन भी नहीं है। इस कलयुग में कथा कीर्तन से ही जीवन का कल्याण संभव है। इसके अलावा और कोई माध्यम नहीं है। संसार की माया बहुत अलग होती है। संसार मायाजाल है। यहां समय आने पर राजा रंक और रंक राजा बन जाता है। मनुष्य यहां रह कर अपना कर्तव्य भूल जाता है। लेकिन याद रखो संसार में जल में कमल की तरह रहो। ऐसा करने पर आनंद के भागी बनेंगे। रविवारीय प्रवचन का समय दिन में मध्यान 2 बजे से रहेगा। संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

तपस्वी कार्तिक वोरा की तपस्या का समाज ने किया भावपूर्ण सम्मान

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, हुब्बली के तत्वावधान में, पूज्य मुनि नवीनप्रज्ञ जी के पावन सान्निध्य में चल रहे चातुर्मास के दौरान तपस्वी कार्तिक अनिल वोरा की तपस्या की अनुमोदना करते हुए समाजबंधुओं द्वारा उन्हें हृदयपूर्वक सम्मानित किया गया। तपस्वी कार्तिक वोरा ने अट्ठाई तप (8 उपवास) की कठिन साधना का प्रत्याख्यान लिया। इस अद्वितीय आत्म-संयम और तपशक्ति के प्रति श्रद्धा प्रकट करते हुए समाज के गणमान्य जनों ने तपस्वी का सुखसाता पृछकर उनकी अनुमोदना की। तत्पश्चात उन्हें माल्यार्पण कर शुभकामनाएँ दी। इस विशेष अवसर पर समाज के पूर्व अध्यक्ष एवं समाज शिरोमणि महेन्द्र सिंघी, चातुर्मास 2025 के लाभार्थी परिवार के अनिल भुरट, संघ के कोषाध्यक्ष कांतिलाल बोहरा, चातुर्मास 2025 भोजन समिति संयोजक शांतिलाल बोहरा, अनिल बोहरा, सुनील बोहरा, भारत जैन महामंडल (हुब्बली शाखा) के अध्यक्ष सुभाष चंद्रा डंक, तपस्वी की दादी चंपा देवी बोहरा, कविता बोहरा, वर्षा मुथा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। समाजजनों ने कार्तिक वोरा की साधना से प्रेरणा लेते हुए आत्मचिंतन और संयम को जीवन में अपनाने का संकल्प दोहराया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सुदामा नगर स्थित श्री विद्या गणपति युवाकारा संघ द्वारा तीन दिवसीय गणेश उत्सव का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर भव्य दरबार सजाया गया और बड़ी संख्या में लोगों ने पंडाल में पहुँच कर दर्शन किये। शुक्रवार शाम को गणेश विसर्जन किया गया। जिसमें कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु से अनेक कलाकारों ने नृत्य प्रस्तुति दी। इस मौके पर बड़ी संख्या में राजस्थानी प्रवासी परिवारों ने भाग लिया।

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

युवाओं द्वारा व्हीलिंग स्टंट में जान जोखिम में डालने के कारण 4 वर्षों में ... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 30 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-239

इंडिया-टुडे और सी-वोटर का मूड ऑफ द नेशन सर्वे रिपोर्ट जारी

आज लोकसभा चुनाव हुए तो एनडीए को मिलेंगी 324 सीटें

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। 2024 के लोकसभा चुनावों के साल भर बाद भाजपा के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) की लोकप्रियता बढ़ी है। नरेंद्र मोदी सरकार के कामकाज से लोग संतुष्ट हैं। यदि आज चुनाव हुए तो एनडीए लोकसभा की 324 सीटें जीत सकता है। अकेले भाजपा की सीटें भी 2024 के 240 से बढ़कर 260 होने का अनुमान है। वहीं, विपक्ष के तौर पर राहुल गांधी की भूमिका लोगों को प्रभावित नहीं कर रही है और इंडी गठबंधन की सीटें 2024 के 234 से घटकर 208 हो सकती हैं। जनता का यह मिजाज इंडिया-टुडे और सी-वोटर के मूड ऑफ द नेशन सर्वे से सामने आया है। इस सर्वे के आंकड़े ऐसे समय में सामने आए हैं, जब इंडी गठबंधन वोट चोरी का प्रो-पेगेंडा फैला कर जनादेश को खारिज करने की कोशिश में जुटा है। प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी आज भी देश के लोगों की पहली पसंद हैं। 52 प्रतिशत लोगों

प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ही लोगों की पहली पसंद

का मानना है कि प्रधानमंत्री के तौर पर वे सबसे बेहतर हैं। वहीं, महज 25 प्रतिशत लोग राहुल गांधी को पीएम के तौर पर देखना चाहते हैं। एनडीए में नरेंद्र मोदी के बाद प्रधानमंत्री पद के लिए 28 प्रतिशत लोगों की पसंद अमित शाह, 26 प्रतिशत लोगों की पसंद

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और 7 प्रतिशत लोगों की पसंद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी हैं। यानि, प्रधानमंत्री के लिए लोगों की पसंद में नरेंद्र मोदी के बाद अमित शाह और उसके बाद योगी

लोगों ने कहा, राहुल गांधी फ्लॉप नेता, इंडी का ग्राफ नीचे

आदित्यनाथ प्राथमिकता में हैं। राहुल गांधी का नंबर उसके बाद है। सर्वे के दौरान लोगों से प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी के प्रदर्शन को लेकर भी सवाल किया गया। 34 प्रतिशत लोगों ने उनके कार्यकाल को बहुत अच्छा और 24 प्रतिशत लोगों ने अच्छा बताया। यानि, 58 प्रतिशत लोग उनके काम से संतुष्ट हैं। वहीं विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी के प्रदर्शन को 15 प्रतिशत लोगों ने खराब और 12 प्रतिशत लोगों ने बहुत ही खराब बताया है। 17 प्रतिशत लोग अयोध्या में राम मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण को एनडीए सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि मानते हैं। 12 प्रतिशत लोगों ने ऑपरेशन सिंदूर, 10 प्रतिशत लोगों ने बुनियादी ढांचे के विकास, 9 प्रतिशत लोगों ने अनुच्छेद 370 के खात्मे, 7 प्रतिशत लोगों ने लोक कल्याणकारी योजनाओं और 6 प्रतिशत लोगों ने भ्रष्टाचार मुक्त सरकार को बड़ी उपलब्धि बताया है। ▶10पर

सात साल बाद जापान पहुंचे पीएम मोदी का हुआ भव्य स्वागत

भारत-जापान साझेदारी विश्व शांति के लिए जरूरी : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी व प्रधानमंत्री इशिबा के बीच हुई अहम वार्ता

जापान की व्यापारिक हस्तियों को भारत में निवेश का न्यौता

टोक्यो, 29 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार 29 अगस्त को दो दिन की जापान यात्रा पर टोक्यो पहुंचे। हानेडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी का जोरदार स्वागत किया गया। जापान के लोगों ने गायत्री मंत्र गाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा से मुलाकात हुई। दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश और तकनीकी क्षेत्रों सहित समग्र द्विपक्षीय संबंधों को और विस्तारित करने पर बात की। शिखर वार्ता से पहले प्रधानमंत्री ने भारत-जापान व्यापार मंच को संबोधित करते हुए कहा कि जापान की प्रौद्योगिकी और भारत की प्रतिभा मिलकर इस सदी की तकनीकी क्रांति का नेतृत्व कर सकती है। जापान में प्रधानमंत्री मोदी का दौरा शनिवार 30 अगस्त तक चलेगा, इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी चीन के शहर तिआनजिन जाएंगे। वहां वे 31 अगस्त और 1 सितंबर को शंघाई सहयोग संगठन (एस-सीओ) के वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस दौरान उनकी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से द्विपक्षीय बैठक ▶10पर

भारत-चीन साथ काम करें तो वैश्विक अर्थ-व्यवस्था स्थिर होगी : मोदी

टोक्यो, 29 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापानी समाचार पत्र को दिए साक्षात्कार में कई अहम मुद्दों पर अपनी बात रखी। इस दौरान पीएम मोदी ने भारत-जापान के साथ-साथ चीन के साथ स्थिर संबंधों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि विश्व आर्थिक व्यवस्था में स्थिरता लाने के लिए भारत और चीन का साथ काम करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली आपसी सम्मान, साझा हितों और परस्पर संवेदनशीलता के आधार पर दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। जापान यात्रा के दौरान द योमिउरी शिंबुन को दिए साक्षात्कार में पीएम मोदी ने कहा कि भारत और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी आबादी वाले देश और पड़ोसी भी हैं। अगर आपसी संबंध स्थिर, पूर्वानुमेय और मैत्रीपूर्ण बनाएं, तो उसका सकारात्मक असर क्षेत्रीय और वैश्विक शांति एवं समृद्धि पर पड़ेगा। ▶10पर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सम्मेलन में मोहन भागवत ने कहा

देश में आबादी का संतुलित होना बेहद जरूरी

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष में आयोजित तीन दिवसीय संवाद के अंतिम दिन प्रश्नोत्तर सत्र को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, बढ़ती हुई जनसंख्या देश के लिए बोझ और अवसर दोनों है। जनसंख्या नीति ऐसी होनी चाहिए, जिसमें आबादी की जरूरत को पूरा करने के साथ इसे नियंत्रित भी किया जा सके और संपूर्ण आबादी का ठीक से पालन-पोषण हो सके। इस नीति से देश की जरूरत और आबादी के बीच बेहतर संतुलन कायम होना चाहिए।

संघ प्रमुख ने कहा, शास्त्र के साथ विज्ञान भी यह कहता है कि जन्मदर उचित होनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो संबंधित वर्ग या समाज विलुप्त हो जाता है। इसी नीति के तहत सभी देश एक दंपति के कम से कम तीन बच्चों के सिद्धांत या नीति पर आगे बढ़ रहे हैं। संघ प्रमुख ने कहा, नई परिस्थितियों में देश के हर वर्ग, समुदाय, धर्म की जन्म दर घटी है, लेकिन सबसे तेज गिरावट हिंदुओं के जन्म दर में आई है। उन्होंने कहा कि आबादी अधिक बढ़ने पर इसे नियंत्रित करने के लिए प्रकृति भी अपना काम करती है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने एक दंपति के तीन बच्चे की वकालत करते हुए कहा कि जिस समाज में परिवारों के तीन से कम संतानें हों, उनका अस्तित्व धीरे-धीरे खत्म हो जाता है। उन्होंने आबादी नियंत्रण के साथ पर्याप्त जनसंख्या को भी देश के लिए जरूरी बताया। संघ प्रमुख ने कहा, देश की जनसंख्या नीति के मुताबिक एक दंपति के पास 2.1 बच्चे चाहिए। ▶10पर

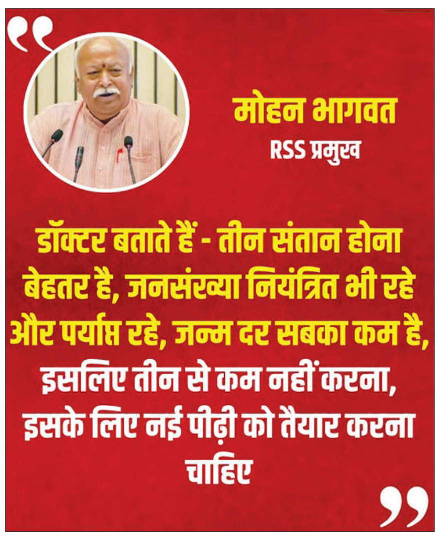

चीन सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने लिखा

ड्रैगन और हाथी लाएंगे स्थिरता और समृद्धि

मोदी के टैरिफ विरोध से चीन खुश

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ-ट्रिक के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ताल ठोकने से टैरिफ प्रभावित तमाम देश काफी गदगद हैं। इनमें चीन प्रमुख है। चीन के सरकारी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है, ड्रैगन और हाथी ही दुनिया में स्थिरता और समृद्धि लाएंगे। ग्लोबल टाइम्स ने लिखा, मोदी की चीन यात्रा भारत-चीन संबंधों को सुधारने का एक बढ़िया अवसर है। दोनों देश अपने रिश्तों को साझेदार की तरह संभालने की कोशिश कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन की जापान यात्रा के बाद एससीओ सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चीन के शहर तिआनजिन जाएंगे। वहां प्रधानमंत्री मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात हो सकती है। एससीओ सम्मेलन के दौरान ही प्रधानमंत्री मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भी मुलाकात होगी। ट्रंप के टैरिफ-ट्रिक को लेकर भारत की अमेरिका के साथ संबंधों में तल्खी के बीच जापान, रूस और चीन के प्रमुखों से प्रधानमंत्री मोदी की बातचीत को अहम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से पहले चीन के सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने अपने संपादकीय में प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा को ऐतिहासिक बताया है। ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तक चीन के तियानजिन शहर में आयोजित एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने जा रहे हैं। यह 7 वर्षों में उनकी पहली चीन यात्रा है। ▶10पर

पीएम मोदी और उनकी माता जी के लिए अपशब्द पर बवाल

अपशब्द बोलने के लिए माफी मांगें राहुल गांधी: अमित शाह

नई दिल्ली/पटना, 29 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत माताजी के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनके कार्यकर्ताओं के खिलाफ माहौल बेहद गर्म और तनावपूर्ण हो गया है। इसके खिलाफ बिहार में जमकर धरना-प्रदर्शन हो रहे हैं और राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी मर्यादा उल्लंघन की इस हरकत की सख्त निंदा की है। बिहार रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां को अपशब्द कहने वाले राहुल गांधी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जमकर लताड़ा। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस नेता को माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ये लोग जितनी गालियां देंगे, कमल उतना ही खिलता जाएगा। शाह ने कहा, कांग्रेस नेताओं ने अपनी घुसपैठिया बचाओ यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की मां के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करके बेहद निंदनीय कृत्य किया है। मैं इसकी निंदा करता हूं। हर कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपमानजनक शब्द कहे हैं। ▶10पर

अभद्र भाषा का इस्तेमाल सूरज पर थूकने जैसा है : योगी

किसी को भी शालीनता लांघने का अधिकार नहीं : ओवैसी

प्रधानमंत्री जन धन योजना के ग्यारह वर्ष पूरे हुए

11 साल में आम आदमी की मुट्ठी में आए बैंक

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री जन धन योजना ने ग्यारह वर्षों में 56 करोड़ से ज्यादा खाते खोलकर वित्तीय समावेशन का नया अध्याय लिखा है। महिलाओं की भागीदारी, गरीबों की सुरक्षा और सीधे लाभांतरण से यह योजना गरीबों की जीवन रेखा बन गई है।

56.16 करोड़ खातों में 2.68 लाख करोड़ जमा

प्रधानमंत्री जन धन योजना के 11 साल पूरे हो गए। अब से ग्यारह साल पहले भारत आर्थिक रूप से बहुत अलग था। करोड़ों लोग ऐसे थे जिनके पास न तो कोई बैंक खाता था और न ही औपचारिक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच। खासकर ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में आम लोग अपनी मेहनत की कमाई घर में रखते थे या फिर ऊंचे ब्याज पर साहूकारों से कर्ज लेते थे। नतीजा यह होता कि गरीबी और कर्ज का बोझ कभी कम नहीं होता। आर्थिक सुरक्षा तो उन परिवारों के लिए दूर का सपना था। ऐसे माहौल में 28 अगस्त 2014 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री जन धन योजना की शुरुआत की। इसका मकसद था, हर भारतीय को बैंकिंग से जोड़ना, हर परिवार को वित्तीय पहचान देना और हर नागरिक को आर्थिक सुरक्षा दिलाना।

इस योजना ने बैंकिंग की दुनिया को आम आदमी के दरवाजे तक पहुंचा दिया। जीरो बैलेंस खाते, आसान केवाईसी प्रक्रिया, रुपे डेबिट कार्ड और बीमा जैसी सुविधाओं ने गरीबों के लिए बैंक को सहज और सुलभ बना दिया। ग्यारह साल के इस सफर में जन धन योजना ने जो बदलाव किए, ▶10पर

वायु प्रदूषण से भारत में घट गए जिंदगी के 3.5 साल

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में सांस लेना दिन-ब-दिन मुश्किल होता जा रहा है। हवा में घुला प्रदूषण अब केवल खांसी-जुकाम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी जिंदगी के साल छीन रहा है। शिकागो विश्वविद्यालय के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट (एपिक) की एक ताज़ा स्टडी बताती है कि वायु प्रदूषण भारत में औसत आयु को 3.5 साल कम कर रहा है। यह आंकड़ा चौंकाने वाला है, क्योंकि यह बच्चों और माताओं में कुपोषण (1.6 साल) और तंबाकू के इस्तेमाल (1.5 साल) से होने वाले नुकसान से ▶10पर

23वें लॉ कमीशन के सदस्य हितेश जैन ने बेबाकी से कहा

'सियासी' जजों के चेहरे से नकाब हटना जरूरी

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। विपक्षी गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी के मुद्दे पर भारतीय न्यायपालिका दो धड़ों में बंटती दिखाई दे रही है। दरअसल सुदर्शन रेड्डी को लेकर अमित शाह ने जो बयान दिया था, उस पर कुछ रिटायर्ड जजों ने आपत्ति जताई थी। अब उन जजों के जवाब में 56 अन्य पूर्व जजों ने खुला पत्र लिखा है, जिसमें कहा गया है कि राजनीतिक बयानों से न्यायपालिका की गरिमा को नुकसान हो रहा है। 23वें लॉ कमीशन के सदस्य हितेश जैन ने भी सुदर्शन रेड्डी का समर्थन करने वाले पूर्व जजों के प्रति नाराजगी जाहिर की है। हितेश जैन ने कहा, हाल ही में जस्टिस अभय ओका के कुछ इंटरव्यू पढ़े और मुझे बिल्कुल भी हैरानी नहीं हुई कि उन्होंने भी जस्टिस सुदर्शन रेड्डी के समर्थन में लिखे पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। हितेश जैन ने कहा कि ऐसा ट्रेंड चल रहा है कि ज्यादा से ज्यादा रिटायर्ड जज खुलकर राजनीतिक कार्यकर्ताओं की तरह व्यवहार कर रहे हैं और ये बात मुझे परेशान करती है। हितेश जैन ने कई पूर्व जजों के नाम लेकर दावा किया कि न्यायिक आजादी के सैद्धांतिक रुख के बजाय, ये जज पक्षपाती हो रहे हैं। जैन ने लिखा न्यायिक आजादी, प्रेस कॉन्फ्रेंस करने, इंटरव्यू देने या पक्षपाती पत्रों के जरिए सुरक्षित नहीं रहती, बल्कि इसके लिए जिला अदालतों और मजिस्ट्रेट अदालतों की हर दिन की कार्यवाही देखी जाती हैं, जहां लाखों लोगों के भाग्य का फैसला होता है।

हितेश जैन ने कुछ रिटायर्ड जजों पर निशाना साधते हुए कहा कि ये वही न्यायाधीश हैं, जो अब लोकतंत्र के संरक्षक होने का दावा करते हैं, लेकिन असल मुद्दों जैसे निचली अदालतों ▶10पर

राम सेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने पर केंद्र जवाब दे

नई दिल्ली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राज्यसभा के पूर्व सांसद सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा है। जिसमें सुब्रमण्यम स्वामी ने सरकार को राम सेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने के लिए शीघ्र निर्णय लेने का निर्देश देने का अनुरोध किया है।जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने स्वामी की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताते हुए केंद्र को नोटिस जारी किया और मामले की अगली सुनवाई चार हफ्ते बाद तय की। ▶10पर

युवाओं द्वारा व्हीलिंग स्टंट में जान जोखिम में डालने के कारण 4 वर्षों में 2,300 मामले आए सामने

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक की सड़कों पर एक खतरनाक सनक हावी हो रही है युवा मोटरसाइकिल चालक, जिनमें से कई छात्र हैं, सार्वजनिक सड़कों और फ्लाईओवरों पर उच्च-जोखिम वाले व्हीलिंग स्टंट कर रहे हैं। यह चलन, जो मुख्यतः सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आकर्षण से प्रेरित है, एक बढ़ती हुई जन सुरक्षा चिंता का विषय बन गया है, और पिछले चार वर्षों में ही राज्य भर में 2,324 मामले दर्ज किए गए हैं। यातायात पुलिस और प्रवर्तन अधिकारियों के आंकड़ों के अनुसार, हाल के वर्षों में, विशेष रूप से बेंगलूरु और अन्य शहरी केंद्रों में, व्हीलिंग की घटनाओं में तेजी से वृद्धि हुई है।

2022 में, 404 मामले दर्ज किए गए, उसके बाद 2023 में 392 मामले दर्ज किए गए। 2024 में यह संख्या बढ़कर 822 हो गई, और 2025 में अगस्त तक 706 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। इस चलन को और भी खतरनाक बनाने वाली बात यह है कि ये स्टंट अक्सर बिना हेलमेट, सुरक्षात्मक गियर या यातायात नियमों की परवाह किए किए जाते हैं। अधिकारियों का कहना है कि कई युवा इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफ़ॉर्म के लिए ध्यान खींचने वाले रील और स्टंट वीडियो बनाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं - और दूसरों को भी खतरे में डाल रहे हैं। दुख की बात है कि इनमें से कुछ लापरवाह हरकतों के कारण पहले ही मौतें हो चुकी हैं। एक वरिष्ठ यातायात अधिकारी ने कहा यह सिर्फ यातायात उल्लंघन नहीं है, यह जन सुरक्षा का मुद्दा है। उन्होंने कहा एक गलत कदम किसी की जान ले सकता है - और अक्सर ऐसा होता भी है। राज्यव्यापी कार्रवाई के तहत, अधिकारियों ने पिछले चार वर्षों में 1,200 से ज्यादा उल्लंघनकर्ताओं के ड्राइविंग लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। 2022 में 67 लाइसेंस रद्द किए गए, उसके बाद 2023 में 196, 2024 में 453 और 2025 में अब तक 544 लाइसेंस रद्द किए गए। अधिकारियों का कहना है कि इन कार्रवाइयों का उद्देश्य यह कड़ा संदेश देना है कि इस तरह का व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बेंगलूरु शहर की पुलिस ने अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर इस समस्या पर लगाम लगाने के लिए एक बहुआयामी रणनीति अपनाई है। मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 और 189 के अलावा, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281 के तहत भी अपराधियों पर मुकदमा चलाया जा रहा है। कम उम्र के वाहन चालकों से जुड़े मामलों में, किशोर न्याय अधिनियम लागू किया जा रहा है और संबंधित नाबालिगों के माता-पिता या अभिभावकों के खिलाफ भी कानूनी कार्यवाही शुरू की जा रही है। व्हीलिंग की घटनाओं में इस्तेमाल किए गए वाहनों को जब्त किया जा रहा है और चालकों को हिरासत में लिया जा रहा है। ऐसे सभी मामलों में, ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य रूप से निलंबित किए जा रहे हैं और आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों को औपचारिक सिफारिशें प्रस्तुत की जा रही हैं। विशेष रूप से गंभीर या बार-बार होने वाले अपराधों में, अधिकारी वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द करने की भी सिफारिश कर रहे हैं। व्हीलिंग के प्रचलन वाले क्षेत्रों की पहचान और लक्षित करने के लिए, यातायात पुलिस ने शहर भर में प्रमुख हॉटस्पॉट सड़कों का मानचित्रण किया है। इन क्षेत्रों में नियमित रूप से विशेष अभियान और कार्रवाई की जाती है, विशेष रूप से सप्ताहांत और सार्वजनिक अवकाशों पर। इसके अलावा, निरंतर निगरानी के माध्यम से अपराधियों को रोकने के लिए रणनीतिक स्थानों पर कोबरा गश्ती इकाइयों को तैनात किया गया है।

निवारक प्रावधानों के तहत निपटा जा रहा

बार-बार अपराध करने वालों या सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा माने जाने वाले व्यक्तियों से दंड प्रक्रिया संहिता के निवारक प्रावधानों के तहत निपटा जा रहा है। पुलिस उन पर दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 107 के तहत मामला दर्ज कर उन्हें कार्यकारी मजिस्ट्रेट के सामने पेश कर रही है - जो आमतौर पर कानून-व्यवस्था के प्रभारी पुलिस उपायुक्त होते हैं। अधिकारी परिवारों, स्कूलों और सामुदायिक नेताओं से भी आग्रह कर रहे हैं कि वे युवाओं को इस तरह के खतरनाक व्यवहार में शामिल होने से रोकने में अधिक सक्रिय भूमिका निभाएँ। पुलिस का कहना है कि आने वाले महीनों में उनकी कार्रवाई और तेज होगी क्योंकि स्टंट से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार आ रहे हैं, जिनमें अक्सर लापरवाही से गाड़ी चलाने का मजाक उड़ाया जाता है। पुलिस अधिकारियों ने जन सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए चेतावनी दी कि यह सिर्फ शरारत नहीं है - यह आपराधिक लापरवाही है। एक वायरल वीडियो किसी की जान के लायक नहीं है।

भारी बारिश के कारण जलभराव और यातायात जाम की स्थिति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर में गुरुवार शाम को यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा क्योंकि शहर के प्रमुख चौराहों पर फिर से हुई बारिश के कारण जलभराव हो गया और कई इलाकों में यातायात ठप हो गया। सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट (सीबीडी), तुमकुरु रोड, नागवारा, बल्लारी रोड, कोरमंगला और ज्ञानभारती के कुछ हिस्सों में भारी यातायात जाम की स्थिति रही। कई जगहों पर तैनात यातायात कर्मियों को जलभराव वाले इलाकों को साफ करते देखा गया। बेंगलूरु ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, कोडथी गेट की ओर डोमसंद्रा, श्रीनिवागिलु जंक्शन की ओर सोनी वर्ल्ड जंक्शन, सिल्क बोर्ड की ओर मडिवल पुलिस स्टेशन, एस.पी. रोड अयप्पा अंडरपास की ओर मडिवल पुलिस स्टेशन और नेहरू सर्कल की ओर शिवानंद सर्कल पर भारी जलभराव के कारण यातायात धीमी गति से चल रहा था। बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के आंकड़ों के अनुसार, शहर भर में 11 पेड़ उखड़ गए और पेड़ों की टहनियाँ टूटने की कम से कम 15 घटनाएँ सामने आईं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सामान्यतः बादल छाए रहने तथा एक या दो बार बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान व्यक्त किया है।

सीएम ने बिहार में मताधिकार यात्रा के समर्थन में आयोजित यात्रा में भाग लिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा बिहार में आयोजित मताधिकार यात्रा के समर्थन में आयोजित यात्रा में भाग लिया। बेंगलूरु से, मंत्री के.जे. जॉर्ज, परमेश्वर, सतीश जारकीहोली, डॉ. एम.सी. सुधाकर, जमीर अहमद खान, वरिष्ठ कांग्रेसी बी.के. हरिप्रसाद, विधान परिषद सदस्य सलीम अहमद, यतींद्र सिद्धरामैया, विधायक ए.एस. पोन्नप्पा और 20 विधायक, मंत्रियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ उत्तर प्रदेश के गोरखपुर हवाई अड्डे पर पहुँचे और वहाँ से सड़क मार्ग से बिहार के गोपालगंज पहुँचे। सिद्धरामैया ने बिहार में राहुल गांधी के साथ यात्रा और जनसभा का नेतृत्व किया। बिहार गए सिद्धरामैया का वहाँ कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। कांग्रेस, जिसके पास पिछड़े वर्ग के मतदाता बड़ी संख्या में हैं और जो विधानसभा चुनावों में अधिक सीटें जीतने के लिए प्रतिबद्ध है, विभिन्न राज्यों के नेताओं को आमंत्रित करके राहुल गांधी की यात्रा को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। राहुल गांधी की यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं, जो कांग्रेस पार्टी के लिए आश्चर्य की बात है। राहुल गांधी ने वोटों की हेराफेरी के खिलाफ लड़ाई शुरू कर दी है। इससे पहले, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो केपीसीसी अध्यक्ष भी हैं, यात्रा में शामिल हुए थे। उनके बाद सिद्धरामैया भी इस यात्रा में शामिल हुए हैं। राहुल गांधी की यात्रा चंपारण, मंगलपुर, गोपालगंज, सीवान समेत बिहार के कई हिस्सों से होकर गुजरी है। एक समय सिद्धरामैया और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता परिवार में थे और अच्छे दोस्त थे। बदले हुए राजनीतिक हालात में, जब नीतीश कुमार भाजपा के साथ गठबंधन में हैं, सिद्धरामैया अपने पुराने दोस्त के खिलाफ बिहार में चुनाव प्रचार के मैदान में उतर सकते हैं।

बानू मुश्ताक द्वारा दशहरा का उद्घाटन करने पर आक्रोश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विश्व प्रसिद्ध मैसूरु दशहरा उत्सव की तैयारियाँ जोरों पर हैं, वहीं बुकर पुरस्कार विजेता लेखिका बानू मुश्ताक को दशहरा का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किया गया है। इससे न केवल कई लोगों में नाराजगी है, बल्कि कुछ लोगों ने विरोध भी जताया है। मुख्यमंत्री द्वारा दशहरा उद्घाटनकर्ताओं के नामों की घोषणा के तुरंत बाद से ही नाराजगी का धुआँ उठना शुरू हो गया था और अभी तक थमा नहीं है। हिंदू पंचांग के अनुसार, दशहरे के उद्घाटन के लिए मुहूर्त, समय और घंटा निर्धारित होता है। इस बार दशहरा उत्सव आधिकारिक तौर पर 22 सितंबर से शुरू होगा। उस दिन मैसूरु में चामुंडी पहाड़ियों पर स्थित देवी चामुंडेश्वरी की पूजा की जाती है। उद्घाटनकर्ताओं द्वारा दशहरा उत्सव के लिए लाई गई देवी चामुंडेश्वरी की उत्सव मूर्ति पर पुष्प अर्पित करना एक पारंपरिक रिवाज रहा है। राजपरिवार द्वारा आयोजित दशहरा उत्सव, राज्य सरकार द्वारा आयोजित किए जाने के बाद सार्वजनिक दशहरा बन गया। दशहरे की भव्यता भी साल-दर-साल बढ़ती जा रही है। धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ, दशहरा उत्सव को और भी भव्य बनाने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेलकूद और प्रदर्शनियाँ आयोजित की जाती हैं। इस बार, बानू मुश्ताक दशहरा का उद्घाटन करने वाली हैं।

क्या वह अपनी धार्मिक मान्यताओं के विपरीत, दशहरा के उद्घाटन से पहले चामुंडेश्वरी की मूर्ति की पूजा करेंगी, यह एक बड़ा विवाद का विषय है। क्योंकि, कई लोगों ने उनके द्वारा पूर्व में कन्नड़ भुवनेश्वरी की मूर्ति के बारे में कही गई बातों का विरोध किया है। इस देश ने लेखकों के साथ बहुत सम्मान से पेश आया है। अगर उन्हें किसी साहित्यिक उत्सव के अध्यक्ष जैसे सम्मान के लिए चुना जाता, तो किसी को कोई आपत्ति नहीं होती। लेकिन उन्हें दशहरा उत्सव, जो एक धार्मिक आस्था का विषय है, के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने से बहुसंख्यक वर्ग में बेचैनी बढ़ गई है। इसलिए, एक तरफ से इसका कड़ा विरोध हो रहा है। देवी चामुंडेश्वरी की पूजा और पुष्प अर्पित करके दशहरा उत्सव का शुभारंभ करने की परंपरा है। परंपरा, विरासत और निरंतर चली आ रही मान्यताओं के विपरीत, उन्हें दशहरा उद्घाटनकर्ता बनाने से कई लोगों में असंतोष पैदा हुआ है। विजयनगर के राजाओं द्वारा शुरू किया गया दशहरा उत्सव तब से मैसूरु के राजाओं द्वारा जारी रखा गया है। आज भी, राजपरिवार हर साल मैसूरु महल में निजी तौर पर दशहरा उत्सव मनाता है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार द्वारा दशहरा चार दशकों से भी अधिक समय से मनाया जा रहा है और यह एक राष्ट्रीय पर्व है। आज भी, विजयनगर साम्राज्य के हम्पी में दशहरा उत्सव का महानवमी टीला देखा जा सकता है। यह पहली बार नहीं है कि राज्य सरकार ने दशहरा उत्सव के उद्घाटन के लिए किसी साहित्यकार को आमंत्रित किया हो। इससे पहले, ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता डॉ. चंद्रशेखर कंबरा, गिरीश कर्नाड, प्रसिद्ध कवि के.एस. निसार अहद, चन्नवीर कनवी, लेखक बरगुरु रामचंद्रप्पा, हम्पा नागराजैया, फिल्म लेखिका हमसलेखा और सांसद सुधा नारायण मूर्ति ने भी दशहरे का उद्घाटन किया है। इसके अलावा, ऐसे उदाहरण भी हैं जहाँ मठाधीशों, वैज्ञानिकों, राजनेताओं और डॉक्टरों सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भी दशहरे का उद्घाटन किया है। अधिकांश लोगों का मानना है कि दशहरा, जो एक राष्ट्रीय पर्व है, का उद्घाटन इस तरह से किया जाना चाहिए जिससे परंपरा, विरासत और धार्मिक प्रथाओं को ठेस न पहुँचे। ऐसा लगता है कि इस पर कोई आपत्ति नहीं है। न केवल राज्य, बल्कि विभिन्न राज्यों, देशों और विदेशियों से भी लोग दशहरा मनाने आते हैं। दशहरा उत्सव के अंतिम दिन आयोजित होने वाली जम्बू सवारी विश्व प्रसिद्ध है। कई लोगों की राय है कि सत्तारूढ़ सरकारों को ऐसे महत्वपूर्ण उत्सव में जनभावनाओं से अलग निर्णय नहीं लेने चाहिए। चुनावों के लिए तुष्टिकरण की राजनीति का इस्तेमाल करने में कोई बाधा नहीं है। लेकिन जनता का मानना है कि इसे धार्मिक समारोहों में लाना उचित नहीं है। संविधान ने सभी धर्मों, मान्यताओं और प्रथाओं को सम्मान दिया है। इसलिए, ऐसा व्यवहार करना उचित है जिससे किसी की भावनाओं को ठेस न पहुँचे। परस्पर सम्मान होना चाहिए। दिन-प्रतिदिन अलग-अलग रूप धारण कर रहे दशहरा के उद्घाटन पर चर्चा किस रूप में होगी, यह ज्ञात नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि दशहरा उत्सव ने देश भर के लोगों सहित सभी का ध्यान आकर्षित किया है, क्योंकि यह एक गहन बहस का विषय है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय को सरकार ने किया सूचित

राज्य पुलिस बल के प्रमुख के लिए अधिकारी के चयन की प्रक्रिया जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य सरकार ने कर्नाटक उच्च न्यायालय को बताया कि नियमित पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक (राज्य पुलिस बल के प्रमुख) की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है।

इस संबंध में जल्द ही निर्णय लिया जाएगा क्योंकि राज्य के मुख्य सचिव ने 26 अगस्त को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा इस पद के लिए योग्य अधिकारियों के पैनल के लिए बुलाई गई बैठक में भाग लिया था। इस संबंध में महाधिवक्ता द्वारा दिए गए बयान को दर्ज करते हुए, मुख्य न्यायाधीश विभु बाखरू और न्यायमूर्ति सी.एम. जोशी की खंडपीठ ने एक जनहित याचिका का निपटारा कर दिया, जिसमें सरकार और यूपीएससी को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए जल्द से जल्द इस पद पर नियमित नियुक्ति करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता, शहर की एक वकील, सुधा कटवा ने राज्य सरकार द्वारा 21 मई, 2025 को जारी उस अधिसूचना पर सवाल उठाया था जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एम.ए. सलीम को प्रभारी महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक नियुक्त किया गया था। याचिकाकर्ता ने राज्य सरकार और यूपीएससी को राज्य पुलिस के प्रमुख के रूप में एक नियमित अधिकारी की नियुक्ति के लिए पुलिस अधिकारियों के पैनल की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश देने की मांग की थी।

बेलगावी में भारी बारिश और बाढ़ से 61,000 हेक्टेयर से अधिक की फसलें बर्बाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के बेलगावी जिले में भारी बारिश और बाढ़ के कारण किसानों की 61,000 हेक्टेयर से ज्यादा फसल बर्बाद हुई है। अधिकारियों ने बताया कि बारिश रुकने के बाद राजस्व, कृषि और बागवानी विभाग के अधिकारी एक संयुक्त क्षेत्रीय सर्वेक्षण करेंगे। अधिकारियों के अनुसार, सबसे ज्यादा नुकसान लगभग 32,000 हेक्टेयर में मूंग की फसल को हुआ है। लगभग 13,000 हेक्टेयर में मक्का, 3,600 हेक्टेयर में सोयाबीन, लगभग 1,500 हेक्टेयर में बागवानी और लगभग 12,000 हेक्टेयर में अन्य फसलों की कटाई नहीं हो पाई है। गन्ने की फसल को हुए नुकसान का आकलन अभी बाकी है, क्योंकि बारिश कम होने पर फसल के फिर से मजबूत होने की संभावना है। उपायुक्त मोहम्मद रोशन ने कहा कि बारिश रुकने के बाद संयुक्त सर्वेक्षण शुरू होगा। उन्होंने कहा कि सरकारी नियमों के अनुसार किसानों को उचित मुआवजा दिया जाएगा। कृष्णा नदी और उसकी सहायक नदियों का जलस्तर गुरुवार को कम हो गया। उत्तरी कर्नाटक और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में बारिश कम हुई। महाराष्ट्र के जलाशयों से पानी का बहाव काफी कम हो गया। महाराष्ट्र से छोड़ा गया कुल पानी लगभग 74,820 क्यूसेक था, जो 27 अगस्त की तुलना में 23,823 क्यूसेक कम था। अलमट्टी में कृष्णा नदी पर स्थित लाल बहादुर शास्त्री जलाशय में पानी का अंतर्वाह और बहिर्वाह 1,50,365 क्यूसेक था। गुरुवार को भंडारण क्षमता 123 टीएमसीएफटी की तुलना में लगभग 119 टीएमसीएफटी था। हिडकल में घटप्रभा नदी पर स्थित राजा लखमागौड़ा जलाशय में अंतर्वाह लगभग 7,890 क्यूसेक और बहिर्वाह 4,989 क्यूसेक था। बाँध 51 टीएमसीएफटी पर पूरी तरह से भर गया है। मलप्रभा नदी पर बने रेणुका सागर बाँध में 37 टीएमसीएफटी क्षमता के मुकाबले लगभग 36 टीएमसीएफटी पानी था। पानी का अंतर्वाह 4,881 क्यूसेक और बहिर्वाह 4,094 क्यूसेक था।

तुंगभद्रा जलाशय से पानी छोड़े जाने की संभावना

नदी किनारे रहने वालों के लिए चेतावनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तुंगभद्रा जलाशय से नदी में 40 हजार क्यूसेक से 70 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने की संभावना है और तुंगभद्रा बांध के नीचे नदी तट पर बसी बस्तियों में सावधानी बरतने का अनुरोध किया गया है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र ने यह अपील की है। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि तुंगभद्रा जलाशय में वर्तमान जल प्रवाह 36 हजार क्यूसेक है, जिसके बढ़कर 53 हजार क्यूसेक होने की संभावना है। शुक्रवार दोपहर 12 बजे से नदी में छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा बढ़ा दी गई। जल प्रवाह 40 हजार क्यूसेक से बढ़कर 70 हजार क्यूसेक हो सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि तुंगभद्रा जलाशय से 32 हजार क्यूसेक, भद्रा बांध से 11 हजार क्यूसेक और वरदनदी से 9700 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसमें यह भी कहा गया है कि तुंगभद्रा नदी बेसिन में बारिश के कारण तुंगभद्रा जलाशय का जल प्रवाह बढ़कर 53,000 क्यूसेक होने की संभावना है।

बीजापुर के बाद मेंगलूरु में होगी कैबिनेट बैठक : स्पीकर खादर

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर ने घोषणा की कि बीजापुर में होने वाली राज्य मंत्रिमंडल की बैठक बाद में मेंगलूरु में भी होगी। उन्होंने दक्षिण कन्नड़ जिले के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से बैठक से पहले जिले की आवश्यकताओं की एक विस्तृत सूची तैयार करने का आग्रह किया। यहां सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए, खादर ने कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने मेंगलूरु में मंत्रिमंडल की बैठक के प्रस्ताव पर पहले ही सकारात्मक प्रतिक्रिया दे दी है। उन्होंने कहा कलबुर्गी, चामराजनगर और चिक्कबल्लापुर में ऐसी बैठकें पहले ही हो चुकी हैं। बीजापुर के बाद, मेंगलूरु में मंत्रिमंडल की बैठक होगी और हमें उम्मीद है कि जिले की कई लंबित मांगों पर ध्यान दिया जाएगा। पर्यटन विकास के बारे में, खादर ने कहा कि उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की अध्यक्षता में खनन, पर्यटन और जिला प्रभारी मंत्रियों के साथ हुई एक बैठक में तटीय पर्यटन पहलों पर चर्चा हुई। प्रमुख परियोजनाओं में कोटेपुरा से बोलारा तक 1.5 किलोमीटर लंबा 200 करोड़ रुपये का दो लेन वाला पुल शामिल है। इसके साथ ही, 33 करोड़ रुपये की लागत से तीन पर्यटक अवलोकन डेक और पास के एक द्वीप से कनेक्टिविटी का प्रस्ताव रखा गया है। परियोजना रिपोर्ट नाबार्ड को अनुमोदन के लिए भेज दी गई है, जिसके बाद निविदाएँ जारी की जाएँगी। रविवार को कुछ घंटों के लिए पुल को वाहनों के लिए बंद करने की भी योजना है ताकि परिवार इस मनोरम स्थल का आनंद ले सकें। खादर ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में 11-14 सितंबर तक बेंगलूरु में आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्रीय सम्मेलन की तैयारियों पर भी प्रकाश डाला। नौ राष्ट्रमंडल देशों के वक्ता इसमें भाग लेंगे, और सम्मेलन के बाद चामुंडी हिल्स, मैसूरु पैलेस और वृंदावन गार्डन का दौरा करने की योजना है। अध्यक्ष ने आगे घोषणा की कि मेंगलूरु विधानसभा क्षेत्र के लिए लगभग 60 करोड़ रुपये की लागत से एक एआई-आधारित सुरक्षा प्रणाली तैयार की जा रही है। इंफोसिस जैसी प्रौद्योगिकी कंपनियों के सहयोग से, एआई-संचालित सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएँगे। उन्होंने स्थानीय उद्य-ोगों और अस्पतालों से इस पहल का समर्थन करने और इसके कार्यान्वयन में तेजी लाने का आग्रह किया। खादर ने बताया कि जिले में रेत और लेटराइट पत्थर की कमी को लेकर तीन दौर की बैठकें हो चुकी हैं। हालाँकि पहले लेटराइट का अवैध उत्खनन बड़े पैमाने पर होता था, लेकिन अब इस पर लगाम लगा दी गई है। उन्होंने कहा यहाँ मकान निर्माण के लिए लेटराइट जरूरी है। आवेदन के एक महीने के भीतर लाइसेंस दिए जाने चाहिए और लेटराइट पर रॉयल्टी अन्य खदानों के बराबर नहीं लगाई जानी चाहिए। आवेदनों का एक हफ्ते के भीतर निरीक्षण किया जाएगा और 4 सितंबर की बैठक में अंतिम फैसला लिया जाएगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अधिकारियों को त्योहारों के दौरान स्थानीय संस्कृति के प्रति संवेदनशील तरीके से नियमों का पालन करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उत्सवों में कोई बाधा न आए।

सिलेंडर विस्फोट से लगी आग में आठ लोग घायल

बागलकोट/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के बादामी में गुरुवार की रात आग लगने की एक दुर्घटना में आठ लोग घायल हो गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि साइकिल की एक दुकान में दो सिलेंडर फटने के बाद आग लग गई। दुकान मालिक, कर्मचारी और पास में ड्यूटी पर तैनात दो होमगार्ड झुलस गए। पुलिस ने बताया कि दुकान मालिक बिना लाइसेंस या अनुमति के घरेलू एलपीजी सिलेंडर जमा कर रहे थे। बादामी के अग्निशमन केंद्र के सहायक अग्निशमन अधिकारी, भारमप्पा पीरप्पा मराडी (59 वर्ष) की शिकायत के आधार पर बादामी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। निरीक्षण के दौरान, अधिकारियों ने पाया कि बादामी के टीपू नगर निवासी वसीम अब्दुल रजाक जमादार और सलीम अब्दुल रजाक जमादार ने अपनी साइकिल की दुकान में अवैध रूप से 14 किलो के दो एलपीजी सिलेंडर और 5 किलो के 20 एलपीजी सिलेंडर रखे थे। खतरे की जानकारी होने के बावजूद, आरोपियों ने सिलेंडरों को लापरवाही से रखा था, जिससे विस्फोट हुआ और आग लग गई। आग में दुकान, कई साइकिलों और अन्य सामग्रियों के साथ पूरी तरह जलकर खाक हो गई। घटना के तुरंत बाद, बागलकोट के पुलिस अधीक्षक, उप-पुलिस अधीक्षक, और सर्किल पुलिस निरीक्षक, पुलिस उपनिरीक्षक और अन्य लोग घटनास्थल पर पहुँचे। मामले की जाँच की जा रही है।

दक्षिण कन्नड़ में लगातार भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गत बुधवार शाम से शुरू हुई लगातार भारी बारिश गुरुवार को और तेज हो गई और दक्षिण कन्नड़ जिले के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई। मूसलाधार बारिश से पूरे क्षेत्र में स्थापित अस्थायी सार्वजनिक गणेश उत्सव पंडालों को भारी नुकसान पहुँचा।

बारिश के कारण गणेश प्रतिमाओं के समक्ष आयोजित धार्मिक गतिविधियाँ भी बाधित रहीं। मेंगलूरु शहर के कोडियालबेल, कोट्टारा चौकी, पंपवेल और ज्योति सर्कल सहित कई निचले इलाकों में बाढ़ आ गई और सड़कें नालों में बदल गईं।

घरों में भी पानी घुस गया, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

धर्मस्थल मामला: सतीश जारकीहोली का भाजपा पर पलटवार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लोकसभा सांसद सतीश जारकीहोली ने पलटवार करते हुए कहा कि धर्मस्थल मामले की जाँच के लिए अदालत के आदेश पर एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। अगर यह गलत है, तो अदालत में ही सवाल पूछा जाना चाहिए था।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के पास राज्य सरकार की आलोचना करने के लिए सही विचार नहीं हैं। इसलिए, उन्होंने मजाक में कहा कि वे बेवजह विवाद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। पहले उन्होंने गारंटी योजनाओं की आलोचना करने की कोशिश की। किसी ने उनकी बात नहीं सुनी। फिर उन्होंने अलग-अलग मुद्दे उठाकर आलोचना करने की कोशिश की। जब इससे भी बात नहीं बनी, तो उन्होंने कहा कि अब उन्होंने धर्मस्थल का मुद्दा उठाया है। इसमें कांग्रेस की कोई भूमिका नहीं है। राज्य सरकार को इससे न तो लाभ है और न ही हानि। अदालत ने शिकायत के बाद आदेश दिया है। उसी के आधार पर एसआईटी जाँच की जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा दिशा भटकाने के लिए राजनीति कर रही है। बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को दशहरा के उद्घाटन समारोह में आमंत्रित किया गया है। भाजपा हर बात का विरोध करके राजनीति कर रही है। पहले भी कई लेखकों, विचारकों और पुरस्कार विजेताओं को दशहरा के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बचाव करते हुए कहा कि इस बार भी इसी के अनुसार निर्णय लिया गया है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि विधानसभा में आरएसएस का प्रार्थना गीत गाने के लिए पार्टी द्वारा माफी मांगना अच्छा है।

अन्यथा, इससे अलग-अलग व्याख्याएँ और चर्चाएँ होतीं और भ्रम की स्थिति पैदा होती। उन्होंने कहा कि माफी मांगने से सब कुछ सुलझ गया है। राजन्ना के मुद्दे पर आलाकमान जो भी निर्णय लेगा, वह उससे सहमत हैं। उन्होंने कहा कि वह इस मांग पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देना चाहते कि जिस तरह डी.के. शिवकुमार को मौका दिया गया, उसी तरह राजन्ना को भी मौका दिया जाए।

समुद्र तट पर नाव पलटने से चार मछुआरों को बचाया गया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। मालपे के थोट्टम समुद्र तट के पास समुद्र की उथल-पुथल के कारण एक मछली पकड़ने वाली नाव पलट गई। समुद्र में उतरे चार मछुआरे बाल-बाल बच गए। थोट्टम वार्ड के नगरपालिका सदस्य योगेश ने तुरंत पेशेवर सामाजिक कार्यकर्ता ईश्वर मालपे और उनकी टीम को सूचित किया। ईश्वर, स्थानीय लोगों प्रवीण और उदय के साथ, लाइफ जैकेट लेकर मौके पर पहुँचे और चारों मछुआरों को सफलतापूर्वक बचा लिया। घटना के बारे में बात करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता ईश्वर मालपे ने आगाह किया कि मालपे का समुद्र बेहद अप्रत्याशित और अशांत रहता है। उन्होंने जोर देकर कहा किसी को भी पानी में नहीं उतरना चाहिए, भले ही वे तैरना जानते हों। लहरें बिना किसी चेतावनी के अचानक उठ सकती हैं। मछुआरों को समुद्र में जाते समय हमेशा लाइफ जैकेट पहननी चाहिए।

कांग्रेस विधायकों ने किसानों के साथ एकजुटता व्यक्त की, 341 करोड़ रुपये का फसल बीमा मांगा

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के हजारों किसानों ने विधायक बी.आर. पाटिल, एम.वाई. पाटिल और आलमप्रभु पाटिल के नेतृत्व में कर्नाटक सरकार से पिछले साल के फसल बीमा दावों का तुरंत भुगतान करने का आग्रह किया। बी.आर. पाटिल ने मांग की कि राज्य सरकार 2024-25 के खरीफ सीजन के दौरान फसल नुकसान झेल रहे किसानों को देय 341 करोड़ का फसल बीमा तुरंत जारी करे। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकारों से बारिश से हुए नुकसान का आकलन करने और राहत राशि देने के लिए फसल सर्वेक्षण कराने की भी मांग की।

पाटिल ने दावा किया कि इस सीजन में बारिश के कारण 50 प्रतिशत से अधिक मूंग, उड़द, तिल, सोया और कपास की फसलें नष्ट हो गईं।

उन्होंने सरकार से तुरंत एक व्यापक सर्वेक्षण कराने और राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के तहत मुआवजा प्रदान करने का आग्रह किया। विधायक ने किसानों को बिचौलियों के खतरे से निपटने के लिए फसल बीमा के लिए सीधे नामांकन करने के लिए आधिकारिक सरकारी पोर्टल और हेल्पलाइन का उपयोग करने की भी सलाह दी।

इससे पहले, कर्नाटक राज्य रायता संघ के नेतृत्व में किसानों ने कन्नड़ भवन से उपायुक्त कार्यालय तक मार्च निकाला। विधायकों ने उपायुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में किसानों की समस्याएँ सुनीं और उन्हें संबोधित किया। उन्होंने किसानों की मांगों के प्रति एकजुटता व्यक्त की और राज्य सरकार से जल्द से जल्द फसल बीमा जारी करने और केंद्र पर फसल नुकसान का सर्वेक्षण कराने के लिए दबाव बनाने का आग्रह किया।

एकल युवा बेंगलूरु का भव्य मेगा रक्तदान शिविर कल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एकल युवा बेंगलूरु द्वारा रविवार को एक भव्य मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर अशोका पिल्लर स्थित अग्रसेन भवन में सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। शहर के चार प्रमुख ब्लड बैंक एस्टर ब्लड बैंक, अपोलो, नारायण हेल्थ और संकल्प इंडिया फाउंडेशन इस शिविर में अपनी सेवाएँ देंगे। रक्तदान करने वाले प्रत्येक दाता को सुरक्षित और आधुनिक सुविधाओं के साथ सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। इस महा अभियान में कई सामाजिक, व्यावसायिक और सांस्कृतिक संगठन सहयोगी संस्था के रूप में जुड़े हैं। इनमें इंटरनेशनल विश्व फेडरेशन (कर्नाटक युथ विंग), राष्ट्रीय प्रजा प्रभुत्व सेना, खण्डेलवाल युथ विंग, किल्लारी रोड ट्रेड एसोसिएशन, श्री रावण राजपूत समाज ट्रस्ट बेंगलूरु, गुर्जर गौर ब्राह्मण समाज कर्नाटक, गौड़ ब्राह्मण संघ बेंगलूरु तथा मारवाड़ी युवा मंच, बेंगलूरु शाखा शामिल हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संयोजक पवन राजलीवाल, उत्तम बागरेचा, गौरव शर्मा और गौरव अग्रवाल लगातार सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। आयोजन समिति का कहना है कि इस शिविर के माध्यम से एक बड़ा रक्त संग्रह कर शहर के अस्पतालों में उपचाररत जरूरतमंद रोगियों की मदद की जाएगी। विशेष आकर्षण के रूप में, शिविर में भाग लेने वाले सभी रक्तदाताओं के लिए लकी ड्रॉ का आयोजन होगा। प्रत्येक रक्तदाता को एक उपहार प्रदान किया जाएगा और सभी उपस्थित जनों के लिए स्वादिष्ट नाश्ते की व्यवस्था भी रहेगी।

क्षमा ही सर्व धर्म का सार है : साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजाजीनगर स्थानक में चतुर्मासार्थ विराजित साध्वी निर्मला के सानिध्य में संवत्सरी पर्व एवं क्षमापना दिवस पर प्रवचन देते हुए साध्वी नंदिनी ने कहा कि जैन धर्म की त्याग प्रधान संस्कृति में संवत्सरी पर्व का अपना अपूर्व एवं विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है। यह एकमात्र आत्मशुद्धि का पर्व है, इसीलिए यह पर्व ही नहीं, महापर्व है। आत्मशोधन व आत्मोत्थान का पर्व है। यह पर्व अहंकार और ममकार के विसर्जन करने का पर्व है। यह पर्व अहिंसा की आराधना का पर्व है। यह पर्व अहंकार और ममकार के विसर्जन करने का पर्व है। यह पर्व अहिंसा कीआराधना का पर्व है। इसलिए संवत्सरी एक ऐसा अवसर है जो हमें महाविनाश से महानिर्माण की ओर अग्रसर करके जीवन निर्माणकी प्रेरणा देता है। आज के दिन सब अपने मन के मैल को हटाए और शुद्ध अंत:करण से क्षमा याचना करें। उन्होंने कहा जो क्षमा मांगता है और क्षमा करता है वह हमेशा मानसिक एवं भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहता है। संवत्सरी पर्व क्षमापना का संदेश देता है। क्षमा करके सभी के साथ प्रेम भाव रखें। जिसने समभाव रखना सीख लिया वह हर परिस्थिति से पार पा लेता है। आज का दिन ही क्षमा मांगने का है।वर्ष भर में अपनी जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए सम्पूर्ण जगत के जीवों से क्षमा मांगनी चाहिए। क्षमा यह आत्मा का धर्म है, इसलिए जो मानव अपना कल्याण चाहते हैं, उन्हें हमेशा इस भावना की रक्षा करनी चाहिए। क्षमावाण मनुष्य का इस लोक और परलोक में कोई शत्रु नहीं होता है। क्षमा ही सर्व धर्म का सार है। क्षमा ही सम्यग्दर्शन, ज्ञान, चारित्र रूपआत्मा का मुख्य सच्चा भंडार है। साध्वी उपासना ने कहा भूल हो जाना मानव मात्र का स्वभाव है, लेकिन क्षमा करना देवीय स्वभाव है। हमारा अहंकार हमें क्षमा मांगने से रोकता है और तिरस्कार क्षमा देने में बाधक बनता है। क्षमावाणी के इस पर्व पर अहंकार और तिरस्कार को त्याग करते हुए हमे क्षमा याचना करनी चाहिए। साध्वी ऋषिता ने स्तवन की प्रस्तुति दी। नवकार महामंत्र जाप कलश की बोली का सौभाग्य गौतम कुमार कुकड़ा, संवत्सरी प्रतिक्रमण की बोली उत्तमचंद पदमराज रातड़िया, लोगस की बोली का लाभ चेतनकुमार रेदासनी ने प्राप्त किया। लाभार्थी परिवार का संघ की ओर से अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न संघ संस्थाओं के पदाधिकारी सदस्य व अनेक श्रद्धालुगण उपस्थित थे। संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया ने सभी का स्वागत किया। युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, त्रिशला महिला मंडल अध्यक्ष सुशीलाबाई बोहरा, मंत्री रेखा पोखरना, त्रिशला बहु मंडल से हेमा चानोदिया, महावीर चंद धोका, गौतम मेहता, किशोर कुमार दलाल, ज्ञानचंद लोढ़ा, उत्तमचन्द लुंकड़ व अन्य ने क्षमापना पर्व पर अपने विचार रखे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *भैरवेश्वरा नगर नागरिकों द्वारा आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान गणेश के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने भगवान गणेश को मंदिरों से चौराहे पर लाकर देशवासियों को संगठित करने का कार्य किया था। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

उच्चस्तरीय जांच समिति ने सीएम योगी को सौंपी 450 पन्ने की रिपोर्ट

संभल हिंसा के पीछे सपा सांसद जियाउर रहमान बर्क का हाथ

हिंदुओं पर हमला करने और तीर्थ स्थलों पर कब्जा करने की थी साजिश

लखनऊ, 29 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल में 24 नवंबर 2024 को हुई सांप्रदायिक हिंसा की जांच के लिए गठित की गई तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय जांच समिति ने 450 पन्नों की रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंप दी है। इस जांच रिपोर्ट से बड़ा खुलासा हुआ है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह दंगा अचानक नहीं भड़का बल्कि इसे पूर्वनियोजित साजिश के तहत अंजाम दिया गया था। इसमें कई राजनीतिक और मजहबी किरदारों की भूमिका रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर रहमान बर्क ने 22 नवंबर को नमाजियों को संबोधित करते हुए कहा था, हम इस देश के मालिक हैं, नौकर-गुलाम नहीं। मस्जिद थी, है और कयामत तक रहेगी। अयोध्या में हमारी मस्जिद ले ली गई, यहां ऐसा नहीं होने देंगे। इस भाषण का कन्वर्टेड हिंदू पठानों ने विरोध किया, जिससे तुर्क और पठान समुदाय आमने-सामने आ गए। 24 नवंबर को यही तनाव हिंसा में बदल गया। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि इस साजिश में सांसद बर्क, विधायक के बेटे सुहैल इकबाल और जामा मस्जिद की इंतजामिया कमेटी की बड़ी भूमिका रही थी। रिपोर्ट में यह भी दर्ज है कि दंगे की आड़ में 68 तीर्थ स्थलों और 19 पावन कूपों पर कब्जे की कोशिश की गई। हरिहर मंदिर को भी निशाना बनाया गया, जिसने बाबर काल की यादें ताजा कर दीं। हरिहर मंदिर को भी निशाना बनाया गया था।

योगी सरकार ने इन स्थलों के पुनरुद्धार की योजना बनाई और 30 मई 2025 को इसका शिलान्यास किया। दंगे को बढ़ाने के लिए बाहरी उपद्रवियों को बुलाया गया और हिंदू मोहल्लों को निशाना बनाने की योजना बनाई गई लेकिन पुलिस की कड़ी तैनाती से यह मंसूबा विफल हो गया। फिर भी, तुर्क और पठान समुदायों के बीच हुई क्रॉस फायरिंग में चार लोगों की मौत हुई। रिपोर्ट के मुताबिक 1936 से 2019 तक यहां 73 दिन कर्फ्यू लगा, जिसमें 1948 में 20 दिन, 1978 में 30 दिन और 2019 में सीएए हिंसा के दौरान 6 दिन शामिल हैं। रिपोर्ट में संभल को आतंकी संगठनों और अवैध हथियारों का अड्डा बताया गया है। अलकायदा और हरकत-उल-मुजाहिदीन की गतिविधियों का जिक्र है और अमेरिका द्वारा आतंकी घोषित मौलाना आसिम का कनेक्शन भी संभल से जुड़ा बताया गया है। संभल में जनसंख्या (डेमोग्राफी) में भी बड़ा बदलाव हुआ है। आजादी के समय 55 प्रतिशत मुस्लिम और 45 प्रतिशत हिंदू थे लेकिन अब हिंदू घटकर 15 प्रतिशत और मुस्लिम बढ़कर 85 प्रतिशत हो गए हैं। 1947 से 2019 तक यहां 15 बड़े दंगे हुए जिनका सबसे ज्यादा असर हिंदू समाज पर पड़ा है।

उत्तर प्रदेश के संभल स्थित कथित शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान 24 नवंबर 2024 को हुई हिंसा ने पूरे देश का ध्यान खींचा। कट्टरता से ओतप्रोत हजारों की कट्टरपंथियों की भीड़ ने पुलिस की टीम पर जानलेवा हमला किया। जबावी कार्रवाई में तीन लोगों की मौत हुई और कई घायल हो गए थे। अब उसी हिंसा को लेकर चौंकाने वाला खुलासा पुलिस की चार्जशीट में हुआ है। चार्जशीट में खुलासा हुआ है कि हिंसा के दौरान कट्टरपंथियों ने पाकिस्तान समेत कई और देशों द्वारा निर्मित विदेशी हथियारों का इस्तेमाल किया था। इसके साथ ही इसमें दुबई में बैठे शारिक साठा नाम के शख्स का नाम सामने आया है।

संभल की कथित शाही जामा मस्जिद का सर्वे कोर्ट के आदेश पर हुआ। हिंदू संगठनों का दावा है कि जिस स्थान को मुस्लिम समुदाय मस्जिद कह रहा है, असल में वो कभी हरिहर मंदिर था। बस इसी को जांचने के लिए सर्वे किया जा रहा था।

19 नवंबर को पहला सर्वे शांति से हुआ, लेकिन 24 नवंबर को दूसरा सर्वे शुरू होते ही माहौल बिगड़ गया। सर्वे के दौरान वजूखाने (नमाज से पहले हाथ-पैर धोने की जगह) को खाली करने की अफवाह फैली, जिससे गुस्साए लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। भीड़ ने पुलिस पर गोलीबारी की, गाड़ियां जलाईं और हालात बेकाबू हो गए। पुलिस को आंसू गैस और रबर बुलेट्स का इस्तेमाल करना पड़ा। इस हिंसा में नईम, बिलाल और नोमान नाम के तीन युवकों की मौत हुई, जबकि 20 से ज्यादा पुलिसकर्मी और एक डिप्टी कलेक्टर घायल हुए।

पुलिस और फॉरेंसिक टीम की जांच में पता चला कि हिंसा में विदेशी हथियारों का इस्तेमाल हुआ। घटनास्थल से छह कारतूस के खोखे मिले, जिनमें से एक पर पीओएफ (पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री) लिखा था। दूसरा कारतूस .32 बोर का था, जिस पर मेड इन यूएसए लिखा था। इसके अलावा, एक 9 एमएम का कारतूस चेकोस्लोवाकिया और एक ब्रिटिश मूल का भी मिला। ये खुलासा चौंकाने वाला था, क्योंकि संभल जैसे छोटे शहर में विदेशी हथियारों का इस्तेमाल साजिश की ओर इशारा करता है। पुलिस अब विदेशी फंडिंग और हथियारों की तस्करी की जांच कर रही है।

चार्जशीट में शारिक साठा का नाम मुख्य साजिशकर्ता के तौर पर आया है। पुलिस के मुताबिक, शारिक ने हिंसा को भड़काने के लिए हथियार सप्लाई किए। वह दुबई में बैठकर जंगी ऐप के जरिए अपने गुर्गों को निर्देश दे रहा था। शारिक के साथी गुलाम को पुलिस ने गिरफ्तार किया, जिसके पास से 9 एमएम की पिस्तौल, दो .32 बोर की पिस्तौल और 15 जिंदा कारतूस बरामद हुए। गुलाम ने बताया कि शारिक ने सर्वे को रोकने और एक वकील को निशाना बनाने की साजिश रची थी। गुलाम के मोबाइल से सोने की तस्करी और हिंसा से जुड़े वीडियो भी मिले।

पुलिस ने इस मामले में 79 लोगों को गिरफ्तार किया है। सात एफआईआर दर्ज की गईं, जिनमें सांसद जियाउर रहमान बर्क और विधायक इकबाल महमूद के बेटे नवाब सुहैल इकबाल का नाम भी शामिल है। पुलिस ने हिंसा में शामिल लोगों के मोबाइल नंबरों की जांच शुरू की और संसद संभल नाम के वाट्सएप ग्रुप से हिंसा भड़काने के सबूत मिले। पुलिस का कहना है कि यह हिंसा सुनियोजित थी, और इसमें बाहरी ताकतों का हाथ हो सकता है।

खुफिया एजेंसी ने भेजी गृह मंत्रालय को रिपोर्ट, गंभीर खतरे की आशंका

नेपाल सीमा पर स्थित जिलों में दोगुनी रफ्तार से बढ़ी मुस्लिम आबादी

लखनऊ, 29 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल सीमा पर स्थित यूपी के तीन संवेदनशील जिलों श्रावस्ती, बहराइच और बलरामपुर में मुस्लिम समुदाय की आबादी अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है। सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय बदलाव और अवैध धार्मिक अतिक्रमण पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने चिंता जताई है। अवध के तीन संवेदनशील जिले श्रावस्ती, बहराइच और बलरामपुर नेपाल से सीधे जुड़े हैं। श्रावस्ती और बहराइच के कुछ क्षेत्रों में तो बीते दस वर्षों में मुस्लिम समुदाय की आबादी दोगुनी से अधिक बढ़ी है।दोनों जिलों में सीमा से 30 किलोमीटर की परिधि में बड़े पैमाने पर धार्मिक अतिक्रमण भी हुए हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने यहां विदेशी फंडिंग के मामले भी पकड़े हैं। जाली नोटों की तस्करी और धर्मांतरण में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की संलिप्तता पहले ही उजागर हो चुकी है। नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात रहे एक अधिकारी बताते हैं कि संदिग्ध गतिविधियों के मामले में बलरामपुर भी बेहद संवेदनशील है। खासकर अवैध धर्मांतरण में छांगुर की गिरफ्तारी के बाद। छांगुर ने विदेशी फंडिंग का इस्तेमाल कर सुनियोजित तरीके से सीमावर्ती क्षेत्रों में धर्मांतरण कराया। उसके अड्डे पर बड़े पैमाने पर विदेशी नागरिकों का भी जमावड़ा रहा। धर्मांतरण के लिए उसने नेपाल के बैंक खातों में विदेश से पैसे मंगाए। ईसाई मिशनरियों ने भी यहां सक्रियता बढ़ाई। दलित और गरीब परिवारों के धर्मांतरण कराए जा रहे हैं। इसके इतर ताजा मामला टेरर फंडिंग का है जिसके तहत करीब 100 करोड़ रुपए पाकिस्तान भेजे गए हैं। उनका कहना है कि यूपी के सीमावर्ती सभी सात जिलों पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महराजगंज की स्थिति चिंताजनक है। इसके दूरगामी परिणाम बेहद घातक होने वाले हैं।

खुफिया एजेंसियां बताती हैं कि सीमावर्ती जिलों में तेजी से जनसांख्यिकीय बदलाव भीषण खतरे का संकेत है। इन इलाकों से स्थानीय लोगों का पलायन हुआ है और बाहरी लोगों की सक्रियता बढ़ी है। सीमा के आसपास अवैध धार्मिक अतिक्रमण बेतहाशा हुए हैं। मानव तस्करी और आपराधिक घटनाओं में वृद्धि हुई है।

वर्ष 2024 में बलरामपुर के तत्कालीन डीएम अरविंद सिंह ने सीमावर्ती जिले में संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट शासन को भेजी थी, लेकिन रिपोर्ट दबा दी गई। रिपोर्ट में जिक्र था कि बलरामपुर में बड़ी मात्रा में विदेशी फंडिंग हो रही है। धन शोधन से काले धन को वैध बनाकर असामाजिक तत्व उसका उपयोग कर रहे हैं। इसमें उन्होंने तत्कालीन पुलिस अधिकारियों और तीन चर्चित थानेदारों की संलिप्तता भी उजागर की थी। हालांकि, इस रिपोर्ट के बाद अरविंद को जिले से हटा दिया गया। सीमावर्ती क्षेत्रों में तेजी से हो रहे जनसांख्यिकीय बदलाव और अवैध धार्मिक अतिक्रमण पर अक्टूबर 2024 में ही खुफिया एजेंसियों ने चेताया था। नो मेंस लैंड को पाटकर रास्ता बना दिया गया है। बॉर्डर पर अतिक्रमण कर मदरसा खोला गया है। सीमावर्ती क्षेत्रों में बने मदरसों से घुसपैठ की साजिश, मनी एक्सचेंज के काले कारोबार से बॉर्डर पर टेरर फंडिंग का खेल, मजहबी शिक्षा की आड़ में नेपाल बॉर्डर पर मिशन आबाद की जानकारी भी दी। अब उन्हीं बिंदुओं पर केंद्रीय गृह मंत्रालय गंभीर हुआ है और सीमावर्ती सभी जिलों के डीएम व एसपी को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

भारत के साथ ही नेपाल के सीमावर्ती जिलों की स्थिति भी ठीक नहीं है। वहां पर भी जनसांख्यिकी बदलाव हो रहा है। नेपाल में 2021 में हुई जनगणना के अनुसार पिछले दशक में हिंदुओं की आबादी में गिरावट आई है। केंद्रीय जनसांख्यिकीय ब्यूरो के अनुसार 2021 की जनगणना में 2,36,77,744 हिंदू थे। इसमें 0.11 फीसदी की गिरावट आई है। यहां मुस्लिम और ईसाइयों की आबादी में वृद्धि हुई है। अब इस्लाम नेपाल में तीसरा सबसे बड़ा धर्म हो गया है। यहां करीब 15 लाख मुस्लिम रहते हैं जो वहां की जनसंख्या का 5.09 प्रतिशत हैं। 2011 में नेपाल में मुस्लिम आबादी 4.39 प्रतिशत थी। ये सभी मूल रूप से नेपाली नहीं हैं। नेपाल की अधिकांश मुस्लिम आबादी तराई क्षेत्र में रहती है जिसकी सीमा भारत से जुड़ी है। देवीपाटन मंडल के कमिश्नर शशिभूषण लाल सुशील ने कहा, केंद्रीय गृह मंत्री की बैठक में देवीपाटन मंडल से आईजी अमित पाठक और श्रावस्ती के डीएम शामिल हुए। उनकी रिपोर्ट के आधार पर सीमावर्ती जिलों में कार्रवाई की योजना तैयार की जाएगी। सीमा की सुरक्षा को लेकर हम गंभीर हैं। इसमें नेपाल से भी सहयोग लिया जा रहा है।

उद्योग और व्यापार से जुड़े 99% आपराधिक कानून खत्म होंगे

लखनऊ, 29 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में औद्योगिक व श्रम सुधारों की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उद्योग और व्यापार से जुड़े 13 राज्य अधिनियमों में लगभग 99 प्रतिशत आपराधिक प्रावधान खत्म करने के निर्देश दिए हैं। इसके लागू होते ही यूपी अव्यवहारिक हो चुके आपराधिक प्रावधानों को गैर-आपराधिक श्रेणी में बदलने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा। इसके तहत कारावास की सजा के प्रावधान को अधिक आर्थिक दंड व प्रशासनिक कार्रवाई में बदलने की योजना है।

उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को और मजबूत बनाने के लिए नए कदम उठाना जरूरी है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जल्द ही सुगम्य व्यापार (प्रावधान का संशोधन) विधेयक, 2025 लाया जाएगा। इसके अंतर्गत आबकारी अधिनियम, शीरा अधिनियम, वृक्ष संरक्षण अधिनियम, राजस्व संहिता, गन्ना अधिनियम, भूगर्भ जल अधिनियम, नगर निगम अधिनियम, प्लास्टिक कचरा अधिनियम, सिनेमा अधिनियम तथा क्षेत्र व जिला पंचायत अधिनियम सहित कई कानूनों को अधिक व्यावहारिक बनाया जाएगा।

श्रम कानूनों के सरलीकरण के प्रस्तावों में फैक्ट्री लाइसेंस की अवधि बढ़ाने, दुकानों व प्रतिष्ठानों के नियमों में व्यावहारिक बदलाव करने और महिलाओं को अधिक अवसर उपलब्ध कराने जैसे कदम शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि निरीक्षण व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के लिए स्व-सत्यापन और थर्ड पार्टी ऑडिट की प्रणाली अपनाई जानी चाहिए। निवेश मित्र 3.0 के तहत निवेशकों की आवेदन व अनुमोदन प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और सुगम बनाया जाएगा। कॉमन एप्लीकेशन फॉर्म, पैन-आधारित पहचान, स्मार्ट डैशबोर्ड, बहुभाषी सहायता और एआई चैटबॉट जैसी सुविधाएं जोड़ी जाएंगी। सीएम ने निवेश मित्र पोर्टल के नए संस्करण को लांच करने के निर्देश दिए।

बरेली धर्मांतरण गिरोह का पाकिस्तान कनेक्शन

जांच में सामने आए चौंकाने वाले तथ्य

बरेली, 29 अगस्त (एजेंसियां)। अलीगढ़ के नेत्रहीन शिक्षक प्रभात का धर्मांतरण कर हामिद बनाने की कोशिश करने वाले गिरोह का पाकिस्तान से कनेक्शन मिला है। आरोपियों के पास पाकिस्तानी धर्मगुरु अली मिर्जा की तकरीर की सीडी बरामद हुई हुई है। लोगों का ब्रेनवाश करने के लिए उनको अली मिर्जा की ही तकरीर सुनाई जाती थी। बरेली में पकड़े गए धर्मांतरण गिरोह की जांच में नए तथ्य सामने आ रहे हैं। कट्टरपंथी जाकिर नाइक के अलावा गिरोह के सदस्य पाकिस्तानी धर्मगुरु इंजीनियर अली मिर्जा के भी मुरीद हैं। दूसरे धर्म के लोगों को अपने धर्म से जोड़ने से पहले वे अली मिर्जा जैसे धर्मगुरुओं का भाषण उन्हें सुनाते थे। प्रभात को हामिद बनाने वाले गिरोह के पास से अली मिर्जा से जुड़ा साहित्य मिला है। बरामद सीडी में अली मिर्जा की तकरीर भी है।

अली मिर्जा यूट्यूब पर अक्सर भारत के मुद्दों पर चर्चा करता है। कुछ दिन पहले दाढ़ी को लेकर टिप्पणी की थी और संगीत को जायज बताया था। वहां सरकार के खिलाफ बोलने पर उसे गिरफ्तार भी किया गया था। चूंकि अली मिर्जा कट्टरपंथी विचारधारा के विरोध में रहता है, इसलिए उसे पाकिस्तान के साथ ही भारत के समुदाय विशेष के युवा भी फॉलो करते हैं। अधिकारियों को जानकारी मिली है कि शुरुआत में शिकार का ब्रेनवॉश करने के लिए उनको अली मिर्जा की ही तकरीर सुनाई जाती थी।

अधिकारियों ने बताया कि गिरोह के पास से जाकिर नाईक का भी साहित्य मिला है। इससे ऐसा लग रहा है कि गिरोह के सदस्य धर्मांतरण के लिए पहले शिकार के दिमाग में अली मिर्जा की आधुनिक विचारधारा डालते थे। हिंदू और मुस्लिम धर्म की समानता बताते थे। जब शिकार फंस जाता था तो धीरे-धीरे ब्रेनवॉश कर उसके अंदर जाकिर नाईक की नफरती विचारधारा विकसित करते थे। गिरोह के लोगों को बाकायदा इसके लिए फंडिंग की जाती थी। आरोपी अब्दुल मजीद, सलमान, आरिफ और फहीम कोई बड़ा कारोबार नहीं करते, फिर भी उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर है। पूरे गिरोह को संचालित करने के लिए कहां से फंडिंग हो रही थी? इसकी जांच की जा रही है। सभी के खाते खंगाले जा रहे हैं। कुछ दिनों में बड़ा खुलासा हो सकता है।

अब्दुल मजीद के गिरोह के पास ऐसे वीडियो मिले हैं, जिसमें कुरान और बाइबिल के बारे में डिबेट दिखाई जाती थी। डिबेट के अंत में मुस्लिम धर्म को सर्वोपरि दिखाया जाता था और बताया जाता था कि वह देश के सर्वोपरि धर्म का हिस्सा बनने जा रहे हैं। इस दौरान गिरोह के सदस्य अपनी धर्म की लड़की से निकाह कराने का वादा भी करते थे। इससे अवसाद और अकेलेपन के शिकार लोग झांसे में आ जाते थे। गिरोह के निशाने पर ऐसे परिवार या लोग होते थे, जो किन्हीं कारणों से समाज से कट जाते हैं। धर्मांतरण के लिए यह लोग फर्जी प्रमाणपत्र भी बनाकर देते थे। यह प्रमाणपत्र दिल्ली की मस्जिद से दिया जाता था। गिरोह का नेटवर्क कई राज्यों में फैला है। पुलिस टीम इन राज्यों में छापेमारी के लिए रणनीति बना रही है।

हादसे में अपाहिज हुए शिक्षक ब्रजपाल को शादी का झांसा देकर गिरोह ने अब्दुल्ला बना दिया। ब्रजपाल के साथ ही उनका पूरा परिवार गिरोह के प्रभाव में आ गया। बहन राजकुमारी का धर्म परिवर्तन कराकर उसे आयशा बना दिया गया। मुस्लिम शख्स से ही उसका निकाह भी करा दिया। बेटी और बेटे के धर्म परिवर्तन करने के बाद घर में अकेली बची मां ऊषा रानी भी ज्यादा दिन तक गिरोह के प्रभाव से न बच सकीं। उन्हें गिरोह ने अमीना नाम दे दिया। ब्रजपाल की दूसरी बहन सीमा इस गिरोह के प्रभाव में आने से बच गई। उसकी शादी पहले ही होने से गिरोह उसे झांसा नहीं दे सका।

गिरोह के शिकार हुए हिंदी प्रवक्ता प्रभात बुलंदशहर के जहांगीराबाद स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में वाइस प्रिंसिपल हैं। बृहस्पतिवार को बरेली कोर्ट में प्रभात उर्फ हामिद के बयान दर्ज हुए। प्रभात नेत्रहीन हैं और ब्रेल लिपि में विद्यार्थियों को पढ़ाते हैं। घटनाक्रम के बाद मां अखिलेश कुमारी उन्हें घर अलीगढ़ के क्वार्सी ले गई थीं। प्रभात के बयान की प्रति अब विवेचक को दी जाएगी। विवेचक इसे विवेचना में शामिल करेंगे। माना जा रहा है कि इस गिरोह के संपर्क में रहने से प्रभात के मन पर गहरा असर पड़ा है। एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने बताया कि भुता थाने के इंस्पेक्टर क्राइम ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है। मुख्य आरोपी व अन्य ने दक्षिण भारत के राज्यों में ज्यादातर कॉल लैंडलाइन नंबरों पर की है। इन नंबरों की तस्दीक की जा रही है। जरूरत पर टीम संबंधित राज्यों में जाकर भी पड़ताल करेगी। धार्मिक नेताओं के भाषणों से गिरोह के सदस्य लोगों का ब्रेनवाश करते थे। पड़ताल में नए आरोपी सामने आए तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

यूपी के निर्यात से जुड़े उद्योग गंभीर संकट में

22 हजार करोड़ के एक्सपोर्ट पर असर

लखनऊ, 29 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी टैरिफ की मार से यूपी के अमेरिका को होने वाले निर्यात में 50 प्रतिशत तक कमी आने की आशंका है। टैरिफ का सबसे ज्यादा असर लेदर, पीतल, कांच, टेक्सटाइल और साड़ी व कालीन उद्योग पर पड़ा है। भारत पर अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ से यूपी के निर्यात से जुड़े उद्योगों पर गंभीर संकट मंडराने लगा है। प्रदेश के करीब 22 हजार करोड़ रुपए के निर्यात पर गंभीर असर पड़ेगा। निर्यात में 40 से 50 फीसदी तक कमी आने की आशंका है। टैरिफ का सबसे ज्यादा असर लेदर, पीतल, कांच, टेक्सटाइल और साड़ी व कालीन उद्योग पर पड़ा है। इन सेक्टरों में अधिकांश छोटी इकाइयां हैं।

यूपी से सालाना करीब 1.86 लाख करोड़ रुपए का निर्यात होता है।

इसमें अमेरिकी हिस्सेदारी 19 फीसदी है। वित्त वर्ष 24-25 में यूपी से अमेरिका को करीब 36 हजार करोड़ का कुल निर्यात किया गया। इसमें लगभग 14 हजार करोड़ का निर्यात इलेक्ट्रानिक्स उपकरणों का है जो टैरिफ से बाहर है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गनाइजेशन के यूपी प्रमुख आलोक श्रीवास्तव ने कहा कि इससे कीमतें बढ़ने की संभावना है, जिससे प्रतिस्पर्धा कठिन हो जाएगी। लगभग 1200 करोड़ के कालीन और जरदोजी आर्डर फंस गए हैं, जिसका असर पूर्वांचल में करीब 50 लाख श्रमिकों की रोजगार सुरक्षा पर पड़ेगा। वहीं चर्म निर्यात परिषद के पूर्व चेयरमैन मुख्तार उल अमीन ने कहा कि चुनौती बड़ी है लेकिन उम्मीद है कि जल्द सरकार इसका समाधान निकाल लेगी।

वर्ष 2024-25 में फुटवियर और लेदर उत्पाद का निर्यात 16 हजार करोड़ हुआ। अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग 5000 करोड़ रही। अब 45 प्रतिशत घटने की आशंका है। कालीन और दरी के पिछले साल हुए करीब 17 हजार करोड़ के निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 7 हजार करोड़ रही। इसके 50 प्रतिशत तक घटने की आशंका। इसके अलावा गारमेंट्स और टेक्सटाइल, ब्रासवेयर और ग्लासवेयर पर भी इसका असर पड़ रहा है।

आठ जिलों में पटाखा बनाने, भंडारण करने और बिक्री पर प्रतिबंध

लखनऊ, 29 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में एनसीआर और आसपास के 8 जिलों में पटाखों का निर्माण, भंडारण और बिक्री पर प्रतिबंध लगाया है। यह प्रतिबंध मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर (नोएडा), बुलंदशहर, हापुड़, बागपत, शामली, मुजफ्फरनगर में प्रभावी होगा। यदि कोई व्यक्ति या संस्था इस आदेश का उल्लंघन करती है तो उसे पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986 की धारा-15 के तहत सजा और जुर्माने से दंडित किया जाता है। प्रदेश पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक आदेश का उल्लंघन करने पर 5 साल तक की सजा, एक लाख रुपए तक का जुर्माना अथवा दोनों हो सकते हैं।

पुलिस ने जनता से अपील की है कि यदि कहीं पटाखों के विनिर्माण, संग्रहण, विक्रय एवं उपयोग हो रहा है, तो इसकी शिकायत यूपी 112 पर की जा सकती है। इसके अलावा इसकी शिकायत या सूचना उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वेबसाइट पर भी दर्ज कराई जा सकती है।

संपादकीय

हिंदू का 'भागवत विचार'

सरसंघचालक मोहन भागवत ने हिंदू और हिंदुत्व पर लगभग वही विचार रखे हैं, जो वह कई बार कह चुके हैं। भाष्य और संदर्भ भिन्न हो सकते हैं, लेकिन 'हिंदू' ही आरएसएस का बुनियादी विचार है। उसके मायने 'हिंदू राष्ट्र' नहीं हैं। संघ प्रमुख आज भी 'अखंड भारत' की कल्पना में जीते रहते हैं, लिहाजा इस भूखंड के इनसानों और समाजों में 'हिंदुत्व' का ही साझापन मानते हैं। वह साझापन आज भी 'अखंड भारत' के कई हिस्सों को जोड़े हुए है, यह संघ का विश्वास है। सरसंघचालक इसीलिए 'हिंदू' को पूर्णतः 'समन्वयवादी' मानते हैं। 'हिंदू' को धर्मनिरपेक्षता की गारंटी मानते हैं। क्या संविधान की प्रस्तावना में से 'पंथनिरपेक्ष' शब्द हटा देना चाहिए, क्योंकि भारत हिंदू-बहुल और धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है? भागवत का मूल विचार 'हिंदू' है, लेकिन वह मुसलमानों की आत्मा, चेतना, मूल को भी 'हिंदू' मानते हैं। यह दीगर है कि आम या शिक्षित अथवा वैचारिक मुसलमान खुद को 'हिंदू' नहीं मानते। जब भी यह संदर्भ उठता है, तो सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस पुराने पन्ने ही पलटने लगती है और 'द्वि-राष्ट्र' की थ्योरी के लिए सावरकर और तत्कालीन संघ प्रमुखों को दोषी करार देने लगती है। बाद में कट्टरपंथी मुसलमान भी 'द्वि-राष्ट्र' चिल्लाने लगे। यह विरासत पाकिस्तान के फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर तक जाती है। बुनियादी सवाल यह है कि सरसंघचालक भागवत 'हिंदू' धर्म या जमात अथवा विचारधारा या जीवन-शैली किसकी बात करते हैं? उस 'हिंदू' को धर्मनिरपेक्षता की गारंटी किस आधार पर मानते हैं? 'हिंदू' समन्वयवादी है, तो फिर 'हिंदू राष्ट्र' के आह्वान बार-बार क्यों किए जाते हैं? ऐसे लोग संघ के ही अंश लगते रहे हैं। संघ के 'हिंदू' को नफरत और सांप्रदायिकता का पर्याय क्यों करार दिया जाता रहा है? सरसंघचालक 40,000 साल प्राचीन किसकी बात कर रहे हैं? 'रामायण' और 'महाभारत' भी करीब 5000 साल से भी कम पुरानी होंगी! 40,000 साल पहले कोई सभ्यता-संस्कृति रही होगी, हमारा अध्ययन वहां तक नहीं पहुंच पाया है। ऐसे सनसनीखेज आंकड़े देकर सरसंघचालक भागवत क्या साबित करना चाहते हैं कि सनातन, हिंदू का विचार इतना प्रागैतिहासिक है? इतना प्राचीन तो कोई 'अंधकारकाल' ही हो सकता है, जिसके दौरान शिक्षा, भाषा, लेखन और मानवीय संस्कार नहीं रहे होंगे! फिर संघ-प्रमुख किसे उद्धृत कर रहे थे? वैसे 'फ्रीडम हाउस' की रपटें स्पष्ट करती रही हैं कि जहां 'हिंदू' (विचार और व्यक्ति) है, वहां लोकतंत्र 100 फीसदी स्थिर और जीवंत है। जहां ईसाई हैं, वहां लोकतंत्र 50-50 फीसदी स्थिर है और जहां मुसलमान वर्चस्व, बहुमत की स्थिति में हैं, वहां का लोकतंत्र पूरी तरह 'अस्थिर' है। सरसंघचालक भागवत ने इस थ्योरी का उद्धरण क्यों नहीं दिया? दरअसल यह आरएसएस का शताब्दी-वर्ष है। उसे मनाना स्वाभाविक है। संघ-प्रमुख देश भर में ऐसे व्याख्यान देंगे। 'हिंदू' और 'हिंदुत्व' की बात संघ की वैचारिकता ही है, लेकिन सवाल है कि इसकी पुनरावृत्ति क्यों की जाती रही है? क्या संघ भी अपने समर्थकों, स्वयंसेवकों, प्रचारकों को लामबंद करता है और फिर वही आधार राजनीतिक तौर पर भाजपा को चुनावी समर्थन देता है? बेशक 'हिंदू' समन्वयवाद का प्रतीक है, क्योंकि आज भी भारत में मस्जिदों की संख्या दुनिया में नंबर 2 पर है। यदि 'हिंदू' समन्वयवादी नहीं होता, तो यह कभी भी संभव नहीं होता। संघ प्रमुख भी सभी को साथ लेकर चलने की बात बार-बार कहते रहे हैं। फिर नफरत कौन और किससे करता है, यह बेहद अहम सवाल है? देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने अपनी ऐतिहासिक किताब 'भारत एक खोज' में लिखा था कि हिंदू व्यापक पहचान वाला समुदाय है। उस पर किसे आपत्ति हो सकती है? लेकिन सवाल यह भी है कि बाबा अंबेडकर ने संविधान की प्रस्तावना में 'पंथनिरपेक्ष' शब्द क्यों नहीं रखा? क्योंकि नेहरू 'अल्पसंख्यक' शब्द के पैरोकार थे। दो परस्पर विरोधी शब्द संविधान में नहीं रखे जा सकते थे। नेहरू ने देश में एकता और समभाव का प्रतीक भी 'हिंदू' को माना था। फिर आज के दौर में 'हिंदू' की सोच सांप्रदायिक और नफरती कैसे हो सकती है? हमारी बुनियादी सोच समावेशी और समन्वयवादी है।

संघ प्रमुख आज भी 'अखंड भारत' की कल्पना में जीते रहते हैं, लिहाजा इस भूखंड के इनसानों और समाजों में 'हिंदुत्व' का ही साझापन मानते हैं। वह साझापन आज भी 'अखंड भारत' के कई हिस्सों को जोड़े हुए है, यह संघ का विश्वास है। सरसंघचालक इसीलिए 'हिंदू' को पूर्णत: 'समन्वयवादी' मानते हैं। 'हिंदू' को धर्मनिरपेक्षता की गारंटी मानते हैं। क्या संविधान की प्रस्तावना में से 'पंथनिरपेक्ष' शब्द हटा देना चाहिए, क्योंकि भारत हिंदू-बहुल और धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है? भागवत का मूल विचार 'हिंदू' है, लेकिन वह मुसलमानों की आत्मा, चेतना, मूल को भी 'हिंदू' मानते हैं। यह दीगर है कि आम या शिक्षित अथवा वैचारिक मुसलमान खुद को 'हिंदू' नहीं मानते। जब भी यह संदर्भ उठता है, तो सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस पुराने पन्ने ही पलटने लगती है और 'द्वि-राष्ट्र' की थ्योरी के लिए सावरकर और तत्कालीन संघ प्रमुखों को दोषी करार देने लगती है। बाद में कट्टरपंथी मुसलमान भी 'द्वि-राष्ट्र' चिल्लाने लगे। यह विरासत पाकिस्तान के फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर तक जाती है। बुनियादी सवाल यह है कि सरसंघचालक भागवत 'हिंदू' धर्म या जमात अथवा विचारधारा या जीवन-शैली किसकी बात करते हैं? उस 'हिंदू' को धर्मनिरपेक्षता की गारंटी किस आधार पर मानते हैं? 'हिंदू' समन्वयवादी है, तो फिर 'हिंदू राष्ट्र' के आह्वान बार-बार क्यों किए जाते हैं? ऐसे लोग संघ के ही अंश लगते रहे हैं।

मनुष्य अपनी सुविधाओं और लालच के लिए लगातार प्रवृति से खिलवाड़ कर रहा

बाढ़ : प्रावृतिक आपदा या मानवजनित त्रासदी

सुनील कुमार महला

जंगलों की कटाई, नदियों का दोहन, प्रदूषण, अंधाधुंध शहरीकरण और औद्योगिकीकरण ने पर्यावरण का संतुलन बिगाड़ दिया है। इसका परिणाम हमें भूवंप, बाढ़, सूखा, भूस्खलन, ग्लोबल वरमिग और जलवायु परिवर्तन जैसी आपदाओं के रूप में भुगतना पड़ रहा है। इस साल देशभर में बारिश बहुत ज्यादा कहर मचा रही है। जगह-जगह तबाही का आलम है। बरसात, जो कभी वरदान कहलाती थी, आज कई राज्यों में कहर बनकर बरस रही है। सच तो यह है कि इस बार मॉनसून ने अपनी रौद्र लीला से पूरे उत्तर भारत को हिलाकर रख दिया है। देश में बहुत सी नदियां उफान पर हैं, तो बांध खतरे के निशान को छू रहे हैं, और जगह-जगह भूस्खलन व बादल फटने की घटनाएं प्रवृति के रौद्र रूप की भयावह तस्वीर पेश कर रही हैं

कहना ग़लत नहीं होगा कि मनुष्य अपनी सुविधाओं और लालच के लिए लगातार प्रवृति से खिलवाड़ कर रहा है। जंगलों की कटाईं, नदियों का दोहन, प्रदूषण, अंधाधुंध शहरीकरण और औद्योगिकीकरण ने पर्यावरण का संतुलन बिगाड़ दिया है। इसका परिणाम हमें भूवंप, बाढ़, सूखा, भूस्खलन, ग्लोबल वरमिग और जलवायु परिवर्तन जैसी आपदाओं के रूप में भुगतना पड़ रहा है। इस साल देशभर में बारिश बहुत ज्यादा कहर मचा रही है। जगह-जगह तबाही का आलम है। बरसात, जो कभी वरदान कहलाती थी, आज कईं राज्यों में कहर बनकर बरस रही है। सच तो यह है कि इस बार मॉनसून ने अपनी रौद्र लीला से पूरे उत्तर भारत को हिलाकर रख दिया है। देश में बहुत सी नदियां उफान पर हैं,तो बांध खतरे के निशान को छू रहे हैं, और जगह-जगह भूस्खलन व बादल फटने की घटनाएं प्रवृति के रौद्र रूप की भयावह तस्वीर पेश कर रही हैं। मीडिया के हवाले से आईं खबरों से पता चलता है कि उत्तर भारत में लगातार भारी बरसात के बाद जम्मू के कटरा स्थित वैष्णोदेवी धाम के मार्ग पर भूस्खलन से अब तक 38 लोगों की मौत हो गईं है। बहुत ही दुखद है कि दर्शन की लालसा में निकले श्रद्धालु अचानक आईं इस त्रासदी का शिकार हो गए। जानकारी के अनुसार मंदिर दर्शन के लिए जा रहे कईं श्रद्धालु अर्धवुंवारी के पास मार्ग पर भूस्खलन व भारी बारिश की चपेट में आ गए। प्रत्यक्षर्दशियों के अनुसार मंदिर मार्ग पर कईं जगह पत्थर गिरने से हादसे हुए। सेना के जवान और बचाव दल लगातार राहत कार्यो में जुटे हैं। इधर, भूस्खलन के बाद वैष्णोदेवी की यात्रा भी रोक दी गईं। इस घटना पर हमारे देश के प्रधानमंत्री सहित देशभर ने मृतकों के प्रति गहरा शोक व संवेदना व्यक्त की है। यह पहली बार है कि वैष्णो देवी यात्रा में इतनी बड़ी त्रासदी सामने आईं है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि जम्मू-कश्मीर में पिछले 24 घंटों में 210 एमएम तथा जम्मू में 380 बारिश दर्ज की गईं है। यहां हुईं बारिश ने पिछले कईं सालों का रेकॉर्ड तोड़ दिया है। मीडिया में आया है कि जम्मू-पठानकोट तथा जम्मू-श्रीनगर हाइवे को भारी क्षति पहुंची है। तवी, चिनाब नदी सहित अन्य नदियों के उफान व बाढ़ से स्थानीय जनजीवन अस्त-

व्यस्त हो गया है। जानकारी के अनुसार सेना ने 10 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया है। इधर, रेलवे ने जम्मू मार्ग की 58 ट्रेनों का संचालन निरस्त किया है, वहीं 18 ट्रेनों का रूट बदला गया है। उधर, हिमाचल प्रदेश की नदियां व्यास-सतलुज व रावी में भारी बाढ़ चल रही है। चंडीगढ़- मनाली हाइवे को भारी क्षति होने से वुल्लु व मनाली का सम्पर्व कट गया है। लेह एयरपोर्ट से सभी उड़ानें निरस्त कर दी गईं हैं। इतना ही नहीं, पठानकोट पंजाब के माधोपुर हेडवर्क्स के निकट बुधवार 27 अगस्त को सेना के हेलिकॉप्टर ने एक इमारत से 22 सीआरपीएफ जवानों और नागरिकों को निकालकर एक बड़ा हादसा टाल दिया। पंजाब में बाढ़ जैसे हालात हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार पोंग व भाखड़ा-नांगल बांधों से पानी निकासी के बाद भयानक बाढ़ से पठानकोट, गुरदासपुर, होशियारपुर, कपूरथला, फिरोजपुर सहित कईं क्षेत्रों में हालात बिगड़ गए। गुरदासपुर में नवोदय विद्यालय के ग्राउंड फ्लोर पर 5 फीट से ज्यादा पानी भरने से 400 विद्याथा व शिक्षक पंस गए। रावी नदी में बाढ़ के कारण करतारपुर कॉरिडोर पर 7 फीट तक पानी भर गया। इसके कारण पाकिस्तान में करतारपुरा गुरुद्वारा साहिब भी डूब गया बताते हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार सभी को निकालते ही इमारत भी बह गईं। इसी म में हिमाचल प्रदेश की नदियां भी रौद्र रूप धारण कर चुकी हैं। चम्बा में मणि महेश यात्रा बाधित हुईं और करीब 2,000 यात्री जगह-जगह पंसे। पंजाब में बांधों (डैम्स) का पानी खतरे के निशान तक पहुंच गया है और गेट खोलने की नौबत आ चुकी है। छत्तीसगढ़ में हालात बुरे हैं। जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में बीते दो दिन बारिश ने तबाही मचा दी। इसे 94 साल बाद बड़ी आपदा बताया जा रहा है। खबरों के अनुसार बीते 24 घंटे में 217 एमएम बारिश दर्ज की गईं है तथा सेना ने हेलिकॉप्टर से बाढ़ में पंसे 100 लोगों को रेस्क्यू किया है। एक जानकारी के अनुसार यहां कार के साथ बहे परिवार के चार लोगों की मौत हो गईं। इधर, उत्तराखंड और जम्मूकश्मीर में भी हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। सड़वें, पुल और मार्ग बाधित हो रहे हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि धरमिक यात्राओं पर यह प्रावृतिक प्रकोप गहरा असर डाल रहा है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि आइएमडी के अनुसार जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल, पूवा राजस्थान, हरियाणा, गुजरातकोंकण व मध्य महाराष्ट्र में अगले 7 दिन भारी बरसात की संभावना जताईं गईं है। पामि व दक्षिणी राजस्थान में 29 से 31 अगस्त तक, उत्तरप्रदेश में 1 से 2 सितम्बर तक तथा छत्तीसगढ़, बिहार व झारखंड में 28 अगस्त से 1 सितम्बर तक भारी बारिश की संभावना जताईं गईं है। आंकड़े बताते हैं कि उत्तर भारत में 12 साल बाद सबसे ज्यादा बारिश हुईं है। विदित हो कि साल 2013 में केदारनाथ में आईं विनाशकारी बाढ़ के बाद उत्तर भारत में इस साल सामान्य से 21™ ज्यादा बारिश हुईं हैं। आइएमडी के अनुसार 2021 के बाद इस बार उत्तर भारत के राज्यों में बेहद भारी बरसात हुईं हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज अंधाधुंध विकास के बीच हम प्रवृति से लगातार खिलवाड़ कर रहे हैं और हमें इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। प्रावृतिक आपदाओं के सामने मनुष्य आज असहाय प्रतीत होता है। निाति ही इससे देश की अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। हजारों लोगों की आजीविका पर भी व्यापक असर पड़ता है। जनजीवन अस्त-व्यस्त तो होता ही है। ऐसे में सरकार और संबंधित राज्य प्रशासन की यह जिम्मेदारी बनती है कि यात्रियों की सुरक्षा, मार्गो की मरम्मत, मौसम की पूर्व चेतावनी और आपदा-निवारण व्यवस्था को मजबूत करें। बारिश का यह कहर हमें कहीं न कहीं एक गहरा संदेश देता है - प्रवृति को हल्के में लेना हमारी सबसे बड़ी भूल है। बाढ़ अत्यधिक वर्षा, नदियों के उफान, बांध टूटने या बादल फटने के कारण आती है। इसमें नदियाँ और नाले खतरे के निशान से ऊपर बहने लगते हैं, जिससे गांव-शहर जलमग्न हो जाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि मनुष्य अपनी सुविधाओं और लालच के लिए लगातार प्रवृति से खिलवाड़ कर रहा है। जंगलों की कटाईं, नदियों का दोहन, प्रदूषण, अंधाधुंध शहरीकरण और औद्योगिकीकरण ने पर्यावरण का संतुलन बिगाड़ दिया है। इसका परिणाम हमें भूवंप, बाढ़, सूखा, भूस्खलन, ग्लोबल वरमिग और जलवायु परिवर्तन जैसी आपदाओं के रूप में भुगतना पड़ रहा है।अंत में यही कहूंगा कि प्रवृति और विकास का संतुलन बनाए रखना मानव जीवन के लिए आवश्यक है। केवल आर्थिक प्रगति ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पर्यावरण और पारिस्थितिकी का संरक्षण भी उतना ही ज़रूरी है। सतत विकास वही है, जिसमें प्रावृतिक संसाधनों का उपयोग सोच-समझकर किया जाए। पेड़- पौधों, जल, भूमि और वायु को सुरक्षित रखकर ही आने वाली पीढ़ियों को बेहतर जीवन दिया जा सकता है। हमें यह चाहिए कि हम प्रवृति का सम्मान करें और संसाधनों को नष्ट न करें, अन्यथा प्रवृति हमें कहीं का भी नहीं छोड़ेगी।

कुछ अलग

चाय पे चर्चा एक ये भी...

आइए टॉमी जी, घर ढूंढने में कोई मुश्किल...?' 'नहीं, नहीं। वो गूगल मैप...।' 'आपका चेहरा कुछ उतरा हुआ सा...?' 'हां, वो जो कोर्ट का डिसीजन आया है न।' 'पर अब तो उस डिसीजन को पलटी भी कब की लग गई मियां।' 'वो तो ठीक है, पर हम कुत्तों ने कितना स्ट्रैस और डिप्रेशन झेला, वो कुछ नहीं?' 'अरे! आप पहले सांस...।' 'भाड़ में गई सांस। अरे भई! जब तुम स्वयं जिंदगी में स्वतंत्रता चाहते हो तो किसी को क्या हक है कि कोई हमें सांकलों में बंद करे। तुम इनसानों से तो अच्छे हैं हम। तुम इनसान तो न जाने कितनों को अपनी जिंदगी में बिना छेड़े ही ईर्ष्या-द्वेष में ही एक-दूसरे को काट डालते हो।' 'सो तो है। आज आपके साथ ये सब हो रहा है। कल को हम बंदरों के साथ भी और फिर परसों चिड़ियां-कबूतरों, मुर्गियों के साथ भी यही होगा। कबूतर भी तो सबके बरामदे बालकनी में आकर बीट करते हैं और फडफ़ड़ाते हैं।' 'अरे बेगम! दार्जिलिंग चली गई क्या चाय लेने...वैसे हम बंदर भी बहुत चिंतित हैं।...देखो न वैसे तो हमें सीधे उठाकर गाड़ी में भरकर कितना दर्द-भरा इंजेक्शन लगा देते हैं।' 'हां, मिंकू जी, वही तो। हम कुत्तों को भी तो भैरव बाबा, भैरव बाबा कहकर मंदिर में पूजते हैं। कहां गए वो हमारे तथाकथित भक्त?...अब जब इन्हें अपने ग्रह काटने के लिए सडक़ के काले कुत्ते को रोटी खिलानी होती तो फिर बताओ, हम कहां मिलते?' 'हां, टॉमी जी! पुलिस, आर्मी, जासूस लोग भी तो आपका कितना इस्तेमाल करते हैं।' 'अरे! चाय भी आ गई।...बेगम! टॉमी जी के लिए कुछ इसके साथ...।' 'अरे! नहीं, नहीं...। एक बात है, ये इनसान नाम का आइटम है बड़ा मतलबी।'

देश दुनिया से

उपराष्ट्रपति चुनाव : सीपी राधावृष्णन बनाम न्यायमरूति बी सुदर्शन रेड्डी

भाजपा के शुद्ध वैचारिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति के पक्ष में संपूर्ण राजग का एकजुट होना साबित करता है कि नरेंद्र मोदी द्वारा सत्ता संभालने के बाद राजनीति भाजपा के संदर्भ में कहां से कहां पहुंच गईं है। यह राजग के भीतर वैचारिक द्वंद्व की संभावनाओं को तत्काल खारिज करने वाला संदेश है। वैसे भी बिहार चुनाव के वक्त कोईं पाटा इस आधार पर दगा करेगी यह कल्पना ही बेमानी है। ाजपा नेतृत्व वाले राजग के सीपी राधावृष्णन के विरुद्ध आईंएनडीआईंए उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश न्यायमरूति बी सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाने पर कांग्रेस का तर्व है भाजपा ने संघ पृष्ठभूमि वाले को उम्मीदवार बनाया जबकि हमने ऐसे न्यायमरूति को सामने लाया है जिनकी संविधान के प्रति प्रतिबद्धता है। इस तरह कांग्रेस इसे विचारधारा से जोड़ने की राजनीति की है। आईंएनडीआईंए में साफ था कि किसी राजनीतिक दल या वैसे चेहरे के पक्ष में पूरे समूह का वोट सुनिाति मानना कठिन होगा। बी सुदर्शन रेड्डी भी दक्षिण के हैं और संयुत्त आंध्र के होने के कारण विपक्ष की सोच है कि भाजपा के सहयोगियों तेलुगूदेशम, जन सेना के साथ तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति के सामने दुविधा पैदा होगी। दोनों सदनों के अंकगणित को देखें लोकसभा की प्रभावी सदस्य संख्या 542 और राज्यसभा की 240 है। तो उपराष्ट्रपति चुनाव में वुल मतदाताओं की संख्या हुईं, 782। राजग की 422 संख्या के अनुसार सीपी राधावृष्णन का उपराष्ट्रपति बनना प्रायः निाति है। आइए अब उम्मीदवारों के पीछे की रणनीति , उनकी योग्यताएं और संदेशों को समझें। चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधावृष्णन के व्यत्तित्व में विवादों का स्थान नहीं रहा है। इसलिए उनके विरोध के लिए कोईं तथ्य नहीं मिल सकता। वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल के पूर्व झारखंड के भी राज्यपाल रहे तथा इसी बीच वुछ समय के लिए तेलंगाना और पुडुचेरी का भी अतिरित्त प्रभार उनके पास रहा। लगातार जनता के बीच जाने के लिए झारखंड एवं महाराष्ट्र में यात्राएं करने के बावजूद राजनीतिक विवाद न होना या राजनीतिक दलों द्वारा प्रश्न खड़ा न किया जाना उनकी व्यवहारिक विवेकशीलता का प्रमाण है। वह 1998 और 1999 में दो बार तमिलनाडु के कोयंबटूर से लोकसभा सांसद रह चुके हैं। इसलिए कोईं उन्हें संसदीय प्रणाली से भी अनभिज्ञ नहीं कह सकता। उनका राजनीतिक वैरियर लगभग पांच दशक का है। वे तमिलनाडु में भाजपा के सचिव और अध्यक्ष रह चुके हैं। वैसे तमिलनाडु से ही सर्वपल्ली राधावृष्णन पहले उपराष्ट्रपति और बाद में राष्ट्रपति बने जो न कभी किसी सदन के सदस्य रहे और न किसी दल से जुड़े थे। हां तमिलनाडु से दूसरे उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति बीबी गिरी अवश्य गवर्नर का पद संभाल चुके थे। इसलिए विपक्ष के पास इस आधार पर भी आलोचना का कोईं कारण नहीं है। सुदर्शन रेड्डी आंध्रप्रदेश और गुवाहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रहे और 2007 से 2011 तक उच्चतम न्यायालय में। नवर्तमान तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने जब सामाजिक ,आर्थिक, शैक्षणिक, जातीय सव्रेक्षण का पैसला किया तो उसके रिपोर्ट के लिए सुदर्शन रेड्डी की अध्यक्षता में ही एक समिति बनाईं थी। इस तरह कांग्रेस के साथ उनका संपर्व था। हालांकि जब वे गोवा के लोकायुत्त थे तब कांग्रेस ने विरोध किया था। उस समय उनकी नियुत्ति भाजपा सरकार की ओर से हुईं थी और इसलिए कांग्रेस में उन्हें पक्षपाती माना था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन्हें सिविल लिबटाज यानी नागरिक स्वतंत्रता का झंडा उठाने वाला न्यायाधीश कहां है। छत्तीसगढ़ में माओवादी हिसा के विरुद्ध जनता के सलवा जुडूम संघर्ष को उन्होंने असंवैधानिक करार देकर प्रतिबंधित किया था। इस पैसले की तब से आज तक आलोचना हो रही है क्योंकि इसे जनता की अपने जीवन और संपत्ति की रक्षा तथा हिसा के द्वारा इन्हें नष्ट करने वालों के विरुद्ध संघर्ष का अधिकार छीना गया था। तो इसका संदेश क्या हो सकता है? शीर्ष स्तर पर न्यायाधीश की योग्यता छोड़ दें तो राजनीतिक दृष्टि से कांग्रेस या किसी पाटा के समर्थकों, नेताओं, कार्यंकर्ताओं आदि के बीच इसका कोईं विशेष संदेश नहीं गया होगा। कांग्रेस इसे विचारधारा का विषय भले बनाए उसके या आईंएनडीआईंए दलों के लिए इसमें जनता के बीच आकर्षक राजनीतिक संदेश देने का पहलू नहीं है। कांग्रेस ने पिछली बार जगदीप धनखड़ के विरुद्ध अपनी नेत्री मारग्रेट अल्वा को खड़ा किया था। सो यह दावा नहीं कर सकते कि ऐसे पद के लिए राजनीति से परे हटकर विचार करते हैं। ऐसा लगता है कि विपक्षी दलों के मत दूसरी ओर जाने से रोकने के लिए सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया गया है। दूसरी ओर साफ दिखता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा ने उम्मीदवार पर गहराईं से मंथन किया है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी नीतियों और व्यवहारों से तमिल बनाम अन्य, उत्तर बनाम दक्षिण के भेद को समाप्त करने के लिए सतत कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री संपूर्ण भारत के साथ तमिल संस्वृति और वहां के आस्था स्थलों के जुड़ाव को अलग-अलग तरीकों से रेखांकित करते रहे हैं। काशी तमिल संगम तथा महत्वपूर्ण तमिल ग्रंथों का अन्य भारतीय भाषाओं में अनुवाद आदि से तमिल राजनीति के उत्तर दक्षिण, आर्यं द्रविड़ ,तमिल गैर तमिल जैसी विभाजनकारी राजनीति का उत्तर देने की भी प्रभावी कोशिश कर कर रहे हैं। भाजपा तमिलनाडु में अपना प्रभावी अस्तित्व बनाने के लिए सायि है। इस दृष्टि से राधावृष्णन का तमिल और पिछड़ा होने का राजनीतिक अर्थ समझ में आता है। एक राजनेता होते हुए भी राज्यपाल के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन कर राजनीति को नहीं आने देना उनका ऐसा गुण है जिसकी प्रशंसा दोनों राज्यों के भाजपा विरोधी परटियां करतीं हैं। दिन रात भाजपा के विरुद्ध बयान देने वाले शिवसेना उद्धव के नेता संजय राउत ने कहा कि उनका एक अविवादित व्यत्तित्व है। झारखंड से भी उनके बारे में यही आवाज है। इन पंत्तियों के लिखे जाने तक आंध्र की परटियों से सुदर्शन रेड्डी को समर्थन देने की घोषणा नहीं है जबकि जगनमोहन रेड्डी राधावृष्णन के समर्थन का बयान दे चुके हैं। वैसे राधावृष्णन को उम्मीदवार बनाने का भाजपा की दृष्टि से महत्वपूर्ण संदेश दूसरे हैं। पहले सत्यपाल मलिक और बाद में जगदीप धनखड़ के अनुभव से सीख लेते हुए ऐसा लगता है कि भाजपा पूरी तरह परीक्षित नेता को ही महत्वपूर्ण स्थानों पर लाने की नीति की ओर अग्रसर हो रही है। ऐसा होता है तो यह नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यंकाल का महत्वपूर्ण पड़ाव होगा। पिछले लोकसभा चुनाव में कार्यंकर्ताओं और समर्थकों के असंतोष के पीछे यह एक प्रमुख कारण था जिसके क्षति भाजपा को उठानी पड़ी। राधावृष्णन की पूरे राजनीतिक जीवन में वैचारिक प्रतिबद्धता स्पष्ट रही है। तमिलनाडु में तमिल और सनातन विभाजन के विरुद्ध तथा सनातन संस्वृति के पक्ष में वे प्रखर रहे हैं। कोयंबटूर में 1997 के दंगों के बीच उनकी भूमिका को हिदू संगठनों ने काफी सराहा। जिन लोगों को पिछली सदी के अंतिम दशक में तमिलनाडु के अंदर बढ़ते मुस्लिम कट्टरवाद , दंगों और आतंकवाद की जानकारी है वे उनके कार्यं को भली-भांति समझते हैं।

आप का नजरिया

खोटा बनाम मोटा सवाल

कर्ज की सांसों में भी नखरे बहुत, सुना है सोने के चम्मच से ऑक्सीजन पीते हैं। विधानसभा में मोटे और खोटे सवालों पर खूब चर्चा होती रही है। मोटे तो वही जिन पर सरकार के उत्तर विपक्ष को निरुत्तर कर दें या विपक्ष बहिष्कार के माध्यम से खुद को दर्ज कर ले, लेकिन खोटे प्रश्न विधानसभा अध्यक्ष की अदालत में नाकारा हो रहे हैं। मसलन विधायक सुधीर शर्मा के विशेषाधिकार हनन नोटिस के छिलके उतारे गए, तो नियमों के हवाले और नियमों के दायरे फैल गए। दरअसल सोशल मीडिया की गफलत में विधानसभा की रुह समय से पहले ही बाहर आ रही है। मीडिया के सोशल पक्ष में हर विधायक रिपोर्टर बनना चाहता है और इस तरह असंपादित अंश की कचहरी में हर विधानसभा क्षेत्र अब सीधे संबोधित होने लगा है। जाहिर है सोशल मीडिया के मार्फत छोटे सवाल को मोटा बनाने की होड़ चली है। सदन की भाषा, देह भाषा, संदर्भों की मात्रा और अपने-अपने तर्कों से आशा बढ़ी है। एक ओर सरकार है जिसे अपनी छवि के तहत बहुत कुछ कहते हुए कोरा-कोरा कहना है, तो विपक्ष सदन के बाहर अपनी फील्ड की तैयारी को सदन के भीतर बताना चाहता है। इसका एक उल्लेख हम भीतर बैठे राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी और उनके विभागीय उत्तरों से दिशाओं का बोध कर सकते हैं। सवाल भाजपा के विक्रम ठाकुर और राकेश जम्बाल की ओर से पूछे जाने थे, लेकिन बहिष्कार की चुप्पियों ने सदन की परंपराओं से विरोध कर दिया। जनता के लिए प्रश्न खामोश थे, वहां गूंज रहे थे सियासी मंसूबे। किसके सामने कौन, कितने पानी में सत्ता या विपक्ष और किसके फरमान में संविधान के संबोधन सही हो जाएंगे, इसका न कोई हिसाब और न कोई मुखबिर, क्योंकि जनता इस परिदृश्य में न मेजबान और न ही जजमान बन सकती। इस सबके बीच हिमाचल अपने लिए मोटे सवाल लेकर बैठा रहा। सुबह से शाम और एक जवाब आया जब भरमौर से विधायक डा. जनकराज को उत्तर मिला कि 31 जुलाई 2025 तक, न उनका-न मेरा, बल्कि हम सभी का हिमाचल 98182 करोड़ रुपए का कर्जदार हो चुका है। अब सिर्फ 1818 करोड़ लोन लेकर हमारा यह प्यारा सा राज्य एक लाख करोड़ के उधार के नीचे गोटियां खेलेगा। आश्चर्य होता है कि हमारे सिंहासन, हमारे सवाल, हमारी वकालत, हमारी अदालत और हमारी इबादत खुद को बेहतर साबित करने में जुटी है, जबकि हर तरफ उधार के कंकाल लटक रहे हैं। उधार की किश्ती में सोना ढोने वाले, फकीर की बस्ती तक नहीं पहुंच पाएंगे। ये दरिया नहीं, दलदल है, धंसने के बाद निकल नहीं पाएंगे। इस हमाम में कई सरकारें और कई सियासी जादू कुर्बान हैं। एक लाख करोड़ ऋण उठाकर भी हमने बांटी है हस्तियां, सरकारी नौकरी में जाली अर्जियां। हम ऋण उठाकर कर्मचारी वर्ग को उठाते रहे। एचआरटीसी की खाली बसों से निजी बसों की क्षमता को हटाते रहे। ऐसी कौनसी अधोसंरचना है जो उधार की प्रासंगिकता में हमें कभी जीवनदान दे देगी। हमारे खाली पर्स में उधार की रसीदें हैं और सामने एक नए ऋण की खोज में अर्जियां ही अर्जियां। कर्ज के हिसाब में हमारे बजट में मूल धन व ब्याज की अदायगी के ग्यारह हजार करोड़ का प्रावधान भी एक फांस है, दिन में तारे खोज लाने की। अब वित्तायोग से आशा भरी निगाहों से देखने के अलावा हमारे पास और क्या चारा बचा है। क्या राजस्व घाटा अनुदान की भरपाई फिर से सही मिकदार में शुरू हो पाएगी। क्या जीएसटी से हुए घाटे की भरपाई में फिर से कोई दलील सामने आएगी। वित्तीय व्यवस्था के इस दौर में मितव्ययता के प्रश्न कौन उठाएगा। हैरानी यह कि एक लाख करोड़ के कर्ज के बावजूद कर्मचारी वर्ग की नाराजगी दूर नहीं होती, बेरोजगार की आशा पूरी नहीं होती और न ही हमारे नखरे काबू में रहते हैं। मुश्किल भरी यह हकीकत न हमारे आंसुओं में है और न ही हमारे संकल्पों के रास्तों पर खड़ी है।

मसलन विधायक सुधीर शर्मा के विशेषाधिकार हनन नोटिस के छिलके उतारे गए, तो नियमों के हवाले और नियमों के दायरे फैल गए। दरअसल सोशल मीडिया की गफलत में विधानसभा की रुह समय से पहले ही बाहर आ रही है। मीडिया के सोशल पक्ष में हर विधायक रिपोर्टर बनना चाहता है और इस तरह असंपादित अंश की कचहरी में हर विधानसभा क्षेत्र अब सीधे संबोधित होने लगा है। जाहिर है सोशल मीडिया के मार्फत छोटे सवाल को मोटा बनाने की होड़ चली है। सदन की भाषा, देह भाषा, संदर्भों की मात्रा और अपने-अपने तर्कों से आशा बढ़ी है। एक ओर सरकार है जिसे अपनी छवि के तहत बहुत कुछ कहते हुए कोरा-कोरा कहना है, तो विपक्ष सदन के बाहर अपनी फील्ड की तैयारी को सदन के भीतर बताना चाहता है। इसका एक उल्लेख हम भीतर बैठे राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी और उनके विभागीय उत्तरों से दिशाओं का बोध कर सकते हैं।

दृष्टि कोण

मातृभूमि को सिजदा करने को लेकर विवाद

संस्कृत भाषा में एक गीत है जिसकी पहली पंक्ति है, नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे। इसका हिंदी भाषा में अर्थ है कि मां की तरह सदा प्यार करने वाली मातृभूमि, मैं तुम्हारा पुत्र तुम्हें प्रणाम करता हूं। संस्कृत का यह गीत या कविता देश में करोड़ों लोग पढ़ते और गाते हैं। बहुत साल पहले इसी प्रकार का एक और गीत भी संस्कृत में लिखा गया था, जिसका पहला वाक्य 'वंदे मातरम्' से शुरू होता है। उसका हिंदी में अर्थ यही था कि मैं मातृभूमि की वंदना करता हूं। उसे प्रणाम करता हूं। यह गीत आनंदमठ उपन्यास के रचयिता बंकिम चंद्र चटोपाध्याय ने लिखा था। यह गीत गाते हुए अनेक क्रांतिकारी फांसी का फंदा चूम गए थे। जब देश आजाद हो गया तो बहुत से लोगों ने यह गीत गाने का विरोध कर दिया। उनका कहना था कि हमारे मजहब के अनुसार सिजदा सदा खुदा के आगे ही किया जा सकता है। मां या मातृभूमि के आगे सिजदा करना या उसे प्रणाम करने की इजाजत उनका मजहब उन्हें नहीं देता। यह विवाद आज भी चलता रहता है। लेकिन पिछले दिनों इस विवाद ने एक नई बहस पकड़ ली। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष और राज्य सरकार में उप मुख्यमंत्री डीके शिव कुमार ने विधानसभा में संस्कृत की इस कविता 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे' की एक-दो पंक्तियां गा दीं। कभी स्कूल के दिनों में उन्होंने संस्कृत की यह कविता पढ़ी या गाई होगी। विधानसभा में देश या राष्ट्र को लेकर कोई प्रसंग आया होगा तो उन्होंने ये दो पंक्तियां जो उन्हें अब तक भी कंठस्थ रही होंगी, उस प्रसंग में जोड़ दीं। उसके बाद जो हुआ, उसकी तो न शिव कुमार ने कल्पना की होगी और न ही कर्नाटक के लोगों ने। कर्नाटक में सोनिया कांग्रेस की सरकार हैं और शिव कुमार लंबे अरसे से इसी पार्टी से जुड़े हुए हैं। शिव कुमार ने जैसे ही मातृभूमि को नमन किया, कांग्रेस के कुछ सदस्यों ने उसके विरोध में तूफान खड़ा कर दिया। मातृभूमि को इस प्रकार नमन तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोग करते हैं, आप इस प्रकार मातृभूमि को नमन करने के गीत सार्वजनिक रूप से कैसे गा सकते हैं? यह तो

कांग्रेस से गद्दारी है। शिव कुमार पर यह आरोप लगाए जा रहे थे। वैसे केवल रिकार्ड के लिए, जब कांग्रेस कर्नाटक में जीती थी, तो उसके कुछ लोगों ने परिसर में ही पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगा कर अपनी खुशी का इजहार किया था। उस वक्त किसी ने इसे गंभीरता से नहीं लिया था और कांग्रेस के भीतर से भी किसी ने नहीं कहा था कि पाकिस्तान जिंदाबाद कहने से कुछ गड़बड़ होती है। कुछ वरिष्ठ कांग्रेस जनों का कहना था कि व्यक्तिगत हैसियत में तो शिव कुमार कुछ भी गा सकते हैं। लेकिन वे अब प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष भी हैं। उनका कहना था भला कांग्रेस का अध्यक्ष सार्वजनिक तौर पर और वह भी विधानसभा में, मातृभूमि को प्रणाम करने वाले गीत कैसे गा सकता है? इस प्रकार के गीत तो संघ के लोग गाते हैं। इसलिए कांग्रेस के अध्यक्ष की हैसियत से मातृभूमि को प्रणाम करने का गीत गाने के लिए उनको माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस के ही एक दूसरे विधायक डा. रंगनाथन बैठे बिठाए इस विवाद में फंस गए। वे पेशे से डाक्टर हैं। उन्होंने कह दिया कि शिव कुमार ने गलत क्या किया है, यह देशभक्ति का गीत है। इसके गाने से कांग्रेस का विरोध कैसे हो जाता है? रंगनाथन की जिज्ञासा तो ठीक थी। यदि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोग मातृभूमि को प्रणाम करते हैं तो क्या कांग्रेस के लोग मातृभूमि को सिजदे का गीत नहीं गा सकते हैं? कर्नाटक में कांग्रेस के आम कार्यकर्ता में भी यह बहस शुरू हो गई थी। डीके शिव कुमार, डा. रंगनाथन समेत प्रदेश के सभी कार्यकर्ताओं का ध्यान बिहार में पदयात्रा कर रहे राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खडग़े की ओर लगा हुआ था।

क्वेटा में आईएसआई और सीटीडी के अधिकारी पांच बलोच छात्रों को घरों से उठाकर ले गए

क्वेटा (बलोचिस्तान), 29 अगस्त (एजेंसियां)।

बलोचिस्तान की राजधानी क्वेटा में आधी रात एक घर पर हुई छापेमारी के दौरान कम से कम पांच बलोच छात्रों को पाकिस्तान के अधिकारी जबरिया उठा ले गए हैं। बताया गया है कि आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) और इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के अधिकारियों ने तड़के लगभग 3:30 बजे क्वेटा के एस्सा नगरी इलाके में एक घर पर छापा मारा। यहां से वह कम से कम पांच छात्रों को अगवा कर अपने साथ ले गए।

खबर के अनुसार, पाकिस्तान के अधिकारियों ने मोहम्मद यासीन (17), शबीक (18), कदीर अहमद (18), कदीर लल्ला (17) और अकरम तकसीर (16) को अगवा किया है। विवरण के अनुसार, मोहम्मद यासीन पुत्र मिस्कान, निवासी शापुक तुरबत केच, शबीक पुत्र मोहम्मद असलम, निवासी शापुक तुरबत केच, कदीर अहमद पुत्र पुलेन निवासी उमेरी खेन सामी तुरबत केच और कदीर लल्ला पुत्र लल्ला, निवासी उमेरी खेन सामी तुरबत केच एफएससी के छात्र हैं। इनके साथ अगवा किया गया अकरम तकसीर पुत्र तकसीर अहमद, निवासी उमेरी खेन सामी तुरबत केच मैट्रिक में पढ़ता है।

बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) ने बयान में इस घटना की पुष्टि करते हुए अगवा किए गए सभी छात्रों की तत्काल रिहाई की मांग की है। बीवाईसी ने कहा कि इससे पहले खुफिया एजेंसियों, आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) और पुलिस कर्मियों ने बुधवार रात करीब 8:00 बजे गोलिमार चौक पर संगठन के सक्रिय सदस्य नजर मरी को हिरासत में लिया। तब से उसका कुछ पता नहीं है। इसके अलावा पाकिस्तानी सेना ने कथित तौर पर 21 अगस्त को यासीन के बेटे अजमल को अगवा कर लिया है। अवारन के झाओ इलाके से इब्राहिम के बेटे मीरान नाम को अगवा कर लिया गया है।

बीवाईसी ने कहा है कि ऐसी घटनाओं से बलोचों में गहरा आक्रोश पनप रहा है। समूह ने मानवाधिकार संगठनों, मीडिया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सहयोग की अपील की है। इस बीच पाकिस्तानी अधिकारियों ने अभी तक छात्रों के अगवा किए जाने के आरोपों पर कोई बयान जारी नहीं किया है।

न्यूज ब्रीफ

प्रिंस हैरी और किंग चार्ल्स तृतीय के बीच सुलह, आठ सितंबर को हो सकती है मुलाकात

लंदन। प्रिंस हैरी और उनके पिता किंग चार्ल्स तृतीय के बीच सुलह का रास्ता लगभग खोज लिया गया है। पिता

और पुत्र के बीच 20 महीनों में पहली बार होने वाली मुलाकात पर दुनिया भर की निगाहें लगी हुई हैं। प्रिंस हैरी के आठ सितंबर को महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की तीसरी पुण्यतिथि पर लंदन में मौजूद रहने की संभावना है। वह वेलचाइल्ड अवार्ड्स में भी शामिल होंगे। हालांकि उनके भाई विलियम ने कथित तौर पर इस निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया है। प्रिंस हैरी अमेरिका में रहते हैं। डेली मेल की खबर के अनुसार, बकिंघम पैलेस के अधिकारियों के साथ एक अनौपचारिक सुलह वार्ता के बाद ड्यूक ऑफ ससेक्स प्रिंस हैरी और उनके पिता किंग चार्ल्स द्वितीय के बीच मुलाकात होनी लगभग तय है। एक अमेरिकी सूत्र के अनुसार, अब दोनों पक्षों में काफी हद तक पारिवारिक मुद्दे सुलझ गए हैं। प्रिंस हैरी की टीम और पैलेस ने बातचीत का सुखद रास्ता खोल दिया है। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले किंग चार्ल्स द्वितीय का कैंसर का इलाज हुआ है। इस नियोजित मुलाकात के दौरान संभवतः हैरी की पत्नी मेघन मर्केल अपने दोनों बच्चों आर्ची और लिलिबेट के साथ कैलिफोर्निया में ही रहेंगी। किंग चार्ल्स द्वितीय ने दोनों बच्चों से आखिरी बार जून 2022 में मुलाकात की थी। बताया गया है कि पिछले महीने हैरी और मेघन की नई संचार प्रमुख मेरेडिथ मेन्स ने किंग चार्ल्स द्वितीय के संचार सचिव टोबिन एंड्रिया से रॉयल ओवर-सीज लीग (आरओएसएल) में मुलाकात की थी। यह स्थान किंग चार्ल्स द्वितीय के लंदन निवास क्लेरेंस हाउस से तीन मिनट की पैदल दूरी पर है। मई में हैरी ने कहा था कि वह सुलह चाहते हैं क्योंकि उन्हें नहीं पता कि मेरे पिता के पास और कितना समय है।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में सुरक्षा बलों पर हमला, सूबेदार समेत कई जवान मारे गए

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान के पंजगुर और कच्छी जिलों में गुरुवार को एक सशस्त्र

समूह ने पाकिस्तान के सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर बम विस्फोट किए गए। हमलों में एक सूबेदार समेत कई सुरक्षाकर्मी मारे गए। अभी तक किसी ने भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। ना ही पाकिस्तान के अधिकारियों ने दोनों जिलों के हमले के संबंध में कोई बयान जारी किया है। खबर में कहा गया है कि कच्छी जिले के कोलपुर इलाके में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के एक बम निरोधक दस्ते पर रेलवे ट्रैक साफ करते समय एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से हमला हुआ। उसी इलाके में एक और हमले में कथित तौर पर एक सुरक्षा वाहन को निशाना बनाया गया। इसके अलावा पंजगुर जिले के पारोम इलाके में एक चौकी से रवाना हो रहे सुरक्षा बलों के एक वाहन को निशाना बनाकर आईईडी विस्फोट किया गया। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि इस विस्फोट में सूबेदार अब्दुल रज्जाक समेत कई सुरक्षाकर्मी मारे गए। इसके अलावा क्वेटा में हथियारबंद लोगों ने मियां घुंडी इलाके में पुलिसकर्मियों को बंधक बनाकर उनके हथियार छीन लिए। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इसके बाद पुलिस वालों को छोड़ दिया गया।

इटली में स्कैंडल का खुलासा : पोर्न पेज पर मिले मेलोनी के फेक फोटो, कई महिला राजनेता शिकार

रोम। इटली में हुए स्कैंडल ने पूरी दुनिया को हिला दिया है। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी समेत कई बड़ी महिला

राजनेता इसकी शिकार हुई हैं। इनकी ओरिजिनल फोटोज के साथ छेड़छाड़ कर अश्लील बनाया जा रहा था और पोर्न बेवसाइट पर पोस्ट किया जा रहा था। कई नेत्रियों ने इस संबंध में शिकायत भी दर्ज करा दी है। महिला राजनेताओं की तस्वीरें रैलियों या टीवी इंटरव्यू के दौरान ली गई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पीएम मेलोनी की बहन आरियाना भी इस स्कैंडल का शिकार हुई हैं। उनकी तस्वीरें भी प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की गई हैं। उनके अलावा अभिनेत्री पाओला कोर्टेलेसी, सी एन्कोरा डोमानी और इन्फ्लुएंस शियारा फैराग्नी शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, फिका नाम के प्लेटफॉर्म पर पोस्ट महिला राजनेताओं की ये तस्वीरें उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स या पब्लिक सोर्स से ली गई थीं। बाद में इन्हें एडिट कर पोस्ट किया गया था। इस वेबसाइट के 7 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। आरोपियों ने महिलाओं की तस्वीरों के साथ अभद्र भाषा का भी इस्तेमाल किया था। फर्जी तस्वीरें पोस्ट करने को लेकर सबसे पहले शिकायत पीडी पार्टी की राजनेता वेलेरिया कैंपाग्ना थीं। एक फेसबुक पोस्ट में उन्होंने बताया कि वह इस घटना से निराश और नाराज हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि जब उन्हें पता चला कि बगैर इजाजत के फोटो पोस्ट किए गए हैं।

जापान के टोक्यो में भारतीय समुदाय के स्नेह से प्रधानमंत्री मोदी प्रभावित

कहा-यह यात्रा दोनों देशों के बीच सहयोग की नई संभावना को देगी आकार

टोक्यो (जापान), 29 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी जापान की दो दिवसीय यात्रा के तहत राजधानी टोक्यो पहुंच चुके हैं। टोक्यो में भारतीय समुदाय के सदस्यों ने उनसे मुलाकात की है। प्रधानमंत्री मोदी ने अब से कोई दो घंटे पहले इस मुलाकात के फोटो और विवरण को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, टोक्यो में भारतीय समुदाय के स्नेह ने मुझे बहुत प्रभावित किया। यह सचमुच प्रशंसनीय है कि कैसे वे जापानी समाज में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए हमारी सांस्कृतिक जड़ों को संरक्षित रखते हैं।अगले कुछ घंटों में मैं भारत और जापान के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से व्यापारिक नेताओं के साथ बातचीत करूंगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने जापान की राजधानी पहुंचने के बाद एक अन्य एक्स पोस्ट में लिखा, मैं टोक्यो पहुंच गया हूं। भारत और जापान विकास सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि यह यात्रा प्रधानमंत्री इशिबा और अन्य लोगों के साथ विचारों के आदान-प्रदान, हमारी मौजूदा साझेदारी को और मजबूत करने और सहयोग की नई संभावनाओं को तलाशने का अवसर प्रदान करेगी।

भारत रक्षा के क्षेत्र में जापान के साथ काम करेगा

प्रधानमंत्री मोदी ने जापान यात्रा शुरू करने से पहले योमिउरी शिंबुन समाचार पत्र को दिए लिखित साक्षात्कार में कहा कि भारत रक्षा के क्षेत्र में जापान के साथ और अधिक निकटता से काम करेगा। द जापान न्यूज के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सुरक्षा सहयोग पर जापान-भारत संयुक्त घोषणापत्र, जिसे उनकी यात्रा के दौरान संशोधित किया जाना है, आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और स्थिर हिंद-प्रशांत क्षेत्र को आकार देने की हमारी महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाएगा।

संयुक्त घोषणापत्र का संशोधित मसौदा (जिस पर मूल रूप से 2008 में हस्ताक्षर किए गए थे) आर्थिक सुरक्षा और रक्षा उद्योग में सहयोग जैसे नए क्षेत्रों को शामिल करता है। जापान और भारत ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा और मोदी के बीच होने वाली बैठक के दौरान संशोधित दस्तावेज के आदान-प्रदान करने की योजना बनाई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में सहयोग भारत और जापान के लिए एक मजबूत सफलता की कहानी रहा है। उन्होंने लिखा, रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी जापान का एक सिद्ध रिकॉर्ड है। राजनीतिक विश्वास और सहयोग के साथ हम न केवल अपने बल्कि दुनिया के लिए भी अगली पीढ़ी के रक्षा प्लेटफॉर्म डिजाइन और उत्पादन कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, भारत के पैमाने और क्षमताओं को जापान की उन्नत तकनीकों के साथ जोड़कर हम एक लचीली और विश्वसनीय सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला का निर्माण कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सहयोग भारत-जापान साझेदारी का एक प्रमुख स्तंभ बनेगा।

भारत हाई-स्पीड रेल परियोजना में अपनाएगा शिंकानसेन प्रणाली

साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में एक हाई-स्पीड रेल परियोजना का भी वर्णन किया। यह परियोजना जापान की शिंकानसेन प्रणाली को अपनाएगी। उन्होंने कहा कि यह रेल परियोजना वाणिज्यिक केंद्र मुंबई और औद्योगिक शहर अहमदाबाद को जोड़ेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमने बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है। वह है-देश में 7,000 किलोमीटर हाई-स्पीड रेल नेटवर्क उपलब्ध कराना। मैं इस प्रयास में जापानी कंपनियों की सक्रिय भागीदारी का स्वागत करता हूं।

चीन रवाना होने से पहले सेमीकंडक्टर कारखाने का निरीक्षण करेंगे

योमिउरी शिंबुन की खबर के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री मोदी 29 अगस्त की सुबह जापान पहुंचे। वे जापान के प्रधानमंत्री आवास पर प्रधानमंत्री इशिबा से मुलाकात करेंगे। दोनों नेता जापान और भारत के बीच सुरक्षा सहयोग और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने पर केंद्रित एक संयुक्त वक्तव्य जारी करेंगे। मई 2023 के बाद यह मोदी की पहली जापान यात्रा है। बैठक के बाद दोनों नेता समझौते के दस्तावेजों का आदान-प्रदान करने के लिए एक समारोह आयोजित करेंगे और एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे रात्रिभोज में अपनी चर्चा जारी रखेंगे। मोदी 30 अगस्त को अपने अगले गंतव्य चीन के लिए रवाना होने से पहले एक सेमीकंडक्टर निर्माण उपकरण कारखाने का निरीक्षण करेंगे।

यूएन सुरक्षा परिषद ने लेबनान शांति मिशन को 2026 तक बढ़ाया फिर शुरू होगा अंतिम वापसी चरण

संयुक्त राष्ट्र, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने लेबनान में लंबे समय से चल रहे शांति मिशन को अंतिम बार बढ़ाने का फैसला किया है। अब यह मिशन 31 दिसंबर 2026 तक जारी रहेगा, जिसके बाद एक साल के भीतर इसकी क्रमबद्ध और सुरक्षित वापसी शुरू होगी। सुरक्षा परिषद ने गुरुवार को फ्रांस द्वारा तैयार मसौदे को सर्वसम्मति से मंजूरी दी। प्रस्ताव में कहा गया है कि लेबनान सरकार के साथ परामर्श कर 2026 के अंत से एक साल के भीतर यूएन इंटरिम फोर्स इन लेबनान की वापसी की जाएगी, ताकि दक्षिणी लेबनान में सुरक्षा की जिम्मेदारी केवल लेबनान सरकार के हाथ में हो।

यूएन इंटरिम फोर्स इन लेबनान की स्थापना 1978 में हुई थी। यह मिशन दक्षिणी लेबनान और इजराइल की सीमा पर निगरानी करता है। 2006 में इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच युद्ध के बाद इसके अधिकार बढ़ाए गए थे, ताकि शांति सैनिक लेबनानी सेना के साथ मिलकर हथियारबंद समूहों को रोक सकें।

हालांकि, हिज्बुल्लाह के प्रभाव के कारण यह मिशन विवादों में रहा है। इजराइल के यूएन राजदूत डैनी डैनन ने कहा, दशकों तक यूनीफिल का विस्तार केवल भ्रम साबित हुआ है। इस मिशन ने हिज्बुल्लाह को खतरनाक क्षेत्रीय ताकत बनने दिया।

अमेरिका ने स्पष्ट कर दिया है कि यह यूनीफिल के लिए अंतिम विस्तार है। अमेरिकी कार्यवाहक राजदूत डोरोथी शीया ने कहा, लेबनान की सुरक्षा स्थिति में पिछले एक साल में बड़ा बदलाव आया है। अब समय है कि लेबनान अधिक जिम्मेदारी ले। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने प्रस्ताव का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह इजराइल से उन पांच इलाकों से सेना हटाने का आह्वान दोहराता है, जहां वह अब भी कब्जा किए हुए है।

भारत विरोधी जॉर्ज सोरोस पर राष्ट्रपति ट्रंप की टेढ़ी नजर, हो सकता है बड़ा एक्शन

वाशिंगटन। भारत विरोधी कहे जाने वाले जॉर्ज सोरोस की अब लंका लगने वाली है। भारत खिलाफ आग उगलने वाले सोरोस पर अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टेढ़ी नजर पड़ चुकी है। ट्रंप ने जॉर्ज सोरोस और उनके बेटे पर अमेरिका में हिंसक विरोध प्रदर्शनों का समर्थन करने का आरोप लगाया है। इतना ही नहीं, उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की मांग की है। ट्रंप ने कहा कि जॉर्ज सोरोस और उनके अद्भुत कट्टरपंथी वामपंथी बेटे एलेक्स पर हिंसक विरोध प्रदर्शनों और अन्य कई चीजों का समर्थन करने के कारण रिको का आरोप लगाया जाना चाहिए। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'जॉर्ज सोरोस और उनके अद्भुत कट्टरपंथी वामपंथी बेटे पर पूरे अमेरिका में हिंसक विरोध प्रदर्शनों और अन्य कई गतिविधियों का समर्थन करने के कारण रिको का आरोप लगाया जाना चाहिए। हम इन पागलों को अमेरिका को और बर्बाद करने की इजाजत नहीं देंगे। उसे 'सांस लेने और आजाद होने का जरा भी मौका नहीं देंगे। सोरोस और उनके मनोरोगियों के समूह ने हमारे देश को बहुत नुकसान पहुंचाया है। इसमें उनके पागल, पश्चिमी तट के दोस्त भी शामिल हैं। सावधान रहें, हम आप पर नजर रख रहे हैं! इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद!

अमेरिका से निर्वासित सात प्रवासी पहुंचे रवांडा, 250 लोगों तक ट्रांसफर की योजना

वाशिंगटन/नैरोबी, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

रवांडा ने इस महीने की शुरुआत में अमेरिका से निर्वासित सात प्रवासियों को स्वीकार किया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब हाल ही में दोनों देशों के बीच 250 प्रवासियों तक के ट्रांसफर के लिए समझौता हुआ था।

रवांडा सरकार की प्रवक्ता योलांडे माकोलो ने गुरुवार को जारी बयान में कहा, पहला समूह, जिसमें सात सत्यापित प्रवासी शामिल थे, अगस्त के मध्य में रवांडा पहुंचे। इनमें से तीन ने अपने मूल देश लौटने की इच्छा जताई है, जबकि चार लोग यहीं रहकर नई जिंदगी शुरू करना चाहते हैं। उनकी जरूरतों के अनुसार सभी को आवश्यक सहायता और सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

माकोलो ने बताया कि इन प्रवासियों को वर्कफोर्स ट्रेनिंग, स्वास्थ्य सेवाएं और आवास की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रवासियों के साथ एक अंतरराष्ट्रीय संगठन के प्रतिनिधि मौजूद थे और उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) और रवांडा की सामाजिक सेवाओं द्वारा सहायता प्रदान की जा रही है।

दरअसल, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से सख्त इमिग्रेशन नीति अपना रहे हैं। उनका लक्ष्य अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे लाखों प्रवासियों को देश से बाहर करना है। प्रशासन का कहना है कि थर्ड-कंट्री डिपोर्टेशन ऐसे प्रवासियों को तेजी से हटाने में मदद करता है, जिनमें आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग भी शामिल हो सकते हैं।

हालांकि, मानवाधिकार समूहों ने इस नीति की आलोचना की है। उनका कहना है कि यह कदम खतरनाक और अमानवीय है क्योंकि प्रवासियों को ऐसे देशों में भेजा जा सकता है जहां वे हिंसा, असुरक्षा, भाषा और सांस्कृतिक चुनौतियों का सामना कर सकते हैं।

अक्साई चिन पर हमला करने वाले से दोस्ती बढ़ा रहा भारतः पीटर नवारो

वाशिंगटन, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने भारत पर आरोप लगाते हुए कहा कि भारत जिस चीन के साथ दोस्ती बढ़ा रहा है। उसने ही उसके लद्दाख वाले अक्साई चिन के इलाके पर हमला किया था। मालूम हो कि यह पहला मौका नहीं है कि पीटर नवारो ने भारत के खिलाफ यूं जहर उगला है। पूर्व में वो भारत को टैरिफ का महाराज कह चुके हैं। बीते 27 अगस्त को अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने इस बात के संकेत दिए थे कि अंत में भारत और अमेरिका एक साथ आएंगे। समस्या का हल निकलेगा।

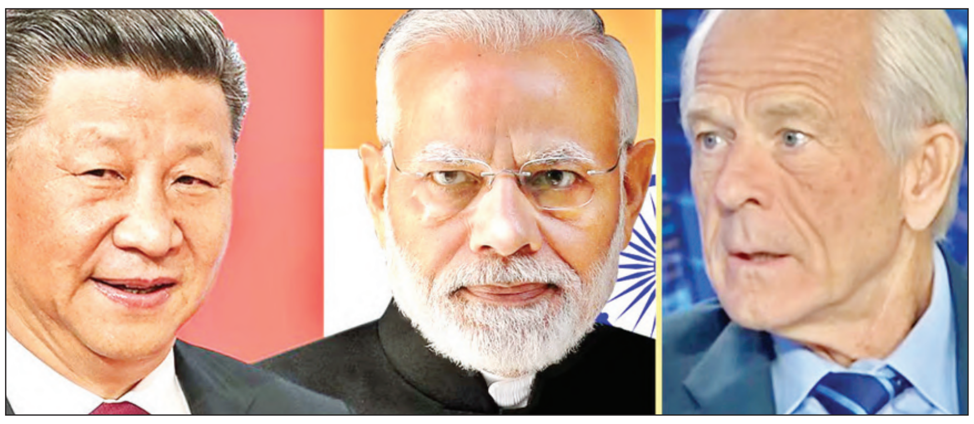

साक्षात्कार में नवारो ने यह बातें कहीं। लेकिन वो केवल अक्साई चिन तक ही नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा कि भारत जो कि एक लोकतांत्रिक देश है। वो तानाशाही वाले देशों जैसे चीन और रूस के साथ अपने संबंधों को मजबूत बनाने में लगा हुआ है। चीन के साथ भारत का दशकों पुराना संघर्ष जारी है। उसने आपके कई इलाकों पर हमला किया था। जिसमें अक्साई चिन को हड़पना भी शामिल है। वो (चीन) आपका (भारत) का दोस्त नहीं है। रूस को लेकर नवारो ने कहा कि रूस की जहां तक बात है तो मैं क्या ही कहूं

नवारो ने ये भी कहा कि भारत के पास अमेरिका द्वारा लगाए गए 25 फीसदी दंडात्मक टैरिफ से छूट पाने का एक रास्ता मौजूद है। अगर वह रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद कर दे और यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देना बंद दे तो कल ही उसे 25 फीसदी टैरिफ से निजात यानी छूट मिल सकती है। भारत के बारे में एक बात अमेरिका को बेहद परेशान कर रही है। वो यह है कि वो लगातार अहंकार के साथ कह रहे हैं कि यह हमारी संप्रभुता है कि हम जिससे चाहें उससे तेल की खरीद कर सकते हैं। जो कि ठीक नहीं है। ट्रंप के व्यापार सलाहकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक महान और परिपक्व देश का नेता बताया। साथ ही कहा कि मैं हैरान हूं कि इसके बाद भी ये सब कुछ हो रहा है।

सरकारी सूत्रों ने कहा कि भारत, अमेरिका के बीच बनी हुई वर्तमान परिस्थिति अस्थायी है। बावजूद इसके कि दोनों देशों के बीच एक दीर्घकालिक संबंध हैं। निर्यातकों को टैरिफ के प्रभावों को लेकर बहुत अधिक चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। क्योंकि इनका प्रभाव बहुत ज्यादा नहीं पड़ने वाला है। क्योंकि भारत के पास विविधतापूर्ण निर्यात आधार मौजूद है। वहीं, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर अगले दौर की वार्ता के लिए दोनों देशों के बीच अभी तारीखें तय नहीं हुई हैं। जिसके पीछे 50 फीसदी टैरिफ ही जिम्मेदार है। इस मुद्दे के बीच अमेरिकी के साथ बीटीए की बातचीत को आधिकारिक तौर पर किया जाना उचित नहीं है। दोनों देशों के बीच बीते मार्च महीने से व्यापार समझौते पर चर्चा चल रही है। जिसके पांच दौर हो चुके हैं। छठे के लिए 25 अगस्त को अमेरिकी दल को भारत आना था। लेकिन यह बैठक फिलहाल आगे के लिए टल गई है।

चैंपियंस लीग ड्रॉ : पीएसजी का सामना बायर्न, बार्सिलोना से रियल मैड्रिड के सामने होंगे मैनचेस्टर सिटी और लिवरपूल

पेरिस,29 अगस्त (एजेंसियां)।

मौजूदा चैंपियंस लीग विजेता पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को इस बार लीग चरण में बायर्न म्यूनिख और बार्सिलोना जैसी दिग्गज टीमों से भिड़ना होगा। वहीं रिकॉर्ड 15 बार की विजेता रियल मैड्रिड का सामना मैनचेस्टर सिटी और लिवरपूल से होगा। गुरुवार को हुए ड्रॉ ने इस सीजन को रोमांचक मुकाबलों से भर दिया है।

नए फॉर्मेट के तहत हर टीम को 8 मैच (4 घरेलू और 4 बाहर) खेलने होंगे। पीएसजी को टॉटेनहम हॉटस्पर, न्यूकैसल यूनाइटेड, अटलांटा और बायर लेवरकुज़ेन से भी भिड़ना है।

रियल मैड्रिड लगातार पांचवें सीजन में मैनचेस्टर सिटी से भिड़ेगा और लिवरपूल के खिलाफ एन्फील्ड की वापसी करेगा, जहां से ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड इस सीजन की शुरुआत में रियल में शामिल हुए थे। रियल का मुकाबला जुवेंटस और पहली बार क्वालिफाई करने वाली कज़ाखस्तान की टीम कैराट अल्माटी से भी होगा।

लिवरपूल, जिसने पिछले सीजन लीग चरण में शीर्ष स्थान हासिल किया था, इस बार इंटर मिलान, एटलेटिको मैड्रिड और आइंट्राख्ट फ्रैंकफर्ट से खेलेगा। वहीं बायर्न म्यूनिख को चेल्सी, आर्सेनल और क्लब ब्रुग का सामना करना होगा। मैनचेस्टर सिटी के सामने डॉर्टमुंड, लेवरकुज़ेन, नेपोली, रियल मैड्रिड और विलारियल जैसी टीमें होंगी। इंटर मिलान, जो पिछले सीजन उपविजेता रही थी, इस बार लिवरपूल, आर्सेनल, डॉर्टमुंड और एटलेटिको मैड्रिड से खेलेगी। बार्सिलोना, जो पिछले साल सेमीफाइनल तक पहुंची थी, पीएसजी की मेजबानी करेगी और बाहर जाकर चेल्सी व न्यूकैसल से खेलेगी। आर्सेनल का भी मुकाबला बायर्न से होगा, जिसके खिलाफ वह पिछले पांच मैचों में जीत हासिल नहीं कर पाया है। प्रीमियर लीग की इस बार 6 टीमें शामिल हैं – लिवरपूल, आर्सेनल, मैन सिटी, चेल्सी, न्यूकैसल और टॉटेनहम। स्पर्स का मुकाबला डॉर्टमुंड, विलारियल और पीएसजी से होगा जबकि नेपोली को चेल्सी, सिटी, फ्रैंकफर्ट और बेन्फिका का सामना करना होगा। न्यूकैसल की वापसी कठिन होगी क्योंकि उसे बार्सिलोना, पीएसजी, बेनफिका और लेवरकुज़ेन जैसी टीमों से भिड़ना है। लीग चरण 16 सितंबर से 28 जनवरी तक खेला जाएगा जबकि नॉकआउट चरण फरवरी में शुरू होगा।

न्यूज़ ब्रीफ

एशियाई चैंपियनशिप में महिला टीम ने जीता रजत, मानिनी कौशिक को 50 मीटर राइफल प्रोन में कांस्य

नई दिल्ली। युवा भारतीय निशानेबाज मानिनी कौशिक ने शुक्रवार को कजाकिस्तान के श्यामकेंट में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में टीम को रजत पदक दिलाने के बाद महिलाओं की 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपना पहला व्यक्तिगत अंतरराष्ट्रीय पदक जीता। जयपुर की 24 वर्षीय निशानेबाज मानिनी कौशिक, जो 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में भी प्रतिस्पर्धा करती हैं, ने 617.8 अंक के साथ व्यक्तिगत कांस्य पदक जीता। दक्षिण कोरियाई जोड़ी हाना इम (620.2) और यूनसियो ली (620.2) ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीता। मानिनी प्रतियोगिता में पाँचवें स्थान पर रहीं, लेकिन चूँकि उनसे आगे की दो निशानेबाज़ – दक्षिण कोरिया की येलिन चोई (620.1) और भारत की सिफ्ट कौर समरा (617.9) – केवल रैंकिंग पॉइंट्स (आरपीओ) श्रेणी में प्रतिस्पर्धा कर रही थीं, इसलिए जयपुर की इस निशानेबाज़ ने कांस्य पदक जीता। आरपीओ निशानेबाज़ केवल अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं, पदकों के लिए नहीं। मानिनी ने 10-10 शॉट्स की छह सीरीज़ में क्रमशः 104.0, 103.8, 101.2, 103.3, 103.2, 102.3 अंक हासिल किए। उन्होंने 50 मीटर राइफल प्रोन, जो एक गैर-ओलंपिक स्पर्धा है, में टीम स्पर्धा में भारत को रजत पदक दिलाने में भी मदद की।

बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिपः ध्रुव-तनिषा भारत के लिए पहला मिश्रित युगल पदक जीतने से चूके

नई दिल्ली। ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में ऐतिहासिक मिश्रित युगल पदक जीतने की कोशिश शुक्रवार को पेरिस में क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गई। इस स्पर्धा में देश के लिए पहला पदक जीतने की कोशिश में जुटी भारतीय जोड़ी को मलेशिया की दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी चेन तांग जी और तोह ई वेई से 37 मिनट में 15-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा। मलेशियाई जोड़ी ने सेमीफाइनल में जगह बनाते हुए कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया। ध्रुव और तनिषा ने विश्व की 5वें नंबर की जोड़ी हांगकांग की तांग चुन मान और त्से यिंग सुएट को 19-21, 21-12, 21-15 से हराकर अंतिम-8 के मुकाबले में प्रवेश किया था। हालांकि, विश्व की 17वें नंबर की भारतीय जोड़ी, मलेशिया की दबदबे वाली जोड़ी के खिलाफ वही प्रदर्शन नहीं दोहरा सकी। बाद में पीवी सिंधु का सामना महिला एकल में इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वर्दानी से होगा, जबकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक से भिड़ेगी।

साल 2018 में शमी को संन्यास लेने से शास्त्री ने रोका था : अरुण

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व गेंदबाजी कोच भरत अरुण ने कहा है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी

साल 2018 में ही खेल से संन्यास लेने ज रहे थे पर तब कोच रहे रवि शास्त्री ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया। अरुण ने कहा कि जब साल 2018 में शमी अपनी निजी जिंदगी में परेशानी का सामना कर रहे थे। तभी वह फिटनेस टेस्ट में भी फेल हो गए थे। अपनी खराब फिटनेस को देखते हुए वह एक दिन वह मेरे पास आये और उन्होंने कहा कि मैं क्रिकेट छोड़ना चाहता हूं। अरुण ने कहा कहा, तब शास्त्री ने उनसे बात की और कहा, 'आपको किसी भी तरह की सहायता की जरूरत हो तो पूछिए।' साल 2018 में इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले, हमारा अफगानिस्तान के खिलाफ मैच था। शमी उसी के फिटनेस टेस्ट में फेल हो गए और उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। वह बहुत निराश थे। उनकी निजी जिंदगी में भी दिक्कतें थीं। इसलिए वह मेरे कमरे में आए और खेल छोड़ने की बात ही। तब मैंने उनसे पूछा, क्रिकेट छोड़ने के बाद आप क्या करेंगे आप जो कुछ भी हैं और जो कुछ भी हासिल किया है, वह क्रिकेट की वजह से है। उसी समय मैं उन्हें शास्त्री के पास ले गया। तब उन्होंने कहा, अगर आप गुस्से में हैं तो गेंद के साथ अपना गुस्सा दिखाइए। वहीं फिटनेस ठीक करने के लिए उसे एनसीए भेजा और सिर्फ यही निर्देश दिया गया कि उसे शारीरिक रूप से मेहनत करनी है, गेंदबाजी नहीं। एनसीए भेजने के तीन सप्ताह बाद, उसने मुझे फ़ोन किया और कहा ' मैं अब तेजी से भाग रहा हूं।

मेजर ध्यानचंद की जयंती पर हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर की भविष्योन्मुखी प्रशासनिक सुधारों की शुरुआत

नई दिल्ली,29 अगस्त (एजेंसियां)।

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर मनाए जाने वाले राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शुक्रवार को हॉकी इंडिया ने भारतीय हॉकी को नई दिशा देने के लिए बड़े प्रशासनिक सुधारों की शुरुआत की। हॉकी इंडिया ने इस ऐतिहासिक दिन को चिह्नित करते हुए हर स्तर पर खेल में अधिक पारदर्शिता, पहुंच और व्यावसायिकता लाने के लिए डिज़ाइन किए गए भविष्यवादी, एथलीट-केंद्रित ई-सुधारों की एक श्रृंखला पर प्रकाश डालते हुए सुशासन और भारतीय हॉकी के विकास के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

प्रमुख पहलों में खिलाड़ियों के लिए डिजिटल पहचान पत्र जारी करना, पंजीकरण और सत्यापन प्रक्रियाओं को सरल बनाना और साथ ही घरेलू सर्किट में पारदर्शिता और पता लगाने की क्षमता सुनिश्चित करना शामिल है। ये पहचान पत्र हॉकी इंडिया के मेम्बर युनिट्स पोर्टल से सीधे डाउनलोड किए जा सकते हैं, जिससे खिलाड़ियों को आसानी से पहुंच मिलती है और कागजी कार्रवाई कम होती है, जो सुव्यवस्थित पहचान के आधार मॉडल की तरह है।

प्रशासन को और अधिक सुव्यवस्थित बनाने के लिए, हॉकी इंडिया ने डिजिलॉकर को पूरी तरह से एकीकृत कर दिया है, जिससे खिलाड़ियों को हॉकी इंडिया राष्ट्रीय चैंपियनशिप के अपने सभी प्रमाणपत्र प्राप्त करने में मदद मिलेगी—जिनमें पिछले पांच वर्षों के प्रमाणपत्र भी शामिल हैं। इस कदम से न केवल रिकॉर्ड रखना आसान हो गया है, बल्कि खिलाड़ियों को कॉलेज में दाखिले, नौकरी के आवेदन और अन्य सत्यापन संबंधी ज़रूरतों में भी मदद मिली है। इसके साथ ही, डिजिलॉकर इंटीग्रेशन के माध्यम से खिलाड़ी पिछले पांच वर्षों के राष्ट्रीय चैंपियनशिप प्रमाणपत्र ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे। इससे कॉलेज एडमिशन, नौकरी और अन्य वेरिफिकेशन में आसानी होगी।

हॉकी इंडिया ने एथलीट मैनेजमेंट सिस्टम भी लॉन्च किया है, जिसमें खिलाड़ियों का परफॉर्मेंस ट्रैकिंग, टूर्नामेंट डेटा, ट्रेनिंग शेड्यूल और चोट/रिकवरी मॉनिटरिंग जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इसमें वियरेबल टेक्नोलॉजी के जरिए नींद, तनाव और रिकवरी लेवल का आकलन किया जाएगा। वरिष्ठ पुरुष और महिला कोर खिलाड़ी पहले से ही विशेष वॉच-बैंड पहनते हैं, जिससे उनकी फिटनेस और आराम का आंकलन होता है।

इस अवसर पर डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, नेशनल चैंपियनशिप के दौरान खिलाड़ियों की मूवमेंट मॉनिटरिंग से जुड़ी कुछ चुनौतियां सामने आई थीं। डिजिटल आईडी और डिजिलॉकर इंटीग्रेशन से इन समस्याओं का समाधान हुआ है। यह कदम हमारी पारदर्शिता और एथलीट-फर्स्ट नीति को मजबूत करता है।

हॉकी इंडिया ने घोषणा की कि वर्तमान में बेरोज़गार राष्ट्रीय खिलाड़ियों को 2 लाख की आर्थिक सहायता दी जाएगी। महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, यह पहल खिलाड़ियों को आर्थिक सुरक्षा देने के साथ यह संदेश भी देती है कि हॉकी इंडिया हमेशा उनके साथ खड़ा है।

संगठन ने हाल ही में पारित राष्ट्रीय खेल गवर्नेंस अधिनियम 2025 का स्वागत किया है, जिसे खेल प्रशासन में पारदर्शिता, निष्पक्ष चुनाव, लैंगिक समानता, एथलीट प्रतिनिधित्व और एंटी-डोपिंग जैसी व्यवस्थाओं के लिए एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

इससे पहले सुबह बिहार के राजगीर में जारी हीरो एशिया कप 2025 के उद्घाटन मुकाबले (मलेशिया बनाम बांग्लादेश) से पहले आयोजित कार्यक्रम में एशियाई हॉकी महासंघ के अध्यक्ष फुमियो ओगुरा, बीएसएसए के डीजी-कम-सीईओ रवीन्द्रन शंकरण (आईपीएस), पटना ज़ोन के आईजी जितेंद्र राणा (आईपीएस), हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप कुमार तिर्की, महासचिव भोला नाथ सिंह, कोषाध्यक्ष शेखर जे मनोहरन और निदेशक जनरल कमांडर आर.के. श्रीवास्तव ने मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर देशभर के लगभग 500 जिलों में विशेष कार्यक्रम, हॉकी गतिविधियां और जमीनी स्तर की पहलें आयोजित की गईं।

राजगीर में अब से थोड़ी देर बाद होगा पुरुष एशिया हॉकी कप-2025 का आगाज,शीर्ष आठ टीमें ले रहीं भाग

पटना,29 अगस्त (एजेंसियां)।

बिहार की ऐतिहासिक धरती राजगीर में 29 अगस्त यानी शुक्रवार से पुरुष एशिया हॉकी कप 2025 की शुरुआत हो रही है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का शुभारम्भ हॉकी के महानायक मेजर ध्यानचंद की जयंती पर आयोजित हो रहा है, जिसे %राष्ट्रीय खेल दिवस% के रूप में मनाया जाता है। टूर्नामेंट का समापन 7 सितंबर को होगा।

एशिया की शीर्ष आठ टीमें ले रही भाग

यह एशिया कप का 12वां संस्करण है, जिसमें एशिया की शीर्ष आठ टीमें भारत, जापान, चीन, कज़ाकिस्तान, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपे भाग ले रही हैं। सभी 8 टीमें पहले ही राजगीर पहुंच चुकी हैं। सुरक्षा और आवास की पुख्ता व्यवस्था की गई है। मेज़बान भारतीय टीम के खिलाड़ी राजगीर स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में ठहरे हैं।

राजगीर में पहली बार आयोजित हो रहा यह टूर्नामेंट इसलिए भी खास है, क्योंकि यह 2026 अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफायर के रूप में कार्य करेगा। ऐसे में हर मुकाबला बेहद निर्णायक और रोमांचक रहने की उम्मीद है।

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक-सह-सीईओ रवींद्रन शंकरन ने बताया कि यह पहली बार है जब पुरुष एशिया हॉकी कप बिहार के राजगीर में हो रहा है। कुल आठ टीमें इसमें हिस्सा ले रही हैं।

अब तक हुए 11 संस्करणों में दक्षिण कोरिया सबसे सफल टीम रही है, जिसने 1994, 1999, 2009, 2013 और 2022 में कुल 5 बार खिताब अपने नाम किया है। इस बार का मेज़बान भारत ने 2003, 2007 और 2017 में यह खिताब जीता है, जबकि पाकिस्तान 1982, 1985 और 1989 में यानी तीन बार विजेता रहा है। हॉकी इंडिया ने दर्शकों के लिए एक विशेष घोषणा की है। वह यह कि राजगीर में होने वाले सभी मैचों में प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक हॉकी प्रेमियों को स्टेडियम तक लाना और खेल को जन-जन तक पहुंचाना है।

बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग

पेरिस। भारत की पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता और विश्व नंबर-6 जोड़ी लियांग वेई कंग तथा वांग चांग को 19-21, 21-15, 21-17 से हराकर बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। निर्णायक गेम में सात्विक-चिराग 15-17 से पिछड़ रहे थे, लेकिन इसके बाद लगातार छह अंक हासिल कर मुकाबला अपने नाम किया। यह इस चीनी जोड़ी के खिलाफ नौ मुकाबलों में केवल तीसरी जीत है। अब भारतीय जोड़ी का सामना क्वार्टर फाइनल में विश्व नंबर-2 मलेशियाई जोड़ी आरोन चिया और सोह वू यिक से होगा। इससे पहले, गुरुवार को पी.वी. सिंधु और मिश्रित युगल की जोड़ी तनीषा क्रास्टो व ध्रुव कपिला ने भी क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

नीरज चोपड़ा का जलवा बरकरार, 2021 से हर प्रतियोगिता में टॉप-2 में किया फिनिश

नई दिल्ली,29 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर अपनी निरंतरता का लोहा मनवाया। गुरुवार को ज्यूरिख में खेले गए डायमंड लीग फाइनल 2025 में उन्होंने 85.01 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर दूसरा स्थान हासिल किया। इस तरह नीरज ने 2021 से अब तक खेले गए हर इवेंट में टॉप-2 में फिनिश करने का सिलसिला कायम रखा है। जर्मनी के जूलियन वेबर ने 91.51 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ खिताब जीता। यह नीरज का लगातार 26वां टूर्नामेंट है, जिसमें उन्होंने पहले या दूसरे स्थान पर फिनिश किया है। यह सिलसिला जून 2021 में फिनलैंड के कूर्टाने क्लासिक के बाद से चला आ रहा है, जहां वह तीसरे स्थान पर रहे थे।

नीरज चोपड़ा की टॉप-2 उपलब्धियां (2021-2025)

2025
- ज्यूरिख डायमंड लीग (स्विट्ज़रलैंड) – दूसरा स्थान
- नीरज चोपड़ा क्लासिक, बेंगलुरु (भारत) – पहला स्थान
- ओस्ट्रावा डीएल (चेक गणराज्य) – पहला स्थान
- पेरिस डीएल (फ्रांस) – पहला स्थान
- जानुज़ कुसोचिंस्की मेमोरियल, चोरज़ॉ (पोलैंड) – दूसरा स्थान
- दोहा डीएल (कतर) – दूसरा स्थान
- पोट्च इनविटेशनल मीट, पोटचेफस्ट्रूम (दक्षिण अफ्रीका) – पहला स्थान

2024
- ब्रसेल्स डीएल (बेल्जियम) – दूसरा स्थान
- लॉज़ान डीएल (स्विट्ज़रलैंड) – दूसरा स्थान
- पेरिस ओलंपिक (क्वालिफ़ायर) – पहला स्थान
- पेरिस ओलंपिक (फ़ाइनल) – दूसरा स्थान
- पावो नूरमी गेम्स (फिनलैंड) – पहला स्थान
- फेडरेशन कप, भुवनेश्वर (भारत) – पहला स्थान
- दोहा डीएल (कतर) – दूसरा स्थान

2023
- एशियाई खेल, हांगझोउ (चीन) – पहला स्थान
- प्रीफोंटेन क्लासिक (अमेरिका) – दूसरा स्थान
- ज्यूरिख डीएल (स्विट्ज़रलैंड) – दूसरा स्थान
- विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप (क्वालिफ़ायर), बुडापेस्ट (हंगरी) – पहला स्थान
- विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप (फ़ाइनल), बुडापेस्ट (हंगरी) – पहला स्थान
- लॉज़ान डीएल (स्विट्ज़रलैंड) – पहला स्थान
- दोहा डीएल (कतर) – पहला स्थान

2022
- ज्यूरिख क्लासिक (स्विट्ज़रलैंड) – पहला स्थान
- लॉज़ान डीएल (स्विट्ज़रलैंड) – पहला स्थान
- विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप (क्वालिफ़ायर), ओरेगन (अमेरिका) – पहला स्थान।

खेल मंत्री मंडाविया ने जेएलएन स्टेडियम में किया भारत के पहले मोंडो ट्रैक का उद्घाटन

नई दिल्ली,29 अगस्त (एजेंसियां)।

खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने शुक्रवार को नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में भारत के पहले मोंडो ट्रैक का उद्घाटन किया। यहीं पर 26 सितंबर से 5 अक्टूबर तक विश्व पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप होगी। इसी के साथ भारत ओलंपिक सहित प्रमुख वैश्विक एथलेटिक्स आयोजनों में उपयोग किए जाने वाले ट्रैक सतह को स्थापित करने वाला विश्व का 25वां देश बन गया।

उद्घाटन समारोह में विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य विजेता पूर्व लम्बी कूद खिलाड़ी अंजू बॉबी जॉर्ज, दो बार के पैरालंपिक चैंपियन और भारतीय पैरालंपिक समिति के प्रमुख देवेंद्र झाझरिया, तथा भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल, धावक प्रीति पाल और सिमरन शर्मा जैसे कई पैरालंपिक पदक विजेता उपस्थित थे। यह ट्रैक दो-परत वाले वल्केनाइज्ड रबर से बना है, जो एथलीटों के प्रदर्शन को बढ़ाता है और चोट के जोखिम को कम करता है।

मंडाविया ने कहा कि यह सुविधा भारतीय खेलों के लिए नए क्षितिज खोलेगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, यह देश के लिए एक महान क्षण है और हम सभी को गर्व है कि भारत के पास अब अपना मोंडो ट्रैक है। आने वाले महीनों में यह अपनी पहली प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा और भारत अब राष्ट्रमंडल खेल 2030 और ओलंपिक 2036 के लिए औपचारिक रूप से बोली लगाएगा और उम्मीद है कि उसे मंजूरी मिल जाएगी। मंत्री ने भारतीय खेलों के लिए सरकार के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को दोहराया। उन्होंने प्रतिभाओं को निखारने और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के रोडमैप पर प्रकाश डालते हुए कहा, हमारा लक्ष्य 2047 तक भारत को खेलों का महाशक्ति बनाना है।

पुजारा ने बताया, कैसे अचानक उनके मन में संन्यास की बात आयी

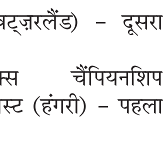

नई दिल्ली। हाल ही में क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास लेने वाले भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने अब अपने संन्यास लेने की बात दिमाग में आने के पीछे के कारण बनाये हैं। पुजारा पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे थे। उन्होंने साल 2023 में भारतीय टीम की ओर से अंतिम टेस्ट खेला था। उनका कहना है कि जब वह इंग्लैंड में भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के दौरान कमेंट्री कर रहे थे तब उनका संन्यास का कोई इरादा नहीं था। पुजारा ने कहा, जब मैं इंग्लैंड से वापसी के बाद रणजी ट्रॉफी की तैयारी शुरू करने वाला था, तो मैंने अपने परिवार, अपने दोस्तों और अपने कुछ साथियों से बात की। मैं जानना चाहता था कि इस सत्र में मेरे खेलने के बारे में उनकी क्या राय है मुझे पता था कि अगर मैं एक और सीजन खेलता हूं, तो मैं टीम में अपनी जगह बनाए रखूंगा और मैं ऐसा नहीं करना चाहता था। मुझे पूरा भरोसा नहीं था कि मैं पूरे सत्र को खेलूंगा। साथ ही लगा कि अब समय आ गया है कि अगली पीढ़ी को कमान सौंपी जाए। उन्होंने कहा, इसलिए मैंने सोचा कि मेरे लिए आगे बढ़ने और सौराष्ट्र टीम का हिस्सा बन सकने वाले युवा खिलाड़ियों को अवसर देने का यह सबसे अच्छा समय है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की एजीएम में जियो आईपीओ पर हो सकता है बड़ा ऐलान

रिलायंस इंडस्ट्रीज की 48वीं वार्षिक आम बैठक शुक्रवार दोपहर 2 बजे

मुंबई,29 अगस्त (एजेंसियां)। देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) शुक्रवार को अपनी 48वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) आयोजित कर रही है। दोपहर 2 बजे होने वाली इस वर्चुअल बैठक पर देश-विदेश के निवेशकों और विश्लेषकों की पैनी नजर बनी हुई है। इस बैठक में जियो और रिटेल बिजनेस के आईपीओ की संभावित घोषणा को लेकर उत्सुकता है। साथ ही ग्रीन एनर्जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उत्तराधिकार योजना पर भी अपडेट मिलने की संभावना है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार जियो अब परिपक्वता की स्थिति में है और उसकी स्थिर कैश फ्लो स्थिति आईपीओ के लिए उपयुक्त माहौल बना रही है। वहीं, रिलायंस की ग्रीन एनर्जी योजनाओं जैसे ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी निर्माण और इलेक्ट्रोलाइज़र प्रोजेक्ट्स को लेकर भी विस्तार से जानकारी दी जा सकती है। एजीएम में मुकेश अंबानी द्वारा जियो ब्रेन एआई प्लेटफॉर्म, रिटेल विस्तार और कंपनी की दीर्घकालिक रणनीति पर भी प्रकाश डाला जा सकता है। कंपनी पहले ही वित्त वर्ष 25 के लिए 5.50 प्रति शेयर का डिविडेंड घोषित कर चुकी है, जिसकी रिकॉर्ड डेट 14 अगस्त थी। रिलायंस के शेयर इस बैठक से पहले हल्की तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। पिछले वर्षों की एजीएम में निवेशकों को ज्यादा बड़ी घोषणाएं नहीं मिली थीं, लेकिन इस बार बाजार में एक सकारात्मक सरप्राइज की उम्मीद जताई जा रही है। एजीएम में लिए गए निर्णयों का सीधा असर शेयर बाजार की चाल और निवेशकों की रणनीति पर पड़ेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आज लोकसभा चुनाव...

यह सर्वे 1 जुलाई 2025 से 14 अगस्त 2025 के बीच किया गया। 2 लाख 6 हजार 826 लोगों से रायशुमारी की गई। इसमें हर जाति, धर्म, मजहब के लोग शामिल हैं। इन आंकड़ों में मोटे तौर पर 3 प्रतिशत का मार्जिन एरर होने की बात कही गई है। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि 11 साल से लगातार सत्ता में बने रहने के बावजूद देश के आम लोगों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की साख बरकरार है। लोग उनकी सरकार के कामकाज से संतुष्ट हैं। साथ ही विपक्षी प्रोपेगेंडा के झांसे में लोग नहीं आ रहे हैं।

उधर, दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में भी भाजपा का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। भारत की सियासत में तमिलनाडु हमेशा से एक अलग पहचान रखता है। यहां की राजनीति में क्षेत्रीय दल जैसे डीएमके और एआईएडीएमके का दबदबा रहा है। लेकिन हाल ही में इंडिया टुडे-सी वोटर के मूड ऑफ द नेशन सर्वे ने कुछ चौंकाने वाले आंकड़े सामने रखे हैं। अगर आज लोकसभा चुनाव हों, तो तमिलनाडु में भाजपा की वोट हिस्सेदारी में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। हालांकि, सीटों के मामले में डीएमके-कांग्रेस गठबंधन अभी भी मजबूत स्थिति में है।सर्वे में तमिलनाडु सहित देश के सभी लोकसभा क्षेत्रों में 54,788 लोगों से बात की गई। इसके अलावा, सी वोटर के नियमित ट्रैकर डेटा से 1,52,038 और साक्षात्कारों का विश्लेषण किया गया। यह सर्वे देश के सियासी मूड को समझने का एक भरोसेमंद तरीका माना जाता है। सर्वे के मुताबिक, अगर आज लोकसभा चुनाव हों, तो भाजपा की वोट हिस्सेदारी 2024 के 18 प्रतिशत से बढ़कर 37 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि तमिलनाडु में भाजपा का प्रभाव हमेशा कम रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को कोई सीट नहीं मिली थी, लेकिन इस बार सर्वे में उसे 3 सीटें जीतने की संभावना दिख रही है। यह बढ़त भाजपा के लिए एक उम्मीद की किरण है, खासकर तब जब वह हाल ही में एआईएडीएमके के साथ फिर से गठबंधन कर चुकी है।

हालांकि भाजपा की वोट हिस्सेदारी बढ़ रही है, लेकिन डीएमके-कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडी गठबंधन अभी भी तमिलनाडु में बादशाहत कायम रखे हुए है। सर्वे के अनुसार, इंडी गठबंधन को 48 प्रतिशत वोट मिल सकते हैं, जो 2024 के 47 प्रतिशत से थोड़ा ज्यादा है। सीटों की बात करें तो गठबंधन 39 में से 36 सीटें जीत सकता है। तमिलनाडु की सियासत में एक नया मोड़ सुपरस्टार विजय की पार्टी तमिलगा वेट्रई कड़गम (टीवीके) ला रही है। सर्वे बताता है कि विजय की पार्टी डीएमके विरोधी वोटों को बांट सकती है, जिसका फायदा परोक्ष रूप से डीएमके को मिल सकता है। टीवीके का असर खासकर एआईएडीएमके के वोट बैंक पर पड़ सकता है, जो पहले से ही कमजोर हो रहा है। सर्वे में एआईएडीएमके की वोट हिस्सेदारी 2024 के 23 प्रतिशत से घटकर 20 प्रतिशत होने का अनुमान है। भाजपा की आक्रामक रणनीति और एन मंडल अभियान ने पार्टी की दृश्यता बढ़ाई है। लेकिन, विशेषज्ञों का कहना है कि भाजपा को तमिलनाडु में बड़ी सफलता के लिए एआईएडीएमके और टीवीके जैसे दलों के साथ बड़ा गठबंधन बनाना होगा। साथ ही, डीएमके के खिलाफ जनता में मौजूद नाराजगी को भुनाने की जरूरत है, जिसमें भ्रष्टाचार और कुशासन के आरोप शामिल हैं।

भारत–जापान...

भी होने की संभावना है।जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा से वार्ता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दुनिया की चुनौतियों से निपटने के लिए हमें एक-दूसरे की ताकत का लाभ उठाने की जरूरत है। वहीं जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने कहा कि छह साल पहले अगस्त में मुझे वाराणसी आने का सौभाग्य मिला था। मैं अनादि काल के भारतीय इतिहास को देखकर अभिभूत था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान के पूर्व प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा और फुमियो किशिदा से भी मुलाकात की। जापान की प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष फुकुशिरो नुकागा से भी प्रधानमंत्री मोदी ने मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत और जापान में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। हमारा मानना है कि जापानी तकनीक और भारतीय प्रतिभा एक विजयी जोड़ी है। जहां हम हाई-स्पीड रेल पर काम कर रहे हैं। वहीं अगली पीढ़ी की मोबिलिटी साझेदारी के तहत हम बंदरगाहों, विमानन और जहाज निर्माण जैसे क्षेत्रों में भी तेजी से प्रगति करेंगे। चंद्रयान 5 मिशन में सहयोग के लिए हम इसरो और जाक्सा के बीच हुए समझौते का स्वागत करते हैं। हमारा सक्रिय सहयोग पृथ्वी की सीमाओं को पार करेगा और अंतरिक्ष में मानवता की प्रगति का प्रतीक बनेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ऊर्जा के लिए हमारा संयुक्त ऋण तंत्र एक बड़ी जीत है। यह दर्शाता है कि हमारी हरित साझेदारी हमारी आर्थिक साझेदारी जितनी ही मजबूत है। इस दिशा में हम टिकाऊ ईंधन पहल और बैटरी आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी की भी शुरुआत कर रहे हैं। हम आर्थिक सुरक्षा सहयोग पहल शुरू कर रहे हैं। हम व्यापक दृष्टिकोण के साथ महत्वपूर्ण और रणनीतिक क्षेत्रों में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सहयोग हम दोनों के लिए प्राथमिकता है। इस संबंध में डिजिटल साझेदारी 2.0 और एआई सहयोग पहल पर काम किया जा रहा है। सेमीकंडक्टर और दुर्लभ मृदा खनिज हमारे एजेंडे में सबसे ऊपर होंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हमने अगले 10 वर्षों में जापान से भारत में 10 ट्रिलियन येन के निवेश का लक्ष्य रखा है। भारत और जापान के लघु एवं मध्यम उद्यमों और स्टार्टअप्स को जोड़ने पर विशेष जोर दिया जाएगा। भारत-जापान व्यापार मंच में भी मैंने जापानी कंपनियों से कहा था कि भारत में बनाओ, दुनिया के लिए बनाओ। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज हमारी चर्चा उपयोगी और उद्देश्यपूर्ण रही। हम इस बात पर सहमत हैं कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और जीवंत लोकतंत्रों के रूप में हमारी साझेदारी न केवल दोनों देशों के लिए बल्कि वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए भी जरूरी है। मजबूत लोकतंत्र एक बेहतर दुनिया के निर्माण में स्वाभाविक साझेदार होते हैं। आज हमने अपनी विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी में एक नए और सुनहरे अध्याय की नींव रखी है। हमने अगले दशक के लिए एक रोडमैप तैयार किया है। हमारे विजन के केंद्र में निवेश, नवाचार, आर्थिक सुरक्षा, पर्यावरण, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, गतिशीलता और लोगों के बीच आपसी संपर्क है।

अमेरिका से टैरिफ वॉर के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने जापान की कंपनियों को भारत में निवेश का न्यौता दिया और कहा कि मेट्रो से मैन्युफैक्चरिंग तक हर क्षेत्र में भारत-जापान की साझेदारी विश्वास का प्रतीक बनी है और जापान की कंपनियों ने भारत में 40 बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान यात्रा की शुरुआत में भारत-जापान इकनॉमिक फोरम को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने जापान से अपने पुराने रिश्तों को याद किया और जापानी कंपनियों को भारत में निवेश करने न्यौता दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने जापान के बड़े बिजनेस लीडर्स से कहा, आज दुनिया सिर्फ भारत को देख ही नहीं रही है बल्कि भारत पर भरोसा भी कर रही है। मैं आपसे आग्रह करता हूं, आइए, भारत में बनाइए, विश्व के लिए बनाइए। सुजुकी और डाइकिन की सफलता की कहानी आपकी भी सफलता की कहानी बन सकती है। अमेरिका से चल रहे टैरिफ वॉर के बीच प्रधानमंत्री मोदी का जापानी कंपनियों को यह आमंत्रण अहम माना जा रहा है।

सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन के प्रबंध कार्यकारी निदेशक और कंपनी के भारतीय बाजार के प्रमुख राजीव खन्ना ने प्रधानमंत्री मोदी के जापान दौरे पर कहा, यह प्रधानमंत्री मोदी की नौवीं जापान यात्रा है। वे जापान, जापानी कंपनियों और जापानी लोगों से बेहद परिचित हैं। कई वर्षों के बाद अपनी यात्रा के दौरान उनका ध्यान पर ध्यान केंद्रित करना बहुत सकारात्मक है। जापानी कंपनियों के दृष्टिकोण से, वे एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण हालात देख रहे हैं, जिसमें कुछ कंपनियों की टैरिफ बाधाएं बढ़ रही हैं और घरेलू बाजार सिकुड़ रहा है। भारत में निर्माण करना और दुनिया को बेचना एक अच्छा और वास्तविक अवसर है। ऑटो क्षेत्र और भी बहुत कुछ किया जा सकता है। जापानी कंपनियां सेमीकंडक्टर और अन्य उच्च-तकनीकी उद्योगों में भारत में इंजीनियरों की महत्वपूर्ण आपूर्ति का लाभ उठा सकती हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करीब सात साल बाद भारत-जापान के वार्षिक सम्मेलन में हिस्सा लेने गए हैं। इससे पहले वे 2018 में इस सम्मेलन का हिस्सा बने थे। मोदी जापान दौरे के बाद शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सम्मेलन के लिए चीन भी जाएंगे। यहां वे तियानजिन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के न्योते पर बैठक का हिस्सा बनेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी सम्मेलन से इतर शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी मुलाकात कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की जापान यात्रा के प्रसंग में यह जानना अहम है कि आखिर भारत के लिए इसकी क्या अहमियत है और दोनों देश किस मुद्दे पर बात करेंगे। इसके अलावा भारत और जापान किन-किन समझौतों पर मुहर लगा सकते हैं। भारत किस एक समझौते पर सबसे करीबी से नजर रख रहा है। इसके अलावा ट्रंप के टैरिफ लगाने के फैसले के बीच दोनों देश आर्थिक रिश्तों को लेकर क्या कर सकते हैं।भारत और जापान के ऐतिहासिक-पारंपरिक संबंधों के साथ-साथ रणनीतिक सहयोग भी उत्तरोत्तर बढ़ा है। इसमें भारत की एक्ट-ईस्ट पॉलिसी और सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रिजन (सागर) जैसी पहल भी शामिल हैं। इसके अलावा भारत की हिंद-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) की नीति, जापान की मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत दृष्टि के साथ समाहित हो गई। इसके अलावा भारत-जापान अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए), आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन (सीडीआरआई), और उद्योग परिवर्तन के लिए नेतृत्व समूह (लीडआईटी) जैसी पहल में साझेदार हैं। इसके अलावा, दोनों देश क्वाड ढांचे और भारत-जापान सप्लाई सप्लाई चेन रेजिलियंस इनीशिएटिव (एससीआरआई) में भी सहयोगी हैं।लिहाजा, पीएम मोदी की जापान यात्रा अमेरिका से अलग-अलग मसलों पर तनाव के बीच मुख्यतः सुरक्षा के मुद्दे पर केंद्रित रहेगा। वह भी खास तौर पर क्वाड गठबंधन के मुद्दे पर। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने क्वाड को लेकर कहा, क्वाड वास्तव में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता, समृद्धि और विकास को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। हाल के वर्षों में, इसका एजेंडा व्यावहारिक सहयोग के मुद्दों तक फैला है और इसमें स्वास्थ्य सुरक्षा, महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। हाल ही में महत्वपूर्ण खनिजों, आपूर्ति श्रृंखलाओं को और अधिक लचीला बनाने और बुनियादी ढांचे के विकास के संबंध में भी चर्चा हुई है। ये सभी मुद्दे भारत और जापान दोनों के लिए प्राथमिकता वाले हैं। दोनों देश इस मंच और इस साझेदारी को बहुत महत्व देते हैं। हम अपने सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए सभी क्वाड भागीदारों के साथ काम करने के लिए तत्पर हैं।

अमेरिका से कारोबारी रिश्तों में तनाव के चलते भारत रक्षा क्षेत्र में भी अपने विकल्पों को बढ़ाना चाहता है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी और जापानी प्रधानमंत्री इशिबा के बीच रक्षा समझौता एक बड़ा मुद्दा हो सकता है। विक्रम मिस्री ने कहा, दोनों देश मिलकर यूनिफाइड कॉम्प्लेक्स रेडियो एंटीना का सह-निर्माण कर रहे हैं, यूनीकॉर्न प्रोजेक्ट पर भी नवंबर 2024 में हस्ताक्षर किए गए थे। भारतीय नौसेना और जापानी नौसेना भी भारत में जहाज मरम्मत के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाएं तलाश रही हैं। दोनों देश 2008 के सुरक्षा सहयोग घोषणा के तहत रक्षा रिश्तों को आगे बढ़ाने पर भी मुहर लगा सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो भारत और जापान के बीच साझा स्तर रक्षा उपकरण और हथियार बनाने का समझौता भी हो सकता है। गौरतलब है कि कुछ समय पहले ही जापान की तरफ से भारत को फाइटर जेट के इंजन से जुड़ी तकनीक साथ में विकसित करने का न्यौता भी मिला था।

भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी और जापान दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के तौर पर अमेरिकी टैरिफ के प्रभावों से निपटने के लिए कुछ अहम मुद्दों पर सहमति बना सकते हैं। इनमें आयात-निर्यात और निवेश से जुड़े कुछ बड़े समझौते होने के कयास लगाए जा रहे हैं। हाल ही में जापानी प्रधानमंत्री ने जापानी अखबार निक्केई एशिया को बताया था कि वह दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों को बढ़ाने के लिए भारत में अगले एक दशक में 10 ट्रिलियन येन (करीब 5.95 लाख करोड़ रुपए) के निवेश से जुड़ी योजनाओं का ऐलान कर चुके हैं। दोनों देश दवाओं से लेकर ऑटो सेक्टर तक एक-दूसरे के करीबी साझेदार बनने की तैयारी कर रहे हैं।

जापानी मीडिया के मुताबिक, भारत में निवेश के जरिए जापानी कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सेमीकंडक्टर जैसे कूटनीतिक सेक्टरों में अपनी पहुंच बनाना चाहती है। यह कंपनियां भारत में अपना सेटअप लगाने के बाद भारतीय विशेषज्ञों को रोजगार देंगी, जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक रिश्ते और बेहतर होंगे। इसके अलावा भारत-जापान की एआई कंपनियां साझा तौर पर उभरती तकनीकों पर काम शुरू करेंगी। इस संबंध में प्रधानमंत्री मोदी जापान दौरे के दूसरे दिन टोक्यो में इलेक्ट्रॉन नाम की कंपनी भी जाएंगे। यह कंपनी जापान में चिप निर्माण के लिए लगने वाले उपकरणों की बड़ी निर्माता है। भारत ने जापानी कंपनियों के जरिए अपने सेमीकंडक्टर उद्योग को मजबूत बनाने का लक्ष्य रखा है।

प्रधानमंत्री मोदी जापान दौरे में सेंडाई स्थित तोहोकु शिंकानसेन प्लांट भी जाएंगे। यहां बुलेट ट्रेन के कोच का निर्माण होता है। दोनों नेताओं के बीच भारत के बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर चर्चा की भी संभावना है। दरअसल, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए भारत को ई10 बुलेट ट्रेन पर समझौता करना है। इसकी रफ्तार 320 किमी प्रतिघंटा है और इसमें भूकंप के दौरान पटरी से उतरने से बचाने की तकनीक भी है। बताया जाता है कि ई10 बुलेट ट्रेन भविष्य में ड्राइवरलेस हो जाएंगी।

भारत–चीन साथ काम...

चीन के साथ संबंध सुधारने के महत्व पर पूछे गए सवाल पर मोदी ने कहा, राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर मैं यहां से तिआनजिन जा रहा हूं ताकि एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले सकूं। पिछले वर्ष कजान में राष्ट्रपति शी से मेरी मुलाकात के बाद हमारे द्विपक्षीय संबंधों में निरंतर और सकारात्मक प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि दो पड़ोसी और दुनिया के दो सबसे बड़े राष्ट्रों के रूप में भारत और चीन के बीच स्थिर, पूर्वानुमानित और सौहार्दपूर्ण द्विपक्षीय संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक शांति एवं समृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह बहुध्रुवीय एशिया और बहुध्रुवीय विश्व के लिए भी महत्वपूर्ण है। पीएम मोदी ने कहा, विश्व अर्थव्यवस्था में वर्तमान अस्थिरता को देखते हुए दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के रूप में भारत और चीन के लिए विश्व आर्थिक व्यवस्था में स्थिरता लाने के लिए मिलकर काम करना भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता के आधार पर रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने और विकासात्मक चुनौतियों का समाधान करने के लिए रणनीतिक संचार को बढ़ाने के लिए तैयार है।

जापानी सरकार की फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक (मुक्त और खुला हिंद-प्रशांत) अवधारणा पर मोदी ने कहा कि इसमें जापान और भारत के बीच गहरा सामंजस्य है। उन्होंने कहा कि विजन महासागर और इंडो-पैसिफिक ओशंस इनिशिएटिव भारत के अपने दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। मोदी ने कहा, भारत और जापान एक शांतिपूर्ण, समृद्ध, स्थिर और ऐसा इंडो-पैसिफिक चाहते हैं जहां राष्ट्रों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान हो। दोनों देशों के इंडो-पैसिफिक क्षेत्र से गहरे रिश्ते हैं और हम कई बहुपक्षीय मंचों पर मिलकर साझा लक्ष्यों को आगे बढ़ा रहे हैं।

रूस और यूक्रेन के नेताओं के साथ अपनी हालिया बातचीत के बारे में बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने इस संघर्ष पर एक सैद्धांतिक और मानवीय रुख बनाए रखा है। जिसकी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की दोनों ने समान रूप से सराहना की है। उन्होंने जापानी अखबार को बताया, इसी के अनुरूप दोनों नेताओं ने संघर्ष से संबंधित घटनाक्रमों पर अपने विचार साझा करने के लिए मुझसे बात की। मैंने भारत के सैद्धांतिक और सुसंगत रुख को दोहराया और संघर्ष को सुलझाने के लिए बातचीत और कूटनीति को प्रोत्साहित किया। मैंने पहले ही संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के उद्देश्य से सार्थक प्रयासों का समर्थन करने की भारत की इच्छा व्यक्त की है।

ग्लोबल साउथ के महत्व पर जोर देते हुए मोदी ने कहा कि वैश्विक समुदाय ने 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करके एक अधिक समतापूर्ण विश्व बनाने की प्रतिबद्धता जताई है। प्रधानमंत्री ने कहा, अगर हमें इस प्रतिबद्धता पर खरा उतरना है, तो ग्लोबल साउथ को प्राथमिकता देनी होगी। एक अत्यधिक परस्पर जुड़ी हुई दुनिया में, हमने ग्लोबल साउथ पर महामारी, संघर्षों और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के दुर्बल करने वाले प्रभाव को देखा है। उन्होंने कहा कि उन्हें वैश्विक शासन, जलवायु परिवर्तन, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, ऋण और वित्तीय तनाव से जुड़ी असंख्य चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जिनका उनकी विकास प्राथमिकताओं पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा, ग्लोबल साउथ के सदस्य होने के नाते हम इन चिंताओं और लोगों के जीवन पर उनके प्रभावों को स्पष्ट रूप से समझते हैं। हमने इन्हें वैश्विक एजेंडे में सबसे आगे लाने के लिए अथक प्रयास किए हैं। उन्होंने आगे कहा कि इसी प्रकार, ब्रिक्स में भी भारत वैश्विक दक्षिण के लाभ के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। भारत ब्रिक्स के साथ अपने जुड़ाव को महत्व देता है, जो परामर्श और सहयोग के लिए एक मूल्यवान मंच के रूप में उभरा है और जिसने साझा हितों के विशिष्ट मुद्दों पर आपसी समझ को बढ़ावा देने में मदद की है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत लगातार वैश्विक बहुपक्षीय संस्थाओं में तात्कालिक और व्यापक सुधार की मांग करता रहा है ताकि वे वर्तमान भू-राजनीतिक और आर्थिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित कर सकें। उन्होंने कहा, भारत ने वैश्विक बहुपक्षीय संस्थानों में तत्काल और व्यापक सुधारों का भी लगातार आह्वान किया है ताकि उन्हें और अधिक प्रभावी बनाया जा सके और वर्तमान भू-राजनीतिक और आर्थिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित किया जा सके। उन्होंने बताया कि 2004 में अपनी स्थापना के बाद से पिछले 20 वर्षों में क्वाड वैश्विक भलाई की एक शक्ति के रूप में उभरा है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लोगों के लिए सकारात्मक परिणाम प्रदान कर रहा है।

देश में आबादी ...

गणित में 2.1 का मतलब दो होता है। मगर सामाजिक जीवन में 2.1 का अर्थ कम से कम तीन बच्चों का है। रिसर्च बताते हैं कि तीन बच्चों वाले परिवार में मां-बाप और संतान अधिक स्वस्थ रहते हैं। स्वास्थ्य अध्ययन के मुताबिक इसके कारण परिवार में अहम की लड़ाई कम होती है। बच्चे ईगो मैनेजमेंट सीख जाते हैं।

मोहन भागवत ने कहा, भारत की जनसंख्या नीति 2.1 बच्चों की बात करती है, जिसका अर्थ है कि एक परिवार में तीन बच्चे। हर नागरिक को यह देखना चाहिए कि उसके परिवार में तीन बच्चे हों। उन्होंने कहा, सभी नागरिकों को तीन बच्चे पैदा करने पर विचार करना चाहिए, जिससे जनसंख्या पर्याप्त हो और कंट्रोल में भी रहे। भारत की जनसंख्या नीति का जिक्र करते हुए, आरएसएस प्रमुख ने कहा, हमारे देश की जनसंख्या नीति 1998 या 2002 में बनाई गई थी, और उसमें साफ तौर से जिक्र किया गया था कि किसी भी समुदाय की जनसंख्या 2.1 से कम नहीं होनी चाहिए। कोई आंशिक बच्चे नहीं पैदा कर सकता, इसलिए जनसंख्या विज्ञान के मुताबिक, हमें प्रति परिवार कम से कम तीन बच्चों की जरूरत है। संघ प्रमुख ने कहा कि भारतवर्ष में प्रत्येक हिंदू नागरिक के घर में तीन बच्चे होने चाहिए, यह मैं देश की दृष्टि से कह रहा हूं। जनसंख्या नियंत्रित भी रहे और जनसंख्या संतुलित भी रहे। जन्मदर सबका कम हो रहा है। लेकिन हिंदुओं का पहले से ही कम था, अब और कम हो रहा है। इसलिए हर हिंदू परिवार में कम से कम तीन बच्चे होने चाहिए।

संघ प्रमुख मोहन भागवत के इस सारगर्भित कथन पर कांग्रेस के यूपी अध्यक्ष अजय राय ने नासमझी से भरा फूहड़ वक्तव्य जारी किया। अजय राय ने कहा, संघ के लोगों को पहले खुद शादी करनी चाहिए। फिर उन्हें देश के लोगों को नसीहत देनी चाहिए। संघ प्रमुख को दिशा निर्देश लागू करना चाहिए कि संघ के लोग तत्काल शादी करें और बच्चे पैदा करें। अजय राय ने कहा, आरएसएस के लोग पूरी तरीके से रंडुवे हैं। आरएसएस में नीचे से ऊपर तक रंडुओं की फौज भरी हुई है। अजय राय का इतने पर भी मन नहीं भरा तो उन्होंने कहा, आरएसएस में महिलाओं का सम्मान नहीं होता है। फिर अजय राय ने बड़ी बेशर्मी से संघ प्रमुख को भी शादी करने की नसीहत दे डाली।

ड्रैगन और हाथी ...

इसे दोनों देशों के बीच संबंधों में आई ठंडक के बाद इसे एक सकारात्मक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब भारत और चीन अपने कूटनीतिक संबंधों के 75 साल पूरे कर रहे हैं।ग्लोबल टाइम्स ने लिखा, हाल के महीनों में दोनों देशों के बीच कुछ सकारात्मक घटनाएं हुई हैं, जैसे हिमालयी सीमा पर सैनिकों द्वारा मिठाइयों का आदान-प्रदान, भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए तिब्बत की यात्रा फिर से शुरू होना और भारत-चीन के बीच सीधी उड़ानों को फिर से शुरू करने की संभावना जताई जाना। यह सब इस ओर इशारा करता है कि दोनों देश धीरे-धीरे अपने रिश्तों को सुधारने की दिशा में बढ़ रहे हैं। ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि गलवान की घटना के बाद दोनों देश यह मानने लगे हैं कि सीमा विवादों के बजाय, संसाधनों को आर्थिक विकास और रणनीतिक प्राथमिकताओं पर लगाना अधिक तर्कपूर्ण है। सुस्त वैश्विक आर्थिक सुधारों के बीच दोनों देशों को आर्थिक विकास के लिए स्थिरता जरूरी है। 2024 में द्विपक्षीय व्यापार साल-दर-साल 1.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 138.478 अरब डॉलर तक पहुंच गया था।

संपादकीय में लिखा है कि 2025 की शुरुआत से ही दुनिया में रूस-यूक्रेन युद्ध, मिडिल ईस्ट की अशांति और अमेरिका की घरेलू राजनीति और विदेश नीति में बदलाव जैसी कई समस्याएं आई हैं। अमेरिका अब अपने सहयोगियों को समर्थन देने के बजाय लेन-देन की राजनीति अपना रहा है, कुछ जगहों पर तो अमेरिका ने सहयोगियों और साझेदारों की कीमत पर लाभ लेने की नीति अपनाई है। इससे भारत-अमेरिका संबंधों में भी खटास आई है।

इस संपादकीय में प्रधानमंत्री मोदी के भारत के स्वतंत्रता दिवस पर दिए गए संबोधन का भी उल्लेख किया गया है। इसमें लिखा है, प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर कहा था कि भारत अपने किसानों के हितों पर कोई समझौता नहीं करेगा और किसी भी दबाव के सामने दीवार बनकर खड़ा रहेगा। भारत अब व्यापार में विविधता लाने के लिए करीब 40 देशों के साथ मिलकर नीतियों पर काम कर रहा है। यह रणनीतिक स्वतंत्रता चीन की विदेश नीति से मेल खाती है, जिससे दोनों देशों के बीच सहयोग की नई संभावनाएं बन रही हैं। इसमें स्पष्ट रुप से लिखा है कि कुछ पश्चिमी मीडिया संस्थान इस सुधार को अमेरिका-विरोधी गठबंधन के रूप में दिखाने की कोशिश करते हैं, लेकिन यह सच्चाई को गलत ढंग से पेश करता है। भारत और चीन की विदेश नीति स्वतंत्र और अपने-अपने राष्ट्रीय हितों पर केंद्रित है।संपादकीय के अनुसार, सीएनएन की एक टिप्पणी में सही कहा गया कि भारत-चीन संबंधों में बदलाव भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता की नीति का उदाहरण है, जो किसी भी गुट का हिस्सा बनने के बजाय अपने हितों को प्राथमिकता देती है। संपादकीय में लिखा है कि इतिहास की ओर देखें तो भारत उन पहले देशों में से था, जिन्होंने पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना को मान्यता दी थी। भारत और चीन ने 1950 के दशक में पंचशील सिद्धांत का प्रस्ताव दिया था जो आज भी अंतरराष्ट्रीय संबंधों की एक मूल भावना है। इसमें कहा गया है, एशिया के आर्थिक विकास के डबल इंजन होने के साथ-साथ, ग्लोबल साउथ के प्रमुख प्रतिनिधि और एससीओ, ब्रिक्स और जी-20 के सदस्य होने के नाते, चीन और भारत की साझा जिम्मेदारी है कि वे अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को और अधिक लोकतांत्रिक और न्यायपूर्ण दिशा में आगे बढ़ाएं।

ग्लोबल टाइम्स ने आखिर में लिखा, मोदी की चीन यात्रा भारत-चीन संबंधों को सुधारने का एक बढ़िया अवसर है। पर्यवेक्षकों का मानना है कि अब दोनों बड़े देश अपने रिश्तों को विरोधी नहीं बल्कि साझेदार की तरह संभालने की कोशिश कर रहे हैं। अखबार ने लिखा, जब भारत-चीन कूटनीतिक संबंधों के 75 साल पूरे कर रहे हैं, तब उम्मीद की जा रही है कि नई दिल्ली और बीजिंग दोनों मिलकर एक नया अध्याय लिखेंगे, जहां ड्रैगन और हाथी मिलकर दुनिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि की दिशा में योगदान देंगे।

अपशब्द बोलने...

एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने भी मर्यादी का उल्लंघन किए जाने की हरकत की जमकर निंदा की है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, राहुल गांधी ने जो कहा, उससे सभी को दुख पहुंचा है। प्रधानमंत्री मोदी की मां ने एक गरीब घर में जीवन जिया, अपने बच्चों को मूल्यों के साथ पाला और अपने बेटे को एक भरोसेमंद नेता बनाया। ऐसे जीवन के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करना भारत की जनता कभी बर्दाश्त नहीं कर सकती। राजनीतिक जीवन में इससे बड़ी कोई गिरावट नहीं हो सकती और मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। उन्होंने कहा, मैं राहुल गांधी से आग्रह करना चाहता हूं कि अगर उनमें जरा भी शर्म बची है, तो उन्हें प्रधानमंत्री मोदी, दिवंगत मां और देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। ईश्वर सभी को सद्बुद्धि दे।इससे पहले चुनावी राज्य बिहार में राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया। भाजपा ने इस टिप्पणी को लेकर पटना के कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई और कांग्रेस सांसद से माफी मांगने की मांग की।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करना सूरज पर थूकने जैसा है। यह प्रधानमंत्री का नहीं बल्कि देश की 140 करोड़ जनता का अपमान है। जनता इसका जवाब कांग्रेस और इंडी गठबंधन को देगी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा और कांग्रेस का इंडी गठबंधन भारत विरोधी गठबंधन है। यह देश की आन बान शान के साथ खिलवाड़ करने वाला गठबंधन है। 140 करोड़ जनता के प्रति नहीं भारत के संवैधानिक संस्थाओं को अपमान करने वाला गठबंधन है। सत्ता में आने पर देश और प्रदेश में अराजकता पैदा करने वाले कांग्रेस और सपा के लोग आज लोकतंत्र की दुहाई दे रहे हैं। इनके शासन काल में प्रदेश को दंगों की आग में झोंक दिया गया था। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग करना पूरे देश का अपमान है। देश की जनता अपने को अपमानित महसूस कर रही है।

इस मामले को लेकर हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, देश का कानून आपको बोलने का, विरोध करने का अधिकार देता है। आप आलोचना करें, जितना चाहें निंदा करें लेकिन अगर आप शालीनता की सीमा पार करते हैं, तो यह गलत है और ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। ओवैसी ने कहा, शालीन शब्दों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। आप बोलें, विरोध करें और आलोचना करें, जितना चाहे निंदा करें लेकिन अगर आप शालीनता की सीमा पार करते हैं, तो यह गलत है और ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। चाहे वह किसी के बारे में भी हो। प्रधानमंत्री की आलोचना करें लेकिन एक बात याद रखें कि अगर आप सीमा पार कर रहे हैं, तो यह सही नहीं है। तब हमारी बहस का विषय गलत और अश्लील होगा। अगर कोई और ऐसा कर रहा है, तो हमें उनकी नकल करने की जरूरत नहीं है।

11 साल में आम ...

वे अपने आप में ऐतिहासिक हैं। आज 56 करोड़ से ज्यादा जन धन खाते खोले जा चुके हैं। इन खातों में जमा राशि बढ़कर 2.67 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई है, जबकि 2015 में यह महज़ 15,670 करोड़ रुपए थी। इस योजना की सबसे अहम खासियत यह रही कि इसका सबसे बड़ा फायदा गरीब और ग्रामीण भारत को मिला। करीब 67 प्रतिशत खाते गांव और अर्ध-शहरी इलाकों में खुले और खास बात यह है कि कुल खातों में 56 प्रतिशत महिलाओं के नाम पर हैं।

यानि, पहली बार लाखों महिलाएं अपनी आर्थिक पहचान के साथ बैंकिंग सिस्टम का हिस्सा बनीं। इन खातों के साथ सरकार ने सीधे लाभ पहुंचाने की व्यवस्था भी खड़ी की। अब मनरेगा की मजदूरी हो, गैस सब्सिडी हो या किसी अन्य योजना का लाभ सारा पैसा सीधे लाभार्थी के खाते में जाता है। बिचौलियों की भूमिका खत्म हो गई और लोगों का विश्वास भी बैंकिंग व्यवस्था में बढ़ा है। जन धन योजना सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने करोड़ों परिवारों की जिंदगी बदल दी। गांव की महिलाएं, जो पहले नकद बचत रखती थीं, अब अपने खाते में पैसा जमा करती हैं। दिहाड़ी मजदूरों और छोटे किसानों को सीधे खातों में मजदूरी और सब्सिडी मिलती है। दुर्घटना बीमा और ओवरड्राफ्ट सुविधा ने गरीब परिवारों को आकस्मिक हालात में सहारा दिया।

इस योजना ने डिजिटल भुगतान को भी नई गति दी है। अब तक 38 करोड़ से ज्यादा रुपे कार्ड जारी हो चुके हैं। यूपीआई और डिजिटल लेन-देन में भारत ने दुनिया में नेतृत्व हासिल किया है और इसमें जन धन योजना की बड़ी भूमिका रही है। जन धन योजना ने दुनिया में भी भारत का नाम रौशन किया। गिनीज वर्ल्ड रेकॉर्ड्स में इसका नाम शामिल हुआ जब सिर्फ एक हफ्ते में 1.8 करोड़ खाते खोले गए। यह किसी भी देश में अब तक की सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन पहल साबित हुई। ग्यारह वर्षों में औसत जमा राशि भी कई गुना बढ़ी है। 2015 में एक खाते में औसतन 1,300 रुपए रहते थे, जो अब बढ़कर लगभग 4,768 रुपए हो गए हैं। इसका मतलब है कि लोग न सिर्फ खाते खोल रहे हैं बल्कि नियमित रूप से उनमें बचत भी कर रहे हैं। साल 2024-25 में ही करीब 6.9 लाख करोड़ रुपए विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत सीधे खातों में ट्रांसफर किए गए। यह सरकार की पारदर्शिता और जन धन योजना की सफलता का जीता-जागता सबूत है।ग्यारह साल बाद आज साफ दिखता है कि प्रधानमंत्री जन धन योजना ने गरीब और वंचित तबकों की जिंदगी में वास्तविक बदलाव लाया है। यह केवल बैंक खाता खोलने की योजना नहीं रही, बल्कि सम्मान और आत्मनिर्भरता देने की एक राष्ट्रीय मुहिम बन चुकी है। महिलाओं को आर्थिक ताकत मिली है, ग्रामीण इलाकों तक बैंकिंग की पहुंच हुई है और सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचने लगा है। इस योजना ने भारत में वित्तीय समावेशन की परिभाषा बदल दी है।

वायु प्रदूषण से...

कहीं ज्यादा है।शोध के मुताबिक, उत्तरी भारत दुनिया का सबसे प्रदूषित क्षेत्र है। यहां 54.4 करोड़ लोग, यानी भारत की 38.9 प्रतिशत आबादी, बेहद खराब हवा में सांस ले रही है। दिल्ली-एनसीआर की स्थिति सबसे चिंताजनक है, जहां पीएम2.5 (2.5 माइक्रोन से छोटे कण) प्रदूषण के कारण लोग अपनी औसत आयु से 8.2 साल खो रहे हैं, अगर इसे विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के मानक से तौला जाए। बिहार (5.6 साल), हरियाणा (5.3 साल), और उत्तर प्रदेश (5 साल) जैसे राज्य भी इस मामले में पीछे नहीं हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि साफ हवा अब एक सपना बनता जा रहा है।भारत का अपना पीएम2.5 मानक 40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है, जो डब्लूएचओ के मानक से कहीं ज्यादा ढीला है। फिर भी, देश की 46 प्रतिशत आबादी ऐसी जगहों पर रहती है, जहां प्रदूषण इस राष्ट्रीय मानक से भी ऊपर है। अगर दिल्ली-एनसीआर की बात करें, तो यहां लोग राष्ट्रीय मानक की तुलना में 4.74 साल की आयु खो रहे हैं। बिहार में यह आंकड़ा 1.97 साल, हरियाणा में 1.83 साल, और उत्तर प्रदेश में 1.59 साल है। शोध कहता है कि अगर प्रदूषण को राष्ट्रीय मानक तक लाया जाए, तो इन इलाकों में लोगों की जिंदगी में 1.5 साल जोड़े जा सकते हैं।

भारत अकेला नहीं है। दक्षिण एशिया दुनिया का सबसे प्रदूषित क्षेत्र है, जहां 2023 में प्रदूषण 2.8 प्रतिशत बढ़ा। इस क्षेत्र में औसतन 3 साल की आयु प्रदूषण की वजह से कम हो रही है, और सबसे खराब प्रभावित इलाकों में यह नुकसान 8 साल तक पहुंच जाता है। भारत की 1.4 अरब आबादी में से हर व्यक्ति ऐसी जगह रहता है, जहां हवा डब्लूएचओ के मानकों से ज्यादा प्रदूषित है। यहां तक कि सबसे साफ इलाकों में भी, अगर प्रदूषण को डब्लूएचओ के स्तर तक लाया जाए, तो लोगों की आयु में 9.4 महीने का इजाफा हो सकता है।दिल्ली-एनसीआर की हालत सबसे खराब है। यहां की हवा में पीएम2.5 का स्तर इतना ज्यादा है कि यह न केवल फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि दिल की बीमारियों और अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को भी जन्म देता है। शोध बताता है कि अगर प्रदूषण को नियंत्रित कर लिया जाए, तो दिल्लीवासियों की जिंदगी में कई साल जोड़े जा सकते हैं। यह एक कड़वी सच्चाई है कि हमारी राजधानी, जो देश का दिल है, वहां सांस लेना सबसे खतरनाक है। वायु प्रदूषण अब भारत में सबसे बड़ा स्वास्थ्य खतरा बन चुका है। यह बच्चों में कुपोषण और तंबाकू से भी ज्यादा खतरनाक है। पीएम2.5 जैसे महीन कण फेफड़ों में गहराई तक पहुंचकर सांस की बीमारियों, हृदय रोग, और यहां तक कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं। यह शोध हमें चेतावनी देता है कि अगर हम अब भी नहीं चेते, तो हमारी आने वाली पीढ़ियां और भी भारी कीमत चुकाएंगी।

'सियासी' जजों के...

की स्थिति, नियुक्तियों में देरी और आम नागरिकों को न्याय मिलने की स्थिति पर चुप रहे। लॉ कमीशन के सदस्य जैन ने आरोप लगाया कि जो रिटायर्ड जज बार-बार न्यायिक पदोन्नति और सर्वोच्च न्यायालय में लंबित कुछ मामलों पर सवाल उठाते हैं, वे निचली अदालतों में लंबित मुकदमों, सुनवाई में कैसे तेजी लाई जाए और न्याय को कैसे सुलभ बनाया जाए, इस पर कभी बात नहीं करते।

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या ये जज न्यायपालिका के बड़े मुद्दों के समाधान के लिए कोई रचनात्मक समाधान लेकर आए? या अपने अनुभवों से आम लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए कुछ किया? रिकॉर्ड में भाषणों के अलावा कुछ नहीं है। हितेश जैन ने कुछ वरिष्ठ वकीलों के नाम लेकर कहा कि ये लोग खुद को न्यायिक कार्यकर्ता बताते हैं, लेकिन अगर कोई न्यायिक पदोन्नति उनके अनुरूप न हो तो वे मीडिया के पास पहुंच जाते हैं और छाती पीटते हैं कि लोकतंत्र खतरे में है। हितेश जैन ने आरोप लगाया कि यह लॉबी हर मोड़ पर झूठ का राग अलापती है और इनकी चिंता न्यायपालिका के प्रति नहीं बल्कि अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने की है। इन्हें स्पष्ट संदेश देना जरूरी है कि वे न्यायपालिका को धमका नहीं सकते और इसे ढाल के रूप में भी इस्तेमाल नहीं कर सकते। अब समय आ गया है कि इस लॉबी को बेनकाब किया जाए। कई पूर्व जजों का नाम लेकर हितेश जैन ने कहा कि ये राजनीतिक लॉबी का हिस्सा हैं, जिनका उद्देश्य प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाना है। ऐसे सक्रिय न्यायाधीशों के चेहरे से नकाब हटाना जरूरी है।

राम सेतु को...

वरिष्ठ अधिवक्ता विभा मखीजा डॉ. स्वामी की ओर से पेश हुईं, क्योंकि स्वामी को स्वास्थ्य संबंधी समस्या थी। सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका में कहा गया है कि यह केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वो राम-सेतु को किसी भी प्रकार के दुरुपयोग, प्रदूषण या अपवित्रता से बचाए। इसमें कहा गया है कि यह पुरातात्विक स्थल उन लोगों की आस्था और श्रद्धा का विषय है जो राम-सेतु को तीर्थ मानते हैं।

एक अन्य याचिका में, स्वामी ने सेतुसमुद्रम शिप चैनल परियोजना के लिए एक वैकल्पिक मार्ग खोजने की मांग की है, ताकि राम सेतु को नुकसान न पहुंचे। यह मामला भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

इस परियोजना में मन्नार और पाल्क स्ट्रेट को जोड़ने के लिए 83 किलोमीटर लंबा चैनल बनाया जाना था, जिसके लिए बड़े पैमाने पर खुदाई की जानी थी। आरोप है कि इस प्रोजेक्ट से राम सेतु पर असर पड़ेगा। जनवरी 2023 में कोर्ट ने राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर का दर्जा देने की मांग से संबंधित एक आवेदन पर सुनवाई की थी। सुनवाई के दौरान, केंद्र ने कोर्ट को बताया कि राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर का दर्जा देने पर विचार करने की प्रक्रिया संस्कृति मंत्रालय में चल रही है। इसके अलावा, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुझाव दिया कि डॉ. स्वामी मंत्रालय के समक्ष एक अभ्यावेदन प्रस्तुत करें। इस पृष्ठभूमि में, आवेदन का निपटारा कर दिया गया और डॉ. स्वामी को यह स्वतंत्रता दी गई कि यदि वे अपने अभ्यावेदन पर लिए गए निर्णय से असंतुष्ट हैं, तो वे अपने कानूनी उपायों का उपयोग कर सकते हैं।

राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की मांग का मुद्दा स्वामी ने 2007 में सेतु समुद्रम शिप चैनल परियोजना के खिलाफ अपनी याचिका में उठाया था। सेतु समुद्रम परियोजना के तहत, व्यापक ड्रेजिंग द्वारा मन्नार और पाक जलडमरूमध्य को जोड़ने वाली 83 किलोमीटर लंबी नहर बनाई जानी थी। इस परियोजना का राम सेतु पर प्रभाव पड़ने का आरोप लगाया गया था। राम सेतु तमिलनाडु के दक्षिण-पूर्वी तट पर चूना पत्थर की चट्टानों की एक श्रृंखला है। यह तमिलनाडु में रामेश्वरम के पास पंबन द्वीप से श्रीलंका के उत्तरी तट पर मन्नार द्वीप तक जाता है। इस पुल का उल्लेख रामायण में मिलता है, जहां बताया गया है कि भगवान राम ने सीता का पता लगाने के लिए लंका पहुंचने के लिए इसका निर्माण किया था।

त्रिपुष्कर योग के संयोग में शनिदेव की कृपा से मेष मिथुन सहित अन्य राशियों के जातक रहेंगे भाग्यशाली

आज यानी 30 अगस्त को भाद्रमास की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि के संयोग में शनिवार का दिन किन-किन राशियों के लिए भाग्यशाली रहने वाला है। इस विषय में ग्रह गोचर का आकलन करने से मालूम होता है कि आज के दिन चंद्रमा का गोचर तुला वृश्चिक राशि में होग। जबकि आज बुध का गोचर सिंह राशि होगा ऐसे में आज बुध और सूर्य की युति सिंह राशि में बनेगी ऐसे में आज बुधादित्य योग का निर्माण होगा और साथ ही आज के दिन चंद्रमा, सूर्य और बुध के बीच केंद्र योग भी बनेगा। और आज के दिन विशाखा नक्षत्र के संयोग में ऐंद्र और त्रिपुष्कर योग भी बनेगा। इन स्थितियों में आज के दिन शनिदेव और त्रिपुष्कर योग के शुभ प्रभाव से मेष और मिथुन सहित 5 राशियों के लिए भाग्यशाली दिन रहेगा। इनको आर्थिक लाभ मिलने के साथ ही कोई बड़ी सफलता भी मिलने वाली है।

मेष राशि –मेष राशि के लोगों के लिए आज का दिन किसी अप्रत्याशित स्रोत से लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपके शत्रु और विरोधी चाहकर भी आपका नुकसान नहीं कर पाएंगे। अच्छी बात यह रहेगी कि आप आर्थिक योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू कर पाएंगे। जो लोग फैमिली बिजनेस से जुड़े हुए हैं उनको परिवार से पूरा सहयोग मिलेगा। बिजनेस के सिलसिले में की गई आपकी यात्रा सफल और सुखद रहेगी। आपको आज सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में संपर्क का फायदा मिलेगा। कोई चाहत अचानक ही पूरी हो जाने से आपको प्रसन्नता होगी। आपके सितारे बताते हैं कि आज के दिन मेष राशि के जातक लव लाइफ के मामले में भी लकी रहेंगे।

उपाय : आपको आज के दिन काले कुत्ते को रोटी देना चाहिए, उड़द की दाल की खिचड़ी खाना शुभ रहेगा।

मिथुन राशि–मिथुन राशि के लोगों के लिए आज का दिन अवसर का लाभ उठाने वाला रहेगा। आपके सामने आज लाभ के कई अच्छे अवसर आएंगे। कोई बिगड़ा हुआ काम बन जाने से आपका मन प्रसन्न होगा। आर्थिक मामलों में आपके प्रयास आज सफल रहेंगे। अगर आप प्रॉपर्टी में निवेश करने जा रहे हैं तो इसमें भी आपको सफलता मिलेगी। आपके सितारे बता रहे हैं कि आज के दिन आपको तकनीकी ज्ञान का फायदा मिलेगा। जो लोग बिजनेस में निवेश करना चाह रहे हैं वह अपने कारोबार को विस्तार दे सकते है। परिवार से आपको आज पूरा सपोर्ट मिलेगा। आपके सितारे यह भी बताते हैं कि आज आप बेहतर प्रबंधन से अपना काम समय पर पूरा कर पाने में सफल होंगे।

उपाय : आज के दिन को शुभ बनाए रखने के लिए मिथुन राशि के जातको को गुरु से आशीर्वाद लेना चाहिए शक्कर मिले जल से पीपल को अर्घ्य देना भी शुभ रहेगा।

सिंह राशि –सिंह राशि के लोगों के लिए आज शनिवार का दिन कामयाबी भरा रहेगा। आपका सामाजिक प्रभाव और दबदबा बढेगा। बीमार चल रहे जातकों के स्वास्थ्य में आज सुधार होगा। कोई अधूरी चाहत आपकी पूरी हो सकती है। फैमिली का भी आपको आज पूरा सपोर्ट मिलेगा। बिजनेस में कमाई बढ़ने से मनोबल और उत्साह बढेगा। आपको आज के दिन इंटरव्यू में सफलता मिलने की संभावना प्रबल है। पिता और पैतृक पक्ष से आपको आज के दिन लाभ मिलने का योग बना हुआ है। आप किसी शुभ कार्यक्रम में भाग लेंगे जिससे अपने अंदर सकारात्मक ऊर्जा महसूस कर सकते हैं। आपको आज के दिन प्रेमी की ओर से भी खुशी मिलने वाली है।

उपाय : आज के दिन को शुभ और अनुकूल बनाए रखने के लिए सिंह राशि के लोगों को हनुमानजी को सिंदूर का लेपन करना चाहिए।

तुला राशि –आज शनिवार का दिन तुला राशि के लोगों के लिए शुभ लाभदायक होगा। आपको आर्थिक लाभ मिलेगा और आपके अंदर भौतिक सुख साधनों की चाहत बढेगी। ऐसे मे कमाई होने से आप अपने लिए कुछ खरीदारी भी कर पाएंगे। बीमार चल रहे तुला राशि के जातको के स्वास्थ्य में आज सुधार होगा। आपको अपेक्षा से बढ़कर बिजनेस में कमाई मिल सकती है। कहीं से आपको आज गिफ्ट मिलने का योग बना हुआ है। नौकरी में आपका काम सुचारू चलेगा और आपको सहयोगियों से पूरी मदद मिलेगी। आप परिवार के साथ कहीं घूमने का प्लान बना सकते हें साथ ही रुचिकर भोजन का भी आनंद लेंगे। कोई बहुत दिनों से अटका हुआ काम भी आपका पूरा हो सकता है।

उपाय : तिल के तेल का दीप जलाकर शनि स्तोत्र अथवा चालीसा का पाठ करें।

धनु राशि –धनु राशि के लोगों के लिए आज शनिवार का दिन बहुत ही शुभ लाभदायक होगा। धर्म कर्म और शुभ काम में आपका मन लगेगा। कोई काम जो आपका अटक रहा था किसी अपरिचित के सहयोग से बन सकता है। आपको आज के दिन कोई लाभ का ऐसे अवसर मिल सकता है जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी। आपके लिए आज का दिन भाग्य की मदद से सुखद होगा। आप आज कोई नया काम शुरू करेंगे तो इसमे आपको सफलता मिलने की बहुत संभावना रहेगी। आपकी फैमिली लाइफ भी आज के दिन सुखद रहने वाली है। आप जीवनसाथी के साथ सुखद और मनोरंजक समय बिता पाएंगे। किसी धार्मिक और सामाजिक काम में भाग लेने का आपको मौका मिल सकता है। आपके घर किसी सगे संबंधी का आगमन होने से आपको खुशी मिलेगी, घर में चहल पहल का माहौल रह सकता है।

उपाय : धनु राशि के लोगों को आज के दिन को शुभ बनाए रखने के लिए भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करना चाहिए और तुलसी पत्ते के साथ मिसरी खाना चाहिए।

शुभ मुहूर्त पर विसर्जन से मिलेगा बप्पा का आशीर्वाद!

ज्योतिषाचार्य से जानें सही तिथि और समय

गणेश चतुर्थी का त्योहार भाद्र माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से शुरू होता है। यह हिंदू धर्म का एक ऐसा त्योहार है जो 10 दिनों तक चलता है।

गणेश चतुर्थी को भाद्रमाह की चतुर्थी तिथि से लेकर चतुर्दशी तिथि तक पूरे देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। भक्त इस समय भगवान गणेश की पूजा पूरी श्रद्धा और विधि विधान से करते है।

शुभ मुहूर्त पर विसर्जन से मिलेगा शुभ फल

भगवान गणेश की पूरे विधि विधान से पूजा करने से वे बेहद प्रसन्न होते हैं और भक्तों के जीवन के बड़े से बड़े संकटों को दूर कर उन्हें सुख समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। हिंदू धर्म में बप्पा के आगमन के साथ-साथ विसर्जन का भी खास महत्व होता है।

बप्पा का विसर्जन अगर शुभ तिथि या मुहूर्त पर नहीं किया जाए तो पूजा का शुभ फल नहीं मिलता। चलिए ज्योतिषाचार्य नीतिका शर्मा से जानते हैं कि भगवान गणेश का विसर्जन किस तिथि को करना शुभ माना जाएगा।

ज्योतिषाचार्य नीतिका शर्मा ने बताया कि गणेश चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की पूजा शोडशोपचार विधि से करनी चाहिए। जिससे भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं और भक्तों के जीवन को मंगलमय करते हैं। इसलिए भगवान गणेश को मंगलकर्ता भी कहा जाता हैं।

ज्योतिषाचार्य ने यह भी बताया कि जिस श्रद्धा और रीति-रिवाज से बप्पा की पूजा आराधना की जाती है, उसी तरह शुभ तिथि में ही भगवान गणेश का विसर्जन भी करना चाहिए। इससे पूजा का शुभ फल मिलता है।

इस शुभ मुहूर्त में करें भगवान गणेश का विसर्जन

गणेश चतुर्थी की पूजा चतुर्थी तिथि से लेकर चतुर्दशी तिथि तक मनाई जाती है। यह पूजा पूरे 10 दिन तक चलती है। इनका विसर्जन अनंत चतुर्दशी के दिन किया जाता है। मगर कोई भी भक्त विसर्जन पहले करना चाहे तो कर सकता है।

जैसे अनंत चतुर्दशी के अलावा आप पंचमी तिथि में या अष्टमी तिथि को भी विसर्जन कर सकते हैं। इसमें कुछ अशुभ नहीं है। इन में से किसी भी तिथि में विसर्जन करने से पहले बप्पा की आरती जरूर करनी चाहिए, इससे भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं।

घर की इस दिशा में लगाएं गेंदे का पौधा धन-दौलत से भर जाएगी झोली

पीले और नारंगी रंग के गेंदे के फूलों का हिंदू धर्म में खास महत्व होता है। इसे देवी-देवताओं की पूजा में और धार्मिक कार्यों में विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है। गेंदे के पीले फूल बिल्कुल सूर्योदय के रंग जैसे प्रतीत होते हैं। वहीं, नारंगी रंग के गेंदे के फूल सूर्यास्त के प्रतीक होते हैं। साथ ही, भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को ये फूल बेहद प्रिय होते हैं। ऐसे में वास्तुशास्त्र में भी गेंदे के फूलों का खास महत्व बताया गया है। इसे घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और धन-धान्य की भी प्राप्ति होती है।

गेंदे के फूल सही दिशा में लगाने के लाभ

माना जाता है कि घर में सही स्थान पर गेंदे के फूल को रखने से नाकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है। साथ ही, इसकी मनमोहक सुगंध से आसपास का वातावरण सकारात्मक होता है। अगर आप गेंदे के फूल को घर में सही दिशा में लगाते हैं तो इससे माता लक्ष्मी और विष्णुजी की कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही, घर में सुख-समृद्धि और शांति सदैव बनी रहती है। इन फूलों को पूजा में भी जरूर प्रयोग करना चाहिए। ऐसा करने से आपको पैसों की तंगी से निजात मिल सकती है

और धन लाभ योग बनने लगते हैं। घर में गेंदे के फूल लगाने से परिवार के बीच का माहौल खुशनुमा बना रहता है जीवन में तरक्की के नए रास्ते भी खुलने लगते हैं।

गेंदे का फूल घर की इस दिशा में लगाएं

वास्तुशास्त्र के अनुसार, गेंदे के फूलों को घर की सही दिशा में लगाना बहुत जरूरी होता है। अगर आप इसे गलत स्थान या दिशा में रखते हैं तो इससे अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। वास्तु के अनुसार, गेंदे के फूल का पौधा हमेशा ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। इसके अलावा, आप पूर्व या उत्तर दिशा में भी इस शुभ पौधे को लगा सकते हैं। ऐसा करने से घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और इसकी जगह सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही, इस पौधे से आसपास का वातावरण भी शुद्ध होता है।

गेंदे का पौधा लगाने के विशेष वास्तु नियम

इस शुभ पौधे को घर के मुख्य द्वार पर लगाना भी बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर के अंदर नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश नहीं कर पाती है।

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में कभी भी गेंदे के पौधे को दक्षिण या पश्चिम दिशा में नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करने से अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

गेंदे के फूल को भूलकर भी गंदे स्थान, रसोई घर, बाथरूम और टॉयलेट के पास नहीं रखना चाहिए। इन जगहों पर गेंदे के पौधे को रखना शुभ नहीं माना जाता है।

घर में कभी भी ऐसा गेंदे का पौधा नहीं रखना चाहिए जो पूरी तरह मुरझा गया हो या उसके फूल और पत्ते सूख रहे हों। साथ ही, पौधे के हरा-भरा रहने का भी ख्याल रखना चाहिए।

गेंदे के फूलों की माला बनाकर देवी-देवताओं को समर्पित करनी चाहिए। ऐसा करने से जातक को भगवान की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है।

नए घर में शिफ्ट होना है तो वास्तु के इन नियमों को जान लें

अपना घर लेना हर किसी का सपना होता है, जो वे पूरा कर भी लेते हैं। ऐसे में अपने मकान को सपनों का घर बनाने के लिए हम कई प्रकार की वस्तुएं और सजावट उसमें करते हैं। वहीं, अगर आप वास्तुशास्त्र के नियमों का ख्याल रखकर नया घर खरीदते, बनवाते और उसमें शिफ्ट होते हैं तो इससे आपको जीवनभर के वास्तु दोष से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही, घर में कभी समस्याएं भी नहीं आती हैं। वास्तुशास्त्र में नए घर को लेकर ऐसे कई महत्वपूर्ण नियमों का वर्णन किया गया है, जिनका ख्याल रखने से जातक के जीवन में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है।

घर का मेन गेट हो इस दिशा में

मकान का निर्माण करवाते समय या बना हुआ घर लेते वक्त इस बात का ख्याल जरूर रखें कि उसका मुख्य द्वार उत्तर, पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा में हो। साथ ही, घर गेट के सामने किसी अन्य व्यक्ति की सीढ़ी या गेट न बना हो। इसके अलावा, मुख्य द्वार पर पर्याप्त मात्रा में रोशनी भी जरूर आनी चाहिए। इस प्रकार घर का गेट होने से वहां सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

बेडरूम से जुड़े वास्तु नियम

घर लेते समय मास्टर बेडरूम की दिशा का ख्याल भी जरूर रखना चाहिए। वास्तुशास्त्र के अनुसार, कमरा अगर दक्षिण-पश्चिम दिशा में हो तो इसे सबसे उत्तम माना जाता है। इससे रूम में शांति का माहौल बना रहता है और घर में समृद्धि आती है। साथ ही, घर में शिफ्ट होते समय कभी भी शीशे के अपने बेड के ठीक सामने न लगाएं। ऐसा करने से वहां नकारात्मकता फैल सकती है।

इस दिशा में हो रसोईघर

कभी भी घर का निर्माण करते वक्त या नए मकान में शिफ्ट होने से पहले यह जरूर देख लें कि रसोईघर किस दिशा में है। गलत स्थान पर किचन होने से अशुभ फल प्राप्त हो सकता है। वास्तु के अनुसार, किचन हमेशा आग्नेय कोण यानी दक्षिण-पूर्व दिशा में होना चाहिए। इससे परिवार के सदस्यों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

लिविंग रूम में ऐसे रखें फर्नीचर और रंग

वास्तुशास्त्र के अनुसार, लिविंग रूम में सही स्थान पर सामान रखना बेहद जरूरी होता है। मान्यता है कि हमेशा दक्षिण या पश्चिम दिशा में फर्नीचर को रखना चाहिए। साथ ही, लिविंग रूम और फर्नीचर के लिए हल्के व शांत रंगों का प्रयोग करना सबसे शुभ माना जाता है। उत्तर-पूर्व भाग में हल्के सामान और उसे खुला रखना उत्तम माना जाता है। इससे घर का माहौल सकारात्मक बना रहता है।

इस दिशा में हो बाथरूम और टॉयलेट

घर में शिफ्ट या नया मकान लेने से पहले इस बात पर जरूर गौर करें की उसमें बाथरूम व टॉयलेट किस दिशा में बना हुआ है। वास्तुशास्त्र की मानें तो बाथरूम और टॉयलेट को हमेशा उत्तर-पश्चिम दिशा में बनवाना चाहिए। इसे उत्तर-पूर्व दिशा में बनवाना सही नहीं माना गया है। साथ ही, टॉयलेट-बाथरूम को हवादार होना चाहिए और उनके दरवाजे हमेशा बंद रखने चाहिए।

सीढ़ियों के लिए सही दिशा

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में सीढ़ियां हमेशा पूर्व से पश्चिम या उत्तर से दक्षिण के ओर उठी होनी चाहिए। लेकिन कभी भी इन्हें उत्तर पूर्व दिशा में नहीं बनवाना चाहिए। कई लोग सीढ़ियों के नीचे पानी का नल, बाथरूम, टॉयलेट, जूते-चप्पलों का स्थान बना लेते हैं। लेकिन ऐसा करना बहुत गलत माना गया है। वास्तु के अनुसार, सीढ़ियों के नीचे का स्थान खाली रखना उत्तम माना गया है।

घर के मंदिर में इन बातों का रखें ख्याल

मनुष्य के घर का सबसे पवित्र स्थान पूजाघर को माना गया है। ऐसे में मंदिर सही दिशा में होना सबसे महत्वपूर्ण होता है। वास्तु के अनुसार, घर में मंदिर हमेशा उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में होना चाहिए। साथ ही, इसके अंदर हल्के और शांत रंग करवाने चाहिए। ऐसा करना बहुत शुभ माना जाता है। लेकिन इस बात का ख्याल रखें की मंदिर को कभी भी बाथरूम या किचन के पास नहीं रखना चाहिए।

गणपति विसर्जन के समय करें ये छोटा सा उपाय

साल भर रहेगी बप्पा की कृपा

भाद्रपद की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि 27 अगस्त को गणपति स्थापना की गई। गणेश उत्सव पूरे 10 दिनों तक चलता है और इसके बाद अनंत चतुर्दशी के दिन जल में बप्पा का विसर्जन कर दिया जाता है। इस साल गणपति विसर्जन 6 सितंबर 2025 को किया जाएगा। गणपति उत्सव में 10 दिनों तक पूजा-पाठ और मंत्र जाप आदि किए जाते हैं। लेकिन विसर्जन इस उत्सव का अंतिम और महत्वपूर्ण चरण होता है, जिसे भक्त श्रद्धा, प्रेम और भक्ति भाव से करते हैं।

6 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान गणेश की प्रतिमा का पूजन करने के बाद भक्त उसे नदी, तालाब या किसी जलाशय में विसर्जित करते हैं। गणपति विसर्जन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि इसके पीछे गहरी धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताएं भी जुड़ी हुई हैं। इन्हीं में एक गणपति विसर्जन के समय किए जाने वाले उपाय। मान्यता है कि इन उपायों से बप्पा का आशीर्वाद पूरे सालभर तक प्राप्त होता है और बप्पा अपने भक्तों की सभी इच्छाएं पूर्ण करते हैं।

बता दें कि, कुछ लोग घर में गणपति की स्थापना करते हैं और वे 10 दिनों के बजाय डेढ़, तीन, पांच या सात दिनों में भी बप्पा का विसर्जन कर देते हैं। अगर आप इन दिनों में बप्पा का विसर्जन कर रहे हैं तब भी इस उपाय को कर सकते हैं। इस उपाय को करने से भगवान गणेश के साथ ही कुंडली में बुध ग्रह भी मजबूत होता है।

गणपति विसर्जन पर करें ये उपाय

अभी गणपति उत्सव चल रहा है। इन दिनों में भगवान को लगातार लाल रंग का फूल चढ़ाएं। इस उपाय को करने से मानसिक शांति प्राप्त होती है।

बप्पा की विदाई करने से पहले एक साथ चार नारियल बांध लें और इसकी माला बनाकर भगवान को अर्पित कर दें। इस उपाय को करने से सारे बिगड़े कार्य बनने लगते हैं।

समस्याओं से समाधान के लिए गणेश उत्सव के दौरान या विसर्जन के दिन हाथी को हरा चारा खिलाएं।

गणपति विसर्जन के दिन कच्चे रेशम धागे की सात गांठें बांध लें। इसके बाद जय गणेश काटो कलेश मंत्र का जाप करें और इस धागे को अपने पास रखें। जब भी किसी कार्य के लिए जाएं तो इसे अपने साथ लेकर जाएं। इससे सफलता मिलेगी।

मृणाल ठाकुर का एथनिक स्टाइल गणेश चतुर्थी के लिए चुनी खास साड़ी

छोटे पर्दे से अपने अभिनय की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने न सिर्फ अपनी शानदार अदाकारी से बॉलीवुड में सिक्का जमाया, बल्कि साउथ इंडस्ट्री में भी अपनी अमिट छाप छोड़ी। वहीं, अभिनेत्री ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा की।

तस्वीरों में अभिनेत्री सोफे पर स्टाइलिश पोज देते हुए बैठी हैं। मृणाल का आकर्षक लुक, हल्की मुस्कान, और स्टाइलिश पोज फैंस को काफी लुभा रहा है। साड़ी पहन अभिनेत्री तस्वीरों में अलग-अलग तरह के पोज देती नजर आ रही हैं। कभी वह सोफे पर बैठकर, तो कभी दीवार से सटकर पोज देती नजर आ रही हैं। वह अपनी पायल और इयररिंग्स के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। उनका यह लुक न केवल उनकी खूबसूरती को बयां करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि वे सादगी के साथ-साथ फैशन के मामले में भी किसी से पीछे नहीं हैं। लुक की बात करें तो अभिनेत्री ने मल्टीकलर की साड़ी के साथ ग्रीन कलर का ब्लाउज कैरी किया है। अपने लुक को और आकर्षक बनाने के लिए उन्होंने इयररिंग पहने हुए हैं। वहीं, बालों को खुला रखा है।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, गणेश चतुर्थी हमेशा से मेरा सबसे प्यारा त्योहार रहा है। ये वो समय होता है जब घर, भक्ति और खुशी प्यार से भर जाते हैं। इस साल मैंने इसे एक खास तरीके से मनाने के बारे में सोचा। ऐसा जो परंपराओं से जुड़ा हो और मेरे दिल के करीब भी हो। मैंने एक खास साड़ी पहनी जो मां पार्वती को समर्पित है, जो शक्ति, ममता और गणेश जी के पीछे की कृपा का प्रतीक है। कमल के रंगों और सुनहरे स्पर्श वाली साड़ी जो उनके आशीर्वाद को मेरे साथ बनाए रखे। ये साड़ी मेरे लिए ताकत, प्यार और ढेर सारी आस्था का प्रतीक है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो मृणाल की हालिया रिलीज फिल्म 'सन ऑफ सरदार-2' थी। इसके बाद वह अपकमिंग फिल्म 'डकैत' में अदिवी सेश के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। इसमें अनुराग कश्यप भी एक अहम भूमिका में हैं। फिल्म इस साल 25 दिसंबर को रिलीज होगी।

सोनाक्षी सिन्हा ने पति जहीर इकबाल के साथ की गणपति की आरती

पूरे देश में इन दिनों गणेश उत्सव की धूम है। बॉलीवुड सेलेब्स भी इस त्योहार को धूमधाम से मना रहे हैं। सोनाक्षी सिन्हा भी उन्हीं में से एक हैं। उन्होंने अपने पति जहीर इकबाल संग गणपति बप्पा की आरती की।

इसका एक प्यारा वीडियो एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो में वो गणेश जी की आरती गाती हुई दिखाई दे रही हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने इसे शेयर करते हुए लिखा, ॐ गं गणपतये नमः। आप सबको गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं, बप्पा हम सबको शांति, प्रेम और धैर्य प्रदान करें।

यह वीडियो अर्पिता खान शर्मा के घर का है। इस साल यह उत्सव उनके घर पर आयोजित किया गया, जहां सलमान ने गणपति बप्पा का स्वागत किया था। इस दौरान सलमान खान सहित उनके परिवार वालों ने गणपति जी की आरती की। इसका एक वीडियो वीरवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसमें सलमान खान, उनके पिता सलीम खान, भाई अरबाज आदि आरती करते दिख रहे थे। यही नहीं, एक्टर रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस वीडियो में फूलों से सजी गणपति की मूर्ति बहुत ही सुंदर लग रही थी।

यहीं पर सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति जहीर इबाल भी गए थे। दोनों के खान परिवार से अच्छे रिश्ते हैं। इसलिए यह कपल सलमान खान और उनके परिवार के हर कार्यक्रम में दिखाई दे जाता है। इससे पहले सोनाक्षी सिन्हा ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर रोड ट्रिप का एक वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में जहीर इकबाल गाड़ी चलाते दिख रहे थे और सोनाक्षी के साथ मिलकर मशहूर फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का गाना 'हो गया है तुझको तो प्यार सजना' पर मजेदार रील बनाते दिखे थे। सोनाक्षी ने इस वीडियो को कैप्शन दिया, रोड ट्रिप गोल्स! बाकी वीडियो देखने के लिए यूट्यूब पर जाएं। सोनाक्षी और जहीर की पहली मुलाकात साल 2013 में सलमान खान की एक पार्टी में हुई थी, लेकिन दोनों 2017 में रिलीज हुई सलमान खान की फिल्म 'ट्यूबलाइट' की स्क्रीनिंग पार्टी के दौरान करीब आए। उस दिन दोनों ने घंटों बात की और यहीं से उनकी दोस्ती प्यार में बदली। 7 साल तक रिलेशन के बाद दोनों ने 23 जून 2024 को मुंबई में स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत शादी की, जिसमें उनके करीबी दोस्त और परिवार के लोग शामिल थे।

शिल्पा शेट्टी ने श्रीदेवी को किया याद रीक्रिएट किया 'चांदनी' वाला लुक

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी पर चांदनी का खुमार छाया है। उन्होंने इसकी एक रील अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इस रील में शिल्पा शेट्टी मशहूर अभिनेत्री श्रीदेवी के 'चांदनी' लुक को रीक्रिएट करती दिख रही हैं। शिल्पा पीली साड़ी में हूबहू श्रीदेवी जैसी लग रही हैं। वो फिल्म के गाने 'तेरे मेरे होठों पे गीत मितवा' पर डांस भी करती दिखाई दे रही हैं। इस रील के जरिए श्रीदेवी को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें अपना आदर्श बताया है। अभिनेत्री ने इसे शेयर करते हुए पोस्ट में लिखा, मेरी आदर्श श्रीदेवी को श्रद्धांजलि। इस पोस्ट को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर वो एक्ट्रेस की तारीफ भी करते दिखाई दिए।

चांदनी श्रीदेवी और ऋषि कपूर की एक रोमांटिक फिल्म थी, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा था। इसके गाने हिट थे, और आज भी लोग उन्हें गुनगुनाते दिख जाते हैं।

इससे पहले एक पोस्ट में शिल्पा शेट्टी ने बताया था कि इस बार वो गणपति जी को घर नहीं ला रही हैं, इस बात का उन्हें दुख है। शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम पर पिछले गणपति उत्सव की एक रील और एक भावुक नोट साझा किया था। शिल्पा ने लिखा, इस साल आपके बिना घर अधूरा सा लग रहा है, लेकिन दिल आपके आशीर्वाद से भरा है। गणपति बाप्पा मोरया, अगले बरस आप जल्दी आना। आगे उन्होंने इसका कारण भी बताया। उन्होंने लिखा, प्रिय मित्रों, अत्यंत दुःख के साथ, हमें आपको यह सूचित करते हुए खेद हो रहा है कि परिवार में किसी के निधन के कारण, इस वर्ष हम गणपति उत्सव नहीं मना पाएंगे। परंपरा के अनुसार, हम 13 दिनों का शोक मनाएंगे और इसलिए किसी भी धार्मिक उत्सव से परहेज करेंगे। आभार सहित, कुंद्रा परिवार।शिल्पा शेट्टी को आ-खिरी बार फिल्म 'सुखी' में देखा गया था। वो बहुत जल्द कन्नड़ एक्शन ड्रामा फिल्म 'केडी: द डेविल' में नजर आएंगी। इसमें संजय दत्त, ध्रुव सरजा और नोरा फतेही भी अहम किरदार में हैं।

वेब सीरीज डू यू वाना पार्टनर का ट्रेलर रिलीज

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया को आखिरी बार फिल्म 'ओडेला-2' में देखा गया था, तभी से ही दर्शकों को उनकी अगली फिल्म का इंतजार था। इस बार वे फिल्म नहीं, बल्कि वेब सीरीज लेकर आ रही हैं।

तमन्ना भाटिया की नई वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' का ट्रेलर जारी हो गया है। 'डू यू वाना पार्टनर' के ट्रेलर में दो दोस्त शिखा (तमन्ना भाटिया) और अनाहिता (डायना पेंटी) की कहानी है। वे अपनी जॉब से बोर हो चुकी हैं और खुद का बिजनेस करना चाहती हैं। फिर उन्हें खुद का बीयर ब्रांड लॉन्च करने का एक दमदार आइडिया आता है। इसके लिए उन्हें निवेशकों की दरकार है। उसकी तलाश में ये एक महिला गैंगस्टर (श्वेता तिवारी) और बाद में एक माफिया के चंगुल में फंस जाती हैं। इन सबसे बचकर दोनों अपना ब्रांड लॉन्च कर पाती हैं या नहीं, यही इस सीरीज की स्टोरी है।

यह सीरीज धर्मैटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी है, जिसके निर्माता करण जौहर, अदार पूनावाला और अपूर्व मेहता हैं। इसमें तमन्ना भाटिया के साथ डायना पेंटी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, श्वेता तिवारी, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह भी अहम किरदार में दिखाई देंगे।अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने कहा, यह दोस्ती, संघर्ष और सबसे अजीबोगरीब विचारों को हकीकत में बदलने के साहस का जश्न है।

मुझे रेखा जी और कैसी पहेली के फिल्मांकन की जानकारी नहीं थी : सुनिधि चौहान

मशहूर फिल्मकार प्रदीप सरकार की फिल्म परिणीता को रिलीज हुए 20 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर मूवी को फिर से री-रिलीज किया गया है। इसका सुपरहिट गाना 'कैसी पहेली' गायिका सुनिधि चौहान ने गाया था।

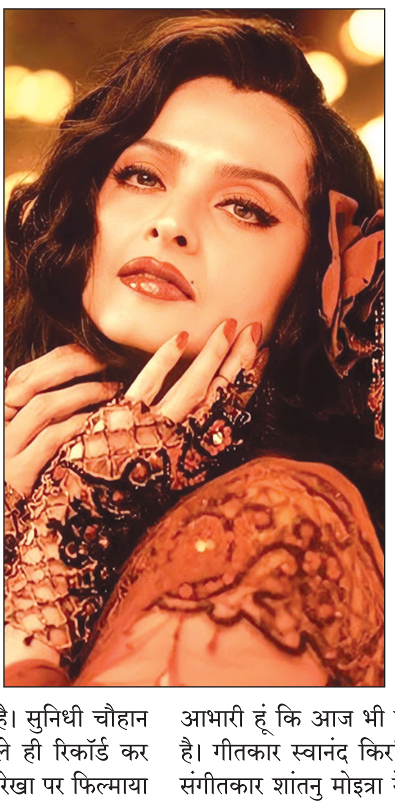

इस गाने को वेटरन एक्ट्रेस रेखा पर फिल्माया गया था। सुनिधि चौहान ने अपना एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया और साथ ही बताया कि उन्हें यह नहीं पता था कि यह गाना रेखा जी पर फिल्माया जाएगा।

सुनिधी चौहान ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 20 साल बीत जाने के बाद भी इसका जादू बरकरार है। संगीत आज भी उतना ही असरदार है और मोहब्बत उतनी ही ताजा लगती है। कलाकारों और निर्माताओं को सलाम क्योंकि यह फिल्म अब अपनी पूरी 8के खूबसूरती में दोबारा पर्दे पर लौट रही है। परिणीता 29 अगस्त को फिर से रिलीज हो रही है। सुनिधी चौहान ने बताया कि इस गाने को उन्होंने पहले ही रिकॉर्ड कर लिया था। तब उन्हें नहीं पता था कि इसे रेखा पर फिल्माया जाएगा। सुनिधि कहती हैं, 'कैसी पहेली जिंदगानी' मेरे लिए एक अनोखा और ताजा गीत था। इस गीत में पुराने जमाने का खूबसूरत आकर्षण और कैबरे का जायका था।

सुनिधि ने आगे कहा, इस गीत को और भी खास बनाने वाली बात यह थी कि इसे रेखा जी पर फिल्माया गया था- एक आइकॉन, एक लीजेंड, और जिनकी मैं फैन हूं। जब मैंने यह गीत रिकॉर्ड किया, तो मुझे जरा भी अंदाजा नहीं था कि वह इसे पर्दे पर पेश करेंगी, और उन्होंने स्क्रीन पर चार चांद लगा दिए और मेरी आवाज को इतना अच्छा बना दिया। उनकी सदाबहार मौजूदगी से मेल खाती मेरी आवाज मेरे लिए सबसे बड़े सम्मान की बात थी। मैं बहुत आभारी हूं कि आज भी यह गीत लोगों के दिलों में जिंदा है। गीतकार स्वानंद किरकिरे ने इस गाने को लिखा था। संगीतकार शांतनु मोइत्रा ने इसे संगीत में पिरोया था।

मेरी हर फिल्म ने मुझे एक अलग अनुभव दिया : तनीषा मुखर्जी

अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी ने अपने फिल्मी करियर में कई तरह की फिल्मों में काम किया है, जिनमें से कुछ ने दर्शकों का दिल जीता, तो कुछ बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ पाईं। लेकिन, तनीषा का मानना है कि उनकी हर फिल्म ने उन्हें कुछ न कुछ सिखाया।

अपनी फिल्मी यात्रा के बारे में बात करते हुए तनीषा ने कहा, मैंने जितनी भी फिल्में की हैं, हर एक ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया है। चाहे वो भावनाओं से भरी फिल्म 'टैंगो चार्ली' हो, मस्ती भरी फिल्में 'पॉपकॉर्न' या 'नील एन निक्की' या फिर कॉमेडी जैसी '123', हर फिल्म का अनुभव अलग रहा। 'सरकार' जैसी फिल्म मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था, जहां मैंने राजनीति पर बनी कहानी में शानदार कलाकारों के साथ काम किया। हर फिल्म ने मुझे कुछ नया सिखाया और मुझे अलग-अलग तरह की कहानियों का हिस्सा बनकर हमेशा अच्छा लगा।

बात करें अभिनेत्री के करियर की तो उन्होंने फिल्म 'टैंगो चार्ली' में बॉबी देओल के अपोजिट 'लच्छी' का किरदार निभाया था, जो एक साधारण और गहरी भावनाओं वाली भूमिका थी। यह फिल्म जंग और फर्ज की सच्चाइयों पर आधारित थी। 'पॉपकॉर्न...' में तनीषा ने एक कॉलेज थीम वाली फिल्म में युवा जोश को जीवंत किया था। प्रीतिश नंदी कम्युनिकेशंस द्वारा निर्मित इस फिल्म में उनका चुलबुला अंदाज और बेफिक्र किरदार दर्शकों को खूब भाया। यह फिल्म आज भी युवा ऊर्जा और कॉलेज जीवन की मस्ती को दर्शाती है। 'नील एन निक्की' में तनीषा ने आधुनिक रोमांस की दुनिया में कदम रखा था।

यह फिल्म यात्रा, संगीत और युवा आकर्षण से भरी थी। तनीषा ने अपने किरदार को रंगीन और जीवंत अंदाज में पेश किया, जो आज भी समकालीन रोमांस का प्रतीक है। वहीं, 'सरकार' में तनीषा ने अपनी छाप छोड़ी। इस फिल्म में उन्होंने अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गजों के साथ स्क्रीन साझा की। जटिल कहानी और गहरे किरदारों के बीच उनका अभिनय उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है, जो आज भी प्रशंसनीय है।

रेखा के साथ अदिती राव हैदरी ने शेयर की तस्वीर

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने अपने कुछ दोस्तों के साथ गणेश उत्सव मनाया। वो मुंबई में हैं और इस त्योहार को अपने दोस्तों और परिवार वालों के साथ मना रही हैं।

इसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। फोटो में वो अभिनेत्री रेखा जी के साथ भी दिखाई दे रही हैं। इन्हें शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि वो किसे मिस कर रही हैं। तस्वीरों में एक्ट्रेस के साथ अभिनेत्री रेखा, डायरेक्टर संजय लीला भंसाली और मनीष मल्होत्रा भी हैं। एक तस्वीर में रेखा अभिनेत्री का माथा चूमती दिख रही हैं। इन्हें शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, त्योहार प्यार के बारे में होता है; घर और अपने सिद्धू की बहुत याद आ रही है। यानी वो अपने पति सिद्धार्थ को काफी मिस कर रही हैं।

अदिती को कुछ दिनों पहले मेलबर्न के भारतीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफएम) के नवीनतम संस्करण में सिनेमा में विविधता का पुरस्कार दिया गया था। इसके बारे में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में बताया था। इस पोस्ट में एक्ट्रेस ने लिखा, भारत की स्वतंत्रता के दिन, सिनेमा में विविधता का सम्मान मिलना और भी खास है। भारतीय फिल्म उद्योग का हिस्सा बनना और उसका जश्न मनाना। विविध कहानियों, भाषाओं, संस्कृतियों, इतिहास का हिस्सा बनना, अपनी कहानियों के माध्यम से प्यार से जुड़ना और सिनेमा के माध्यम से अपनी खुशी, दर्द और हंसी साझा करना। यह मेरे लिए बहुत ही खास है।

अदिति संजय लीला भंसाली की पहली वेब सीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' (साल 2024) में दिखीं। इसमें अदिति के किरदार 'बिब्बोजान' को काफी पसंद किया गया था। यह एक पीरियड ड्रामा है और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लाहौर के हीरा मंडी के रेड-लाइट इलाके पर आधारित है। सीरीज ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान तवायफों के जीवन और उनके संघर्षों पर केंद्रित थी। इस सीरीज में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख, शर्मिन सहगल और ताहा शाह बदुशा जैसे सितारे भी हैं। अदिती की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वो बहुत ही जल्द 'पारिवारिक मनुरंजन' नाम की फिल्म में दिखाई देंगी। इसमें पंकज त्रिपाठी के साथ वो स्क्रीन शेयर करेंगी। इसकी शूटिंग अभी चल रही है। उनके पास 'ओ साथी रे' नाम की फिल्म भी है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

गलतफहमी और लगातार असहमति परिवारिक माहौल को निराशाजनक बना सकती है. यह स्थिति आपको तनावग्रस्त कर सकती है. आज कार्य स्थल पर सहकर्मियों और अधीनस्थों से टकराव होने का खतरा है. घरेलू मोर्चे से निपटने के लिए राजनयिक बनने की कोशिश करें और दार्शनिक दृष्टिकोण अपनाकर वास्तविक दुनिया को उसके वास्तविक परिप्रेक्ष्य में देखने का प्रयास करें. वित्तीय व्यवहार और निवेश के साथ अधिक सतर्क और सावधान रहें क्योंकि दिन ज्यादा अनुकूल नहीं है, कमाई घट सकती है और धन अवरुद्ध हो सकता है. दूसरों के लिए स्थायी गारंटी देने से बचें.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा. इस राशि के छात्रों के करियर में आज नया बदलाव आयेगा, जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा. आपकी सेहत बेहतर बनी रहेगी. इस राशि के जो लोग सोशल साइट्स पर काम करते हैं, उनकी जान–पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको काफी लाभ मिलेगा. कारोबार में कुछ लोग मददगार साबित होंगे. आपको कोई महत्वपूर्ण काम मिल सकता है. सामाजिक क्षेत्र में आपकी सराहना होगी. अपने मस्तक पर चंदन का तिलक लगाएं, आपके साथ सब अच्छा होगा.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बिजनेस और नौकरी में परिवार से सहयोग मिलेगा. कार्यस्थल पर सोच–समझकर बोलें. उन्नति के रास्ते खुलेंगे. बिजनेस में फायदा होने के योग बन रहे हैं. घर में उपयोग होने वाली वस्तुएं खरीद सकते हैं. अपनी सोच सकारात्मक रखें. विश्वसनीय व्यक्ति का सहयोग भी मिल सकता है. आपका पार्टनर संवेदनशील मूड में रहेगा. आपकी भावनाओं का सम्मान होगा. आपको अपनी सेहत पर विशेष ध्यान देना चाहिए.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज पारिवारिक समस्याओं से मन विचलित हो सकता है. सामाजिक प्रतिष्ठा मिलेगी. व्यापार–व्यवसाय में वृद्धि के योग हैं. उत्साह बना रहेगा. काम में मन लगेगा. नया काम मिलेगा. प्यार के लिए समय बेहतरीन है. नई जगह निवेश करने के लिए आप उत्सुक रहेंगे. कार्यक्षेत्र में पदोन्नति के योग बन रहे हैं. बिजनेस में धन लाभ के योग बन रहे हैं. आज प्रेमी और जीवनसाथी ही आपकी बड़ी ताकत होगा. आज अचानक ही आपके घर मेहमान आ सकते हैं

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस माह आपको भाग्य के साथ शानदार परिणाम मिलेंगे. आप प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे. आप एक नई साझेदारी में प्रवेश कर सकते हैं और अपने लाभ को बढ़ा सकते हैं. अगर आप काम के लिए विदेश जाना चाहते हैं तो अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएं. वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे. प्रतिद्वंद्वी गतिविधि आपको नुकसान नहीं पहुंचाएगी. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ किसी धार्मिक पर जा सकते हैं. यह एक मनोरंजक यात्रा होगी और इससे आपको मानसिक शांति भी मिलेगी.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. इस राशि के छात्रों को अपने शिक्षकों का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आएंगे। संतान पक्ष की ओर से आपको सुख की प्राप्ति होगी. अपने कार्यों में संतान से पूरी मदद मिलेगी. आपको पैसे कमाने के अच्छे मौके मिलेंगे. किसी खास व्यक्ति से कामकाज के मामले में आपको कुछ नए आइडिया मिल सकते हैं. शाम को बच्चों के साथ पार्क में घूमने जायेंगे। गाय को रोटी खिलाएं, घर में सुख–शांति बनी रहेगी.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

कर्ज से छुटकारा मिल सकता है. अपने काम पर पूरी नजरे रखें. अधिकारियों से सहयोग मिलेगा. आज आपके लिए योजना बनाना मेहनत करने से भी ज्यादा कारगर साबित हो सकता है. आपके लिए परिवार, जमीन–जायदाद के मामले, दोस्त और रिश्तेदार बहुत खास हो सकते हैं. आपका व्यवहार पार्टनर को खुशी देगा. कुछ नया और सकारात्मक काम करेंगे, तो आप अपने जीवन में अच्छा खासा सुधार कर सकते हैं.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी घरेलू जिम्मेदारियों में धन खर्च होने की संभावना है, प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा. आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा. आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. पुराने मित्रों के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है. आपके कामों की तारीफ हो सकती है. अपनी प्रार्थमिकताएं निर्धारित कर लें और अपने काम पर लग जाएं.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आर्थिक रूप से यह बहुत अच्छी अवधि है. व्यापारी वर्ग वांछित परिणाम प्राप्त करेंगे और अपने कार्य क्षेत्र में अपने लिए जगह बनाएंगे. सामाजिक लोकप्रियता प्राप्त करने के शुभ संकेत हैं. आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा. परिवार में शादी या बच्चे का जन्म हो सकता है. खेलप्रेमियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा. प्रेम सम्बन्ध मजबूत होंगे. छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे. जोड़ो से सम्बंधित रोगों से जूझ रहे जातकों को अत्यधिक ध्यान रखने की आवश्यकता है.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

पारिवारिक मामलों में आपको भागदौड़ करनी पड़ेगी. ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे हो सकते हैं, इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है. किसी बात को लेकर भाई–बहन से अनबन हो सकती है. आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए. आप नए काम पर सोच–विचार कर सकते हैं. आप किसी दोस्त से मदद मांग सकते हैं. सेहत ठीक बनी रहेगी. मंदिर में सुबह–शाम घी का दीपक जलाएं, आपके काम में स्थिरता बनी रहेगी.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

बिजनेस में आत्मनिर्भरता रहेगी. नए लोगों से कॉन्टैक्ट बनेंगे. कामकाज बढ़ेगा. साथ के लोगों से सहयोग मिल सकता है. नए लोगों से भी अच्छे संबंध बनेंगे. बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा. आपकी आर्थिक स्थिति में जल्दी ही सुधार लाने में सफल रहेंगे. आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे हो जाएंगे. पुरानी समस्याओं का समाधान मिल सकता है. मौसमी बीमारियां भी हो सकती हैं.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें. यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें. किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है. दूसरों के बहकावे में न आएं. आय में निश्चितता रहेगी. अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें. निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें. शिक्षा–प्रतियोगिता में सफलता,षड्यंत्र का शिकार होने से बचें. इस राशि के स्टूडेंट्स का मन पढ़ाई में लगेगा.

आज का पंचांग

दिनांक : 30 अगस्त 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 10:48 तक
नक्षत्र : विशाखा दोपहर 02:38 तक
योग : ऐन्द्र रात्रि 03:10 तक
करण : गर प्रातः 09:37 तक
चन्द्रराशि : तुला प्रातः 07:54 तक
सूर्योदय : 06:01 सूर्यास्त 06:31 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54 ,सूर्यास्त 06:22 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दूबडी साते, पूर्वाफाल्गुनी में रवि रात्रि 09:44 से, सन्तान सप्तमी , भद्रा रात्रि 10:41 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सरकार ने पेपरलीक पर की कड़ी कार्रवाई, नहीं बख्शेंगे दोषियों को : भजनलाल

जयपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले साल हरियाली तीज के अवसर पर 'हरियालो राजस्थान' अभियान शुरू किया। जिसके अन्तर्गत हमनें पिछले वर्ष 7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा और साढ़े 7 करोड़ पौधे लगाकर लक्ष्य को पूरा किया। इस वर्ष हमनें 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा और अब तक 11 करोड़ से अधिक पौधे लगाए हैं। इस तरह हम अब तक साढ़े 18 करोड़ पौधे लगा चुके हैं। हमारी सरकार 5 वर्ष में 50 करोड़ पेड़ लगाएगी और प्रदेश को हरा भरा बनाएगी।

मुख्यमंत्री शर्मा शुक्रवार को टोंक के टोडारायसिंह में 'एक पेड़ मां के नाम' एवं 'हरियालो राजस्थान' के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में प्रकृति का विशेष स्थान है। हमारी परंपरा में पेड़, पहाड़ और जल स्रोतों की पूजा की जाती है। इस धरती पर भोलेनाथ का मंदिर, बीसलपुर बांध और हरियाली से युक्त पहाड़ियों का संगम इस भावना को साकार कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अनूठी पहल 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर हमारी सरकार ने 'हरियालो राजस्थान' की शुरुआत की है। यह संकल्प धरती माँ के प्रति सम्मान का प्रतीक है। हमनें अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और इसे हरा–भरा बनाने के लिए 250 करोड़ रुपये की हरित अरावली विकास परियोजना बनाई है। परियोजना के तहत इस मानसून में 19 अरावली जिलों के 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में वृक्षारोपण करवा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश के किसानों को पेयजल एवं सिंचाई के लिए जल उपलब्ध करवाने की दिशा में कई फैसले किए हैं। हमनें पूर्वी राजस्थान के किसानों के लिए रामजल सेतु लिंक परियोजना, शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौते को आगे बढ़ाया है। वहीं, पश्चिमी एवं दक्षिणी राजस्थान के लिए माही बांध को जवाई बांध से जोड़ने और अन्य जिलों के लिए ब्राह्मणी नदी को बीसलपुर बांध से जोड़ने का काम किया जा रहा है। इसी तरह, हमारी सरकार 2027 तक प्रदेशभर के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है और अब तक 22 जिलों के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। किसान अब अन्नदाता के साथ–साथ ऊर्जादाता बनने की ओर अग्रसर है। इसी तरह, पशुपालकों के लिए हमारी सरकार गोपाल क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण उपलब्ध करवा रही है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में पेपरलीक जैसी घटनाओं से किसानों और उनके युवा बेटों के सपनों पर कुठाराघात हुआ। वहीं, हमारी सरकार ने पेपरलीक के खिलाफ कार्रवाई के लिए एसआईटी गठित की और दोषियों को सलाखों के पीछे भेजा। हमारी सरकार एक भी दोषी को नहीं बख्शेगी। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ वर्ष में पूरी पारदर्शिता और समयबद्ध रूप से भर्ती परीक्षाएं आयोजित हुई और एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। हमारी सरकार ने पांच साल में 4 लाख सरकारी नौकरी के लक्ष्य की दिशा में हजारों युवाओं को समय पर नियुक्ति प्रदान करने के साथ ही भर्ती परीक्षाओं के लिए पूरे साल का कलैण्डर भी जारी किया है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि जन सेवा की नीयत से किए गए काम धरातल पर दिख रहे हैं। हमारी सरकार ने पिछले डेढ़ साल में प्रदेश की सूरत बदलने का काम किया है और पूर्ववर्ती सरकार के 5 साल में किए गए कार्यों से ज्यादा काम किए हैं। उन्होंने कहा कि हमनें टोंक जिले के विकास के लिए दोनों वर्ष के बजट में प्रावधान किए है। 650 करोड़ रुपये से नसीराबाद से देवली तक सड़क को 4 लेन करवाने की डीपीआर के लिए निविदा आमंत्रित की जा चुकी है। इसके साथ ही 147 करोड़ रुपये से बनास नदी पर पुलिया निर्माण हेतु डीपीआर एवं 103 करोड़ रुपये से बीसलपुर परियोजना की दायीं व बायीं मुख्य नहर व विभिन्न माइनर प्रणालियों की मरम्मत व जीर्णोद्धार का काम शुरू किया है। उन्होंने कहा कि इसी तरह, पेयजल के लिए हमनें 92 करोड़ 15 लाख रुपये से निवाई, डिग्गी व लांबा हरिसिंह की पेयजल योजनाओं का काम शुरू कर दिया है और 275 करोड़ रुपये से टोंक में सतत् जलापूर्ति गुणात्मक संवर्धन कार्य करवाएंगे।

भजनलाल शर्मा का ग्रीन रिकॉर्ड : राजस्थान में 11 करोड़ पौधे, लक्ष्य से 4 करोड़ अधिक

टोंक/टोडारायसिंह, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत टोंक ज़िले में एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया। यहाँ महज़ एक घंटे में 60,000 लोगों ने एक साथ 60,000 पौधे लगाए। यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल 'एक पेड़ मां के नाम' और राज्य सरकार के 'हरियालो राजस्थान' अभियान का हिस्सा था।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि पर्यावरण संरक्षण और राज्य को हराभरा बनाने के लिए 250 करोड़ रुपये की एक महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, जहाँ हरियाली होगी, वहीं बरसात अधिक होगी। इसी सोच के साथ हमारी सरकार ने पौधारोपण का बड़ा लक्ष्य रखा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष 7 करोड़ पौधों के लक्ष्य के मुकाबले 7.5 करोड़ पौधे लगाए गए थे। इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन पिछले दो महीनों में ही 11 करोड़ पौधे रोपे जा चुके हैं।

राज्य में अफॉर्डेबल हाउसिंग उपलब्ध करवाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्य सचिव

जयपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में सभी को अफॉर्डेबल हाउसिंग उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती देने के लिए कई योजनाएं लागू की गई हैं। साथ ही केंद्र सरकार की नीतियों को भी राज्य स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है।

सुधांश पंत शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद (नरेडको) के 17वें राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर शहरी विकास और आवास विभाग के प्रमुख शासन सचिव देबाषीष पृष्ठी, स्वायत शासन सचिव रवि जैन और रेरा की चेयरपर्सन वीनू गुप्ता भी उपस्थित थी।

सम्मेलन में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए पंत ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के अर्बन सेक्टर और इंफ्रास्ट्रक्चर में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। देश में सड़कों का विकास हो अथवा सभी को अफॉर्डेबल हाउसिंग उपलब्ध करवाने या हर घर तक स्वच्छ पीने योग्य जल पहुंचने का लक्ष्य हो, इन सभी क्षेत्रों में देश के साथ–साथ राजस्थान ने भी महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की है। राजस्थान में इस वर्ष नई टाउनशिप पॉलिसी और मॉडल बिल्डिंग बायलॉज लॉन्च किए गए हैं, जिससे नए प्रोजेक्ट्स को सुविधा और गति मिलेगी। मुख्य सचिव पंत ने कहा कि किसी भी राज्य में बेहतर निवेश माहौल बनाने के लिए नीतियों और प्रक्रियाओं को सरल बनाना आवश्यक है। इसी दिशा में कार्य करते हुए राजस्थान में पुराने नियमों को सरल कर अनावश्यक बोझ घटाने की प्रक्रिया जारी है। साथ ही ट्रांजैक्ट ओरिएंटेड डेवलपमेंट और ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट (टीडीआर) पॉलिसी को भी प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष राजस्थान सरकार ने ग्रीन बजट प्रस्तुत किया है, जिसमें शहरों को सतत और पर्यावरण अनुकूल बनाने के विशेष प्रावधान किए गए हैं। इसमें सर्कुलर इकॉनोमी, रिसोर्सेस का सस्टेनेबल उपयोग और लैंड उपयोग को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया है।

पंत ने ''राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट'' का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें अर्बन सेक्टर में लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स के एमओयू साइन किए गए हैं। इनमें से 25,000 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स मौके पर ही शुरू हो गए, जो एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पिछले एक वर्ष में राजस्थान सरकार ने औद्योगिक, पर्यटन, खनन एवं खनिज, सिविल एविएशन और ऊर्जा क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में 15 नई नीतियां लागू की हैं।

राज्यपाल से ब्राजील के राजदूत केनेथ फेलिक्स हैकिंस्की दा नोब्रेगा ने मुलाकात की

जयपुर, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शुक्रवार को भारत में ब्राजील के राजदूत केनेथ फेलिक्स हैकिंस्की दा नोब्रेगा ने राजभवन पहुंचकर मुलाकात की। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल को ब्राजील में कृषि से जुड़े उत्पादों, वहां के जीवन और लोगों के बारे जानकारी दी।

राज्यपाल बागडे ने ब्राजील के कृषि–व्यवसाय के बारे में विशेष जानकारी ली और भारत में प्राकृतिक खेती के बारे में किए जा रहे प्रयासों के बारे में बताया। राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान कृषि, सहकारिता और डेयरी क्षेत्र के साथ विभिन्न अन्य क्षेत्रों में तेजी से विकास कर रहा है। उन्होंने राजस्थान और देश के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी संवाद किया।

ब्राजील के राजदूत केनेथ फेलिक्स हैकिंस्की दा नोब्रेगा ने बताया कि कृषि ब्राजील के सकल घरेलू उत्पाद का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सोयाबीन, कॉफी, चीनी आदि उत्पादों में ब्राजील अपने घरेलू खपत व निर्यात दोनों में विश्वभर में अग्रणी है। राज्यपाल बागडे ने राजस्थान के मोटे अनाज और उनकी पोषण गुणवत्ता के बारे में विशेष रूप से जानकारी दी। ब्राजील के राजदूत से अनौपचारिक संवाद में उन्होंने वैश्विक स्वास्थ्य, कृषि और अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में भारत को अग्रणी किए जाने, साझा प्रयासों पर भी विमर्श किया।

राज्यपाल बागडे ने ब्राजील में एथेनॉल और बायो उर्वरकों के बारे में विशेष रूप से संवाद किया। इस दौरान ब्राजील की शहरी और ग्रामीण आबादी, उनकी आजीविका आदि विषयों पर भी विशेष रूप से संवाद हुआ। आरंभ में राज्यपाल बागडे ने राजदूत का राजभवन आगमन पर अभिनंदन किया।

गुरुग्राम स्पेशल कोर्ट का एसआरएस ग्रुप के भगोड़े प्रमोटरों के खिलाफ एक्शन, नोटिस जारी

गुरुग्राम, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

गुरुग्राम की विशेष अदालत (पीएमएलए) ने एसआरएस ग्रुप की विभिन्न कंपनियों के प्रमोटरों और निदेशकों (जितेंद्र कुमार गर्ग, सुनील जिंदल और प्रवीण कुमार कपूर) को नोटिस जारी किया है। विशेष अदालत ने भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम (एफईओए), 2018 के तहत एसआरएस ग्रुप की कंपनियों के प्रमोटरों और निदेशकों को यह नोटिस जारी किया है।

ईडी के अनुसार, यह नोटिस धारा 4, एफईओए, 2018 के तहत दायर एक आवेदन के आधार पर जारी किया गया है, जिसमें इन आरोपियों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने और उनके द्वारा नियंत्रित कंपनियों, सहयोगियों और उनकी 212.73 करोड़ रुपए की चल और अचल संपत्तियों को जब्त करने की मांग की गई है।

एसआरएस ग्रुप रियल एस्टेट और वित्तीय व्यवसाय में सक्रिय था। इन प्रमोटरों पर धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, संपत्ति का आपराधिक दुरुपयोग और आपराधिक साजिश जैसे अपराधों का आरोप है, जिसमें उन्होंने होमबायर्स, प्लॉट खरीदारों, बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को ठगा है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा पुलिस, दिल्ली ईओडब्ल्यू और सीबीआई, नई दिल्ली द्वारा दर्ज लगभग 81 एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की। इन एफआईआर में भारतीय दंड संहिता, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत अनिल जिंदल, जितेंद्र कुमार गर्ग, सुनील जिंदल, प्रवीण कुमार कपूर और एसआरएस ग्रुप के अन्य निदेशकों तथा प्रमुख कर्मचारियों के खिलाफ आरोप लगाए गए थे।

गुरुग्राम में भाजपा की संगठनात्मक बैठक, सेवा पखवाड़ा की तैयारी

गुरुग्राम, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली की अध्यक्षता में गुरुग्राम स्थित भाजपा कार्यालय में दो महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठकें हुईं। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस (17 सितंबर) के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले 'सेवा पखवाड़ा' की रूपरेखा तैयार करना था। इन बैठकों में राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़, राष्ट्रीय कार्यालय सचिव महेंद्र पांडे, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल और संगठन मंत्री फणींद्रनाथ शर्मा सहित सभी जिलों के अध्यक्ष और जिला प्रभारी मौजूद रहे। राष्ट्रीय कार्यालय सचिव ने सभी कार्यालयों के बेहतर रखरखाव के लिए जरूरी निर्देश दिए।

पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले इस 'सेवा पखवाड़ा' में भाजपा कार्यकर्ता सेवा से जुड़े विभिन्न कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि 'नायब' सरकार तेजी से संकल्प पत्र के वादों को पूरा कर रही है और आने वाले समय में सभी घोषणाएं पूरी की जाएंगी।

मोहन लाल बड़ौली ने 'दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना' की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा महिलाओं को 2100 रुपये देने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि 23 से 60 वर्ष की लगभग 21 लाख बहनों को इस योजना का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस योजना के लिए 5 हजार करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, जिसे जरूरत पड़ने पर बढ़ाया जा सकता है।बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में बड़ौली ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 'सोने की चम्मच मुंह में लेकर पैदा हुए राहुल गांधी' गरीबों का दर्द नहीं समझ सकते।

भारत और अफ्रिका एक-दूसरे की क्षमताओं पर करें विश्वास : सैनी

हरियाणा, 29 अगस्त (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हरियाणा को कृषि–प्रधान राज्य बताते हुए शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल उत्पादन बढ़ाना ही नहीं, बल्कि कृषि को लोगों के लिए एक स्थायी और लाभदायक व्यवसाय बनाना है।

नई दिल्ली में 20वें सीआईआई इंडिया–अफ्रीका बिजनेस कॉन्क्लेव में 'खेत से भविष्य तक: भारत का अनुभव साझा करना – हरियाणा की कहानी' विषय पर आयोजित एक सत्र में सैनी ने कहा कि राज्य सरकार खेती से लेकर बाजार में उपज बेचने तक, हर कदम पर किसानों की मदद के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

उन्होंने अफ्रिका के अपने सभी भागीदारों से मिलकर काम करने और अपने अनुभवों को साझा करने का आग्रह किया। उन्होंने दोनों देशों की सर्वोत्तम कृषि पद्धतियों का आदान–प्रदान करने का आह्वान किया।

सैनी ने कहा, हमें एक–दूसरे की क्षमताओं पर विश्वास करना चाहिए और नए अवसरों को मिलकर तलाशना चाहिए। भारत और अफ्रिका के बीच यह साझेदारी मानवता, गरीमा और एक साझा भविष्य के लिए एक शक्तिशाली संदेश भी है। हम हरियाणा के लोग बिजनेस टू बिजनेस और गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट डील नहीं करते बल्कि हार्ट टू हार्ट डील करते हैं। उन्होंने मिलकर इस 20वें कॉन्क्लेव को मील का पत्थर बनाने की आह्वान किया, जो आगामी दशकों के लिए दोनों देशों की साझेदारी की दिशा तय करे।

उन्होंने सीआईआई को लेकर कहा, सीआईआई उद्योग जगत और सरकार के बीच लंबे समय से एक सेतू के रूप में कार्य कर रहा है। देश में ओद्योगिक क्षेत्र के विकास और प्रगति में इस संस्था का महत्वपूर्ण योगदान है। यह संस्था उद्योग जगत प्रतिनिधियों को उनके अनुभवों और विचारों के आदान प्रदान के लिए उपयुक्त मंच प्रदान करती है। सैनी ने ग्लोबल साउथ को लेकर कहा कि पीएम मोदी ने ग्लोबल साउथ की भूमिका पर जोर देते हुए कहा है कि विकासशील देशों की आवाज को मजबूती से उठाया जाए। साथ ही सामूहिक विकास के लिए सहयोग और साझेदारी की जरूरत है। पीएम मोदी ने कहा है कि ग्लोबल साउथ की एकता से ही वैश्विक समस्याओं का समाधान संभव हो सकता है।

सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में हरियाणा राज्य स्टार्टअप नीति 2022 को भी लागू किया गया है, इसमें कैपिटल सब्सिडी, लीज रेंट सब्सिडी, पेमेंट लागत की प्रतिपूर्ती, नेट एसजएसटी में रियायत, क्लाउड, स्टोरेज सहायता और सीड फंडिंग जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

उन्होंने कहा, हमारे युवा बिना किसी वित्तीय चिंता के अपने विचारों पर काम कर सकेंगे। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में युवाओं द्वारा 9500 स्टार्टअप शुरू किए गए हैं। आज हरियाणा भारत में स्टार्टअप की संख्या में 7वें बड़े राज्य के रूप में उभरा है। इसमें 50 प्रतिशत स्टार्टअप संस्थापक महिलाएं हैं। हमने अगले चरण में स्टार्टअप में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर 60 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है।

शुभ लाभ DAILY

बिहार के 3 लाख मतदाताओं ने कर दी भारी गड़बड़ी!

चुनाव आयोग अब भेज रहा नोटिस

पटना (एजेंसियां)। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत, निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) ने अब तक लगभग 3 लाख मतदाताओं के दस्तावेजों में विसंगतियां पाई हैं। सूत्रों के हवाले मिली खबर के मुताबिक और अब उन्हें सात दिनों के भीतर उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी करना शुरू कर दिया है। घटनाक्रम से अवगत अधिकारियों के अनुसार, यह संख्या बढ़ने की संभावना है, क्योंकि विधानसभा क्षेत्रों के ईआरओ अभी भी दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, 1 अगस्त को प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची में 7.24 करोड़ मतदाताओं के नाम शामिल हैं। उनके पास चुनाव आयोग द्वारा बताई गई 11 लोगों की सूची में से पात्रता संबंधी दस्तावेज जमा

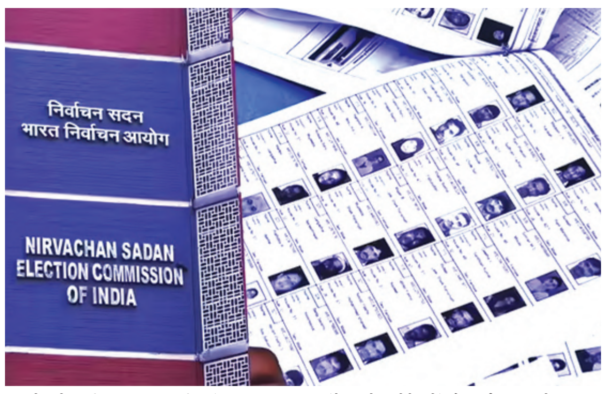

करने के लिए एक सितंबर तक का समय है।

रविवार को चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा था कि 98.2% मतदाताओं के दस्तावेज प्राप्त हो चुके हैं। मामले से अवगत चार सूत्रों के अनुसार, इस सप्ताह से ईआरओ ऐसे मतदाताओं को नोटिस जारी कर रहे हैं, जिन्होंने या तो कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया है, या गलत दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं या जिनकी नागरिकता सहित पात्रता संदेह के घेरे में है। ईआरओ द्वारा जारी मुद्रित नोटिस में किसी नियम या कानूनी प्रावधान का उल्लेख नहीं है, बल्कि कहा गया है कि यह 'ड्राफ्ट रोल में प्रविष्टियों के सत्यापन' के लिए एक नोटिस है। इसमें कहा गया है कि संबंधित मतदाता का नाम गणना प्रपत्र और घोषणा के आधार पर ड्राफ्ट रोल में शामिल किया गया था।

आयोग के मुताबिक नोटिस में कहा गया है कि आपके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के सत्यापन के दौरान, नोटिस में कहा गया है, विसंगतियां पाई गईं जो इस विधानसभा क्षेत्र के मतदाता के रूप में नामांकित होने के आपके अधिकार पर उचित संदेह पैदा करती हैं।

इसमें संबंधित मतदाता को निर्धारित समय और स्थान पर दस्तावेजों की मूल प्रतियों के साथ ईआरओ के समक्ष उपस्थित होने को कहा गया है। सूत्रों ने बताया कि मतदाताओं को सात दिन का नोटिस दिया जा रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि संबंधित ईआरओ की सुनवाई और स्पष्ट आदेश के बिना कोई भी नाम नहीं हटाया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध नागरिकता की जानकारी गणना अवधि के दौरान बूथ स्तर के अधिकारियों और प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा एकत्र की गई थी।

24 जून को जारी चुनाव आयोग के एसआईआर आदेश के अनुसार, बिहार के सभी 7.89 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं को ड्राफ्ट रोल में जगह बनाने के लिए 25 जुलाई तक गणना फॉर्म भरना आवश्यक था। चुनाव आयोग के अनुसार, समय सीमा तक 7.24 करोड़ फॉर्म प्राप्त हुए थे, जिससे ड्राफ्ट चरण में रोल से 65 लाख नाम हटा दिए गए। चुनाव आयोग ने कहा कि ये लोग मृत, प्रवासी, कई स्थानों पर नामांकित या लापता पाए गए थे। चुनाव आयोग ने 2003 के बाद पंजीकृत सभी लोगों से, जब अंतिम गहन संशोधन किया गया था, अपनी जन्मतिथि और/या जन्म स्थान के साथ-साथ 1 जुलाई 1987 के बाद पैदा हुए लोगों के लिए अपने माता-पिता के दस्तावेज जमा करने की भी आवश्यकता बताई, जिससे नागरिकता स्थापित हो सके। यह सालाना और चुनाव से पहले रोल को अपडेट करने की सामान्य प्रथा से हटकर था।

कटिहार में इनकम टैक्स की रेड

मक्का कारोबारी राजेश चौधरी के ठिकानों को खंगाला जा रहा

कटिहार (एजेंसियां)। बिहार के कटिहार में शुक्रवार अहले सुबह आयकर टीम की छापेमारी हुई है। यह छापेमारी एक मक्का कारोबारी के ठिकानों पर की गई है।

इस रेड के बाद इलाके में कारोबारियों में हड़कंप का माहौल भी देखने को मिल रहा है। फिलहाल मामले में छापेमारी जारी है। लिहाजा किसी भी तरह की कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

कटिहार जिले के सेमापुर थाना क्षेत्र में आयकर विभाग की टीम ने शुक्रवार की सुबह बड़ी कार्रवाई की है। यह छापा मक्का के सबसे बड़े कारोबारी और इलाके की नामी हस्ती माने जाने वाले राजेश चौधरी के आवास समेत कई ठिकानों पर एक साथ पड़ा है। इसके बाद इलाके में हड़कंप का माहौल कायम हो गया है।

बताया जा रहा है कि आयकर की टीम भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच राजेश चौधरी के सेमापुर स्थित आवास पर पहुंची। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, छापेमारी दल दस्तावेजों और संपत्ति से जुड़े कागजातों की गहन छानबीन कर रहा है। इसके साथ ही बड़ी संख्या में आसपास के लोग उनके आवास के बाहर जुट गए और तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं।

आपको बताते चलें कि राजेश चौधरी का नाम जिले के सबसे बड़े मक्का व्यापारी के रूप में जाना जाता है और कारोबार के साथ-साथ उनकी गिनती प्रभावशाली हस्तियों में होती है। फिलहाल आयकर विभाग की यह कार्रवाई जारी है और किसी भी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। वहीं, छापेमारी की खबर सुनते ही अन्य कारोबारी वर्ग में भी खलबली मच गई है।

पटना सिविल कोर्ट में बम की सूचना से हड़कंप, पुलिस अलर्ट पर

पटना (एजेंसियां)। पटना व्यवहार न्यायालय को शुक्रवार को गंभीर बम धमकी मिली, जिसके बाद पूरे न्यायालय परिसर में हड़कंप मच गया। धमकी ईमेल के माध्यम से न्यायालय के जज को भेजी गई। सूचना मिलने के तुरंत बाद पटना पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच में जुट गए। वहीं, कोर्ट परिसर को पूरी तरह खाली करवा दिया गया और सभी सुनवाईयां नई तारीख पर स्थगित कर दी गई।

बम स्क्वॉड की टीम को भी बुलाया गया और न्यायालय परिसर में विस्तार से तलाशी अभियान चला। हालांकि, तलाशी के दौरान किसी प्रकार का विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला। पटना पुलिस का कहना है कि धमकी किस ओर से और किसने भेजी, इसकी जांच की जा रही है। साइबर सेल और अन्य जांच टीमों की मदद भी ली जा रही है। पुलिस ने कहा कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

धमकी ईमेल में कहा गया है कि बिहार से तमिलनाडु जाने वाले प्रवासी मजदूरों की संख्या बढ़ने से तमिलनाडु की स्थानीय जनसंख्या संरचना प्रभावित हो रही है। धमकी में बताया गया कि चार आरडीएक्स आईईडी न्यायाधीश के कक्ष और परिसर में स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही ईमेल में यह भी दावा किया गया कि यह अभियान पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के सहयोग से चलाया जा रहा है और बिहार श्रमिकों को चेन्नई भेजना बंद किया जाए। इस धमकी के बाद पटना व्यवहार न्यायालय की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और पुलिस मामले की गहन जांच में लगी हुई है।

वहीं, पटना व्यवहार न्यायालय के वकील राजन सिंह ने बताया कि यह दूसरी बार है जब पटना सिविल कोर्ट को बम धमकी मिली है। उन्होंने कहा कि पटना पुलिस से अपील है कि इस मामले को गंभीरता से लें और धमकी देने वाले को तुरंत गिरफ्तार करें। उन्होंने यह भी बताया कि पिछली बार धमकी देने वाले की गिरफ्तारी हुई या नहीं, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। इस बार धमकी मिलने के बाद कोर्ट में अफरातफरी मच गई और हम सभी फौरन अपने-अपने चैंबर से बाहर निकल आए। राजन सिंह ने कहा कि पटना पुलिस कोर्ट में कड़ी सुरक्षा मुहैया कराए।

पीएम मोदी को अपशब्द के विरोध में भाजपा का हल्लाबोल, कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में घुसकर तोड़फोड़

पटना (एजेंसियां)। राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा के दौरान दरभंगा में मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली दिए जाने के मामले ने सियासत में हलचल मचा दी है। इस घटना के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और कार्यकर्ता शुक्रवार सुबह पटना में सड़क पर उतर आए और जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपा नेताओं ने सदाकत आश्रम तक मार्च किया और राहुल गांधी तथा इंडिया गठबंधन के अन्य नेताओं के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम में कथित तौर पर तोड़फफोड़ की गई। भाजपा ने इस घटना को गंभीर बताया और कहा कि मंच से प्रधानमंत्री को गाली

देना सिर्फ व्यक्तिगत अपमान नहीं, बल्कि पूरे देश के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला मामला है। इस घटना ने राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है और सियासी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं।

बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सभी घटक दलों के नेता और कार्यकर्ता कुर्जी मोड़ से सदाकत आश्रम तक पैदल मार्च कर आए। वे राहुल गांधी का पुतला दहन करने वाले थे। लेकिन इससे पहले ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं से उनकी भिड़ंत हो गई। दोनों पक्षों के बीच झड़प हुई।

इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सदाकत आश्रम के अंदर से एनडीए कार्यकर्ताओं पर पथराव शुरू कर दिया। इस बीच एनडीए के कार्यकर्ता भी उग्र हो गए और उन्होंने जमकर तोड़फफोड़ की। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा-बूझाकर शांत कराया। पुलिस के समझाने के बाद एनडीए के कार्यकर्ता वापस चले गए, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं का विरोध प्रदर्शन जारी रहा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सदाकत आश्रम के सामने अशोक राजपथ को जाम कर दिया और प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने एनडीए कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उनका कहना था कि बिना किसी अपराध के भाजपा के कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला किया और प्रदेश मुख्यालय की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रकों के शीशे भी तोड़े गए और भाजपा उनकी आवाज दबाने की कोशिश कर रही है।

सीएम नीतीश कुमार की कैबिनेट का महिलाओं के लिए बड़ा फैसला, रोजगार के लिए मिला सीधा ऑफर

पटना (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने 2005 में सत्ता संभालने के बाद से ही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं और अब इसी दिशा में एक ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने एक्स अकाउंट (पूर्व में ट्विटर) पर महिला सशक्तिकरण को लेकर एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने लिखा कि नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अब महिलाएं अपनी मेहनत से न केवल राज्य के विकास में यो-

गदान दे रही हैं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इसी मिशन को आगे बढ़ाते हुए कैबिनेट की बैठक में 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' को मंजूरी दी गई है। इस योजना का उद्देश्य राज्य के हर परिवार की एक महिला को उनकी पसंद का रोजगार शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना है।

प्रत्येक परिवार की एक महिला को रोजगार शुरू करने के लिए 10 हजार रुपये प्रथम किस्त के रूप में दिए जाएंगे।

आवेदन प्रक्रिया जल्द शुरू होगी, जिसका संचालन ग्रामीण विकास विभाग करेगा। नगर विकास एवं आवास विभाग का भी सहयोग लिया जाएगा।

सितंबर 2025 से महिलाओं के बैंक खातों में सीधे राशि का हस्तांतरण शुरू होगा।

रोजगार शुरू करने के छह माह बाद महिलाओं को 2 लाख रुपये तक की अतिरिक्त सहायता दी जा सकेगी। महिलाओं के उत्पादों की बिक्री के लिए गांव से लेकर शहर तक हाट बाजार विकसित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि इस योजना से महिलाओं की आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। साथ ही राज्य के भीतर ही बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध होंगे, जिससे लोगों को मजबूरी में बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

पीएम नरेंद्र मोदी को गाली देने वाला गिरफ्तार, बिहार पुलिस ने दरभंगा से पकड़ा

दरभंगा (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कांग्रेस की वोट अधिकार यात्रा के दौरान गाली देने वाले आरोपी कांग्रेस नेता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बिहार पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को दरभंगा से दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी की पहचान सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र के भोपुरा गांव निवासी रिजवी उर्फ राजा के रूप में की है। उस पर आरोप है कि उसने मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और भद्दी-भद्दी गालियां दीं।

घटना के बाद इस मामले में सिमरी थाना में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई

जारी है। इस घटना के बाद जिले में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी स्वर्गीय माता पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण चौधरी ने दरभंगा साइबर थाना में कांग्रेस नेता नौशाद समेत अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। भाजपा नेता ने अपनी लिखित शिकायत में कहा कि 27 अगस्त को विपक्ष के नेता राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की मौजूदगी में महागठबंधन द्वारा आयोजित वोटर अधिकार यात्रा के दौरान मंच से प्रधानमंत्री और उनकी माता के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की गई। जिलाध्यक्ष ने इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह सिर्फ प्रधानमंत्री नहीं बल्कि पूरे देश का अपमान है। उन्होंने पुलिस से आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।

वहीं, पुलिस टीम मुख्य आरोपी नौशाद की तलाश में छापेमारी कर रही है। एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी पर अभद्र टिप्पणी करने के मामले में एक आरोपी को पकड़ा गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। अन्य आरोपियों की तलाश में दरभंगा पुलिस की टीम लगातार छापेमारी कर रही है। सिमरी थानाध्यक्ष ने रिजवी उर्फ रफीक उर्फ राजा को गिरफ्तार किया है। पुलिस सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र सरफराज शेख की भी तलाश कर रही है। पीएम मोदी को गाली देने का यह भी आरोपी है।

सीवान में राहुल गांधी के दौरे को लेकर ट्रैफिक रूट डायवर्जन, प्रशासन ने जारी किए दिशा-निर्देश

सीवान (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और सांसद राहुल गांधी के सीवान दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने यातायात व्यवस्था में विशेष बदलाव किए हैं।

समाहरणालय सीवान के जनसंपर्क शाखा की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार, आम जनता को असुविधा से बचाने के लिए ट्रैफिक रूट डायवर्जन लागू किया गया है।

निर्देश के मुताबिक, 29 अगस्त को दोपहर 3 बजे के बाद गोपालगंज मोड़ से हरदिया मोड़ तक सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। सारण बाईपास से सीवान टाउन में प्रवेश करने वाले वाहनों को हरदिया चौक से सराय थाना,

सैफायर इन होटल, सिसवन ढाला, स्टेशन मोड़, आंदर ढाला और कंधवारा होते हुए दरोगा राय कॉलेज मोड़, मैरवा रोड की ओर डायवर्ट किया जाएगा।

वहीं, मैरवा रोड से आने वाली गाड़ियां कंधवारा, रेणुआ, आंदर ढाला, स्टेशन मोड़, सिसवन ढाला, सैफायर इन होटल और सराय थाना होते हुए हरदिया से बाईपास की ओर भेजी जाएंगी। नगर थाना की ओर से किसी भी वाहन को जेपी रोड में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। इसी तरह, हकाम से आने वाले वाहनों का भी जेपी रोड में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

हालांकि, आपातकालीन सेवाओं जैसे एंबुलेंस और शव यात्रा पर इन पाबंदियों का असर नहीं पड़ेगा।

जिला प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। साथ ही, प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि राहुल गांधी के दौरे के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक इंतज़ाम किए गए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com